नवबिहार टाइम्स

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

• 5 मार्च 2024 मंगलवार • बोकारो संस्करण • वर्ष : 07 • अंक : 305 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 2.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित

देश और दुनिया के इतिहास में आज की प्रमुख घटनाएं

1699 : महाराजा जय सिंह ने अंबर का सिंहासन संभाला।
1949 : भारत में झारखंड पार्टी की स्थापना हुई।
1962 : कनाडा में आयकर नियमों में बदलाव किया गया।
1968 : मार्टिन लूथर किंग की हत्या।
1997 : उत्तर कोरिया और दक्षिण कोरिया के बीच 25 साल में पहली बार शांति वार्ता हुई।
2002 : राष्ट्रमंडल शिखर सम्मेलन सम्पन्न।
2010 : भारत के प्रसिद्ध उद्यमियों में से एक जी.पी. बिड़ला का निधन।

सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक उत्थान के लिए सरकार कृत संकल्प : चंपाई

मुख्यमंत्री ने गिरिडीह में लगभग 587 करोड़ रुपए की लागत से 156 विभिन्न विकास योजनाओं का किया उद्घाटन-शिलान्यास एवं परिसंपत्ति का वितरण

नवबिहार टाइम्स

गिरिडीह। मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन ने कहा कि आज हमारी सरकार गिरिडीह की इस धरती पर कई महत्वपूर्ण योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास कर रही है। रोटी, कपड़ा और मकान की जरूरत को पूरा करते हुए बुनियादी व्यवस्थाओं को भी मजबूत बनाने का कार्य राज्य सरकार निरंतर कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार यहां के लोगों की सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक उत्थान के लिए कृत संकल्पित है। पिछले दो वर्षों में राज्य सरकार द्वारा कई महत्वपूर्ण जन कल्याणकारी कार्य प्रतिबद्धता के साथ किए गए हैं। झारखंड देश का पहला ऐसा राज्य है जहां सर्वजन पेंशन योजना लागू की गई है। हमारी सरकार ने राज्य में शैक्षणिक व्यवस्थाओं को सुदृढ़ और अपग्रेड करने का काम किया है। उक्त बातें मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन ने सोमवार को नगर भवन, गिरिडीह में आयोजित विभिन्न विकास योजनाओं के उद्घाटन एवं शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ये बातें कही। मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन ने कहा कि राज्य में सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में बेहतर कार्य हुए हैं। पिछले 4 वर्षों में हमारी सरकार ने सामाजिक सुरक्षा के दायरे में आने वाले सभी पात्र लोगों को सर्वजन पेंशन योजना से जोड़ने का कार्य किया है। पहले यहां के वृद्धजन पेंशन योजना से जुड़ने को लेकर बेवजह परेशान होते थे, उन्हें प्रखंड कार्यालय में दौड़ना पड़ता था। हमारी सरकार ने पूरे झारखंड में आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार, अभियान चलाकर लोगों को योजनाओं से जोड़ने का कार्य किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में पहली बार ऐसा हुआ है कि जिला मुख्यालय एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी योजनाओं की गठरी लेकर एक-एक गांव और एक-एक घर पहुंचने का काम कर रहे हैं। यह कार्य पूर्व मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के कुशल नेतृत्व में संभव हुआ। राज्य सरकार के पदाधिकारी गांव-गांव तथा घर-घर पहुंचकर लोगों की समस्याओं को समझा तथा समस्याओं का निष्पादन त्वरित गति से करने का कार्य किया गया है। हमारी सरकार ने जन भावनाओं के अनुरूप योजनाओं को बनाने का कार्य किया है। सभी योजनाएं धरातल पर उतारी जा रही हैं। वर्तमान समय में राज्य के भीतर सभी पात्र विधवा, दिव्यांग, वृद्ध को पेंशन से जोड़ा गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार अब राज्य के सभी वर्ग की महिलाओं को 50 वर्ष के उम्र से ही पेंशन योजना का लाभ देगी। वहीं एसटी-एससी समुदाय के पुरुषों को भी अब 50 वर्ष के उम्र से ही पेंशन योजना से आच्छादित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार पूर्व मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के नेतृत्व को ही आगे बढ़ाते हुए राज्य की बुनियादी व्यवस्थाओं को मजबूत करने पर लगी है। हमारी सरकार अबुआ आवास योजना जैसे महत्वपूर्ण योजना को धरातल पर उतरने का कार्य प्रारंभ कर चुकी है। अबुआ आवास योजना के तहत राज्य के 20 लाख पात्र परिवारों को पक्का मकान दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व की सरकारों ने यहां के आदिवासी और मूलवासी के जरूरतों को नजरअंदाज करने का काम किया है। हमारी सरकार यहां के लोगों के जरूरतों के मद्देनजर योजनाओं को धरातल पर उतार रही है। पिछले 4 वर्षों में पूर्व मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के नेतृत्व में जनकल्याण के बहुत सारे कार्य हुए हैं। पिछले दो वर्षों में जरूरतमंद सभी परिवारों को रोटी, कपड़ा और मकान उपलब्ध करने की दिशा में प्रतिबद्धता के साथ कार्य किए गए हैं। मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन ने कहा कि हाल के दिनों में धनबाद जिला अंतर्गत सिंदरी यूरिया कारखाना का उद्घाटन हुआ है। मेरा मानना है कि इस कारखाने से उत्पादित यूरिया का लाभ झारखंड के किसानों को तभी मिल सकेगा जब उनके खेतों पर पाइपलाइन के जरिए पानी पहुंचाई जाए। हमारी सरकार पूर्व मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के सोच के अनुरूप यहां के किसान भाइयों के खेतों पर साल के 12 महीने पाइपलाइन के जरिए सिंचाई हेतु पानी पहुंचाने का कार्य कर रही है। हमारी सरकार की सोच है कि राज्य के भीतर असंगठित मजदूरों को संगठित कर उन्हें उनका हक-अधिकार दी जाए। यहां के किसान साल में तीन फसल उगाकर आत्मनिर्भर बन सके इस निमित्त उन्हें हर सुविधा प्रदान की जाएगी। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर गिरिडीह जिले को 156 योजनाओं की सौगात दी। इनमें 57 योजनाओं का उद्घाटन और 99 योजनाओं की आधारशिला रखी गई। जिसके तहत लगभग 587 करोड़ रुपए खर्च होंगे। जहां उद्घाटन योजनाओं की राशि 166.75 करोड़ है, वहीं शिलान्यास योजनाओं की राशि 420.16 करोड़ रुपए है। मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन ने कहा कि राज्य में किसान के बच्चे, मजदूर के बच्चे, हर गरीब परिवार के बच्चों को बेहतर शिक्षा प्रदान कर सके इस निमित्त छात्रवृत्ति राशि में तीन गुना तक वृद्धि की गई है। पैसों के अभाव में अब विद्यार्थियों की पढ़ाई न रुके इसके लिए सभी जरूरी सुविधाएं राज्य सरकार दे रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक व्यवस्थाओं को निरंतर मजबूत करने का कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व की सरकारों ने राज्य के 5 हजार प्राईमरी स्कूलों को बंद करने का कार्य किया था। आज हमारी सरकार राज्य के भीतर संचालित सरकारी विद्यालयों को उत्कृष्ट विद्यालयों के अनुरूप अपग्रेड करने का कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के नेतृत्व में राज्य के भीतर स्थापित निजी औद्योगिक संस्थानों में 75% नियुक्ति स्थानीय लोगों की हो इस निमित्त कानून बनाया गया है। हमारी सरकार की सोच है कि हम यहां के युवा वर्ग को अधिक से अधिक नौकरियां उपलब्ध करा सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में बेरोजगार युवकों को रोजगार मुहैया कराने के लिए मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना संचालित की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व की सरकार ने 11 लाख राशन कार्ड रद्द किए थे। हमारी सरकार ने पिछले 4 वर्षों में लगभग 25 लाख से ज्यादा परिवारों को राशन कार्ड उपलब्ध कराने का कार्य कर दिखाया है। हमारी सरकार ने झारखंड के सभी परिवारों को 100 यूनिट बिजली निःशुल्क देने का कार्य किया है। अब हमारी सरकार 100 यूनिट की जगह 125 यूनिट बिजली राज्य की जनता को निःशुल्क उपलब्ध करा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब हर गरीब परिवार के घर पर बिजली का मीटर लगाया जाएगा। बिजली से संबंधित सभी शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई भी की जाएगी। इस अवसर पर मंत्री हफीजुल हसन, विधायक विनोद सिंह, पूर्व विधायक निजामुद्दीन अंसारी, पूर्व विधायक डॉ. जयप्रकाश वर्मा, मुख्यमंत्री के सचिव अरवा राजकमल, जिले के उपायुक्त समेत अन्य पदाधिकारीगण तथा बड़ी संख्या में अन्य लोग उपस्थित थे।

पटना में बनेगा भारत व एशिया का पहला डॉल्फिन अनुसंधान केन्द्र

नीतीश कुमार ने किया बिहार जलवायु सम्मेलन व प्रदर्शनी का उद्घाटन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। पटना स्थित ज्ञान भवन में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार जलवायु सम्मेलन एवं प्रदर्शनी का फीता काटकर और दीप प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन किया। इस सम्मेलन का उद्देश्य विशेषज्ञों, हितधारकों एवं नीति निर्माताओं को एक साथ लाना एवं बिहार राज्य के लिए जलवायु रणनीतियों पर विचार-विमर्श करना है। साथ ही जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों एवं इससे बचने के उपायों के बारे में विचार-विमर्श करना है। डब्ल्यूआरआई इंडिया, यूएनईपी और शक्ति सस्टेनेबल ऊर्जा फाउंडेशन के सहयोग से पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग और बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा बिहार क्लाइमेट एक्शन कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री द्वारा पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन विभाग से 100 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का भी शुभारंभ किया गया, जिसमें पटना में भारत और एशिया का पहला डॉल्फिन अनुसंधान केंद्र भी शामिल है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के द्वारा राज्य के सभी 543 ब्लॉक कार्यालयों में स्थापित वायु गुणवत्ता निगरानी सेंसर के लिए एक एकीकृत डैशबोर्ड का भी अनावरण किया गया। इस अवसर पर उन्होंने पूर्णिया और भागलपुर में बीएसपीसीबी के क्षेत्रीय कार्यालयों का उदघाटन किया। उल्लेखनीय है कि बिहार एक आपदा प्रवण राज्य है और जलवायु परिवर्तन के कारण विगत कुछ दशकों से बाढ़, सुखाड़, आकाशीय विद्युत जैसी आपदाओं की तीव्रता और आवृत्ति में बढ़ोतरी हुई है। इस पृष्ठभूमि में राज्य सरकार द्वारा जलवायु परिवर्तन शमन एवं अनुकूलन की दिशा में अनेक कदम उठाए गये हैं, जिनमें 'जल-जीवन-हरियाली अभियान' एवं जलवायु अनुकूल कृषि कार्य प्रमुख हैं। बिहार, देश का पहला राज्य है, जहां जलवायु परिवर्तन के खतरों से निपटने के लिए जल-जीवन-हरियाली अभियान चलाया जा रहा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में पर्यावरण संरक्षण के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। जल-जीवन-हरियाली जागरूकता अभियान के अंतर्गत 19 जनवरी 2020 को राज्य में 18 हजार किलोमीटर से अधिक लंबी मानव श्रृंखला बनी, जिसमें 5 करोड़ 16 लाख से अधिक लोगों ने भाग लेकर पर्यावरण के संरक्षण और नशामुक्ति के समर्थन में एवं बाल विवाह और दहेज प्रथा मिटाने के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया। पर्याप्त संरक्षण के समर्थन में बनी यह ऐतिहासिक मानव श्रृंखला विश्व में किसी भी मुद्दे पर बनी, अब तक की सबसे लंबी मानव श्रृंखला है। कार्यक्रम में पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की सचिव बंदना प्रेयषी ने मुख्यमंत्री को प्रतीक चिन्ह भेंटकर उनका स्वागत किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी एवं विजय कुमार सिन्हा, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री डॉ. प्रेम कुमार, जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, एवं डॉ. एस. सिद्धार्थ, मुख्यमंत्री के सचिव अनुपम कुमार, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह, बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद के अध्यक्ष डॉ. डीके शुक्ला, प्रधान मुख्य वन संरक्षक आशुतोष सहित अन्य वरीय अधिकारी एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

ईडी अधिकारियों को हाईकोर्ट से राहत, पुलिस ऐक्शन पर रोक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। हेमंत सोरेन की ओर से रांची में एसटी/एससी एक्ट के दर्ज कराई गई एफआईआर के मामले में ईडी के अधिकारियों को झारखंड हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। झारखंड हाईकोर्ट ने ईडी अधिकारियों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी पर किसी प्रकार की पुलिसिया कार्रवाई पर रोक लगा दी है। जस्टिस एके चौधरी ने सोमवार को रोक लगाई और प्रतिवादी हेमंत सोरेन से जवाब मांगा है। ईडी ने प्राथमिकी दर्ज किए जाने को नियमों का उल्लंघन बताया और एफआईआर रद्द करने के लिए याचिका दायर की है। मालूम हो कि ईडी ने दिल्ली में हेमंत सोरेन के ठिकानों पर 30 जनवरी को छापेमारी की थी। इसके बाद हेमंत सोरेन ने 31 जनवरी को रांची में ईडी अधिकारियों के खिलाफ एसटी/एससी एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई थी। ऐस में झारखंड पुलिस की ओर से कदम उठाए जाने की चिंता ईडी अधिकारियों को सता रही थी। ईडी अधिकारियों ने झारखंड हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। ईडी अधिकारियों का कहना था कि हेमंत सोरेन की ओर से दर्ज कराई गई एफआईआर नियम विरुद्ध है। मालूम हो कि हाल ही में झारखंड हाईकोर्ट से हेमंत सोरेन को तगड़ा झटका लगा था। झारखंड हाईकोर्ट ने हेमंत सोरेन को विधानसभा के बजट सत्र में शामिल होने की अनुमति देने से इनकार कर दिया था। ईडी कोर्ट ने हेमंत सोरेन को विधानसभा सत्र में शामिल होने की अनुमति देने से इनकार कर दिया था। याचिका खारिज होने के बाद हेमंत सोरेन ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। ईडी ने याचिका का विरोध किया था। ईडी ने अपनी दलील में कहा था कि न्यायिक हिरासत में आरोपित का संवैधानिक अधिकार भी निलंबित रहता है।

चाय की दुकान में घुसा ट्रक, चार की मौत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

दुमका। दुमका में सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गई है। शुरुआती जानकारी के अनुसार हंसडीहा थाना क्षेत्र में थाना से थोड़ी ही दूरी पर एक ट्रक चाय की गुमटी में घुस गया। जिसमें वहां चाय पी रहे चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं 6 लोगों के घायल होने की सूचना है। हादसा सुबह साढ़े 11 बजे हुआ। सभी घायलों को इलाज के लिए सरैयाहाट के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। अभी मरने वालों की पहचान नहीं हो सकी है, लेकिन सभी स्थानीय लोग बताए जा रहे हैं। दूसरी तरफ इस घटना के बाद स्थानीय लोग नाराज हैं। नाराज लोगों ने देवघर-दुमका मुख्य सड़क को जाम कर दिया है। सड़क हादसे में मारे गए लोगों के लिए उचित मुआवजे की मांग भी की जा रही है।

भर्ती पद्धति

चरण 1 – नामांकित केंद्रों पर सभी उम्मीदवारों के लिए ऑनलाइन सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीईई)। इसके अलावा, क्लर्क/एसकेटी श्रेणी के लिए टाइपिंग टेस्ट।

चरण 2 – भर्ती रैलियों के दौरान सीईई योग्य उम्मीदवारों के लिए शारीरिक स्वास्थ्य परीक्षण।

चरण 3 – अनुकूलनशीलता परीक्षण और चिकित्सा परीक्षण।

अधिक जानकारी के लिए www.join Indianarmy.nic.in पर जाएं

Scan the QR Code for more information

महत्वपूर्ण जानकारी :

- ऑनलाइन पंजीकरण 22 मार्च 2024 तक जारी है।
- खिलाड़ियों, एनसीसी प्रमाणपत्र धारकों, आईटीआई उत्तीर्ण और डिप्लोमा धारकों के लिए बोनस अंक।
- पंजीकरण और परीक्षा प्रक्रिया पर वीडियो और अभ्यास के लिए मॉक टेस्ट जॉइन इंडियन आर्मी की वेबसाइट पर उपलब्ध।

दलालों और धोखेबाजों के शिकार न बनें। किसी भी जानकारी के लिए निकटतम एआरओ से संपर्क करें।

cbc 10601/13/0069/2324

बिहार में एनडीए सरकार बनने के बाद अमित शाह का पहला दौरा, 9 मार्च को पटना में महारैली

सूत्रों के अनुसार इस रैली में एक लाख लोगो को जुटाने के लिए भाजपा तैयारी कर रही हैं

पटना, एजेंसी। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह 9 मार्च को पटना जिले के पालीगंज आएंगे। वे अनुमंडल मुख्यालय बाजार स्थित कृषि फॉर्म के मैदान में रैली को संबोधित करेंगे। एनडीए सरकार बनने के बाद वे पहली बार बिहार आ रहे हैं। रैली को लेकर भाजपा ने तैयारी शुरू कर दी है। अमित शाह की रैली को सफल बनाने के लिए भाजपा ने अपने सभी कमेटियों को निर्देशित करते हुए जी जान लगा देने के लिए कहा है।

सूत्रों के अनुसार इस रैली में एक लाख लोगो को जुटाने के लिए भाजपा तैयारी कर रही हैं। अमित शाह के सामने भाजपा को शक्ति प्रदर्शन दिखाने के लिए जीतोड़ कोशिश करेगी। पाटलिपुत्र संसदीय क्षेत्र के साथ-साथ आरा, जहानाबाद, पटना साहिब संसदीय क्षेत्र से भी लोगों को बुलाने की तैयारी है। सभी मंडल कमेटियों को इसके लिए रोड मैप तैयारी करने के लिए दिशा निर्देश दिया गया है।

लोकसभा चुनाव के मद्देनजर बिहार में भी बीजेपी पूरी तरह एक्टिव हो गई है। बीते 2 मार्च को पीए मोदी ने चुनावी शंखनाद किया था। औरंगाबाद और बेगूसराय में 48000 करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण और उद्घाटन किया था। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने नाम लेकर राजद सुप्रीमो लालू यादव पर निशाना साधा था। और कहा था कि नौकरी के नाम पर युवाओं की जमीन कब्जा ली। साथ ही कांग्रेस और आरजेडी पर परिवारवाद का आरोप लगाया था।

इससे पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बीते साल दिसंबर में पूर्वी क्षेत्रीय परिषद की बैठक में शामिल होने के लिए पटना पहुंचे थे। जिसमें सीएम नीतीश ने बिहार के लिए विशेष राज्य का दर्जा देने की डिमांड की थी। वहीं शाह ने कहा था कि जब उनकी पार्टी की बिहार में सत्ता थी। तो जाति आधारित सर्वेक्षण का समर्थन किया था। शाह के इस दौरे के दौरान बिहार में महागठबंधन की सरकार थी। और नीतीश कुमार इंडिया अलायंस के सहयोगी थे। लेकिन अब बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए की सरकार है। नई सरकार के गठन के बाद 9 मार्च में अमित शाह का पहला बिहार दौरा होगा।

संक्षिप्त समाचार

सूबे के सभी विश्वविद्यालयों के आय-व्यय का होगा ऑडिट

भागलपुर, एजेंसी। तिलकामांझी भागलपुर विश्वविद्यालय समेत बिहार के सभी विश्वविद्यालयों के आय-व्यय का ऑडिट होगा। इसको लेकर शिक्षा विभाग ने ऑडिट टीम का गठन कर दिया है। इस बाबत शिक्षा विभाग की निदेशक डॉ. रेखा कुमारी ने टीएमबीयू समेत सभी विश्वविद्यालयों के रजिस्ट्रार को पत्र लिख दिया है। उन्होंने अपने पत्र में कहा है कि विश्वविद्यालयों में वेतन, बकाया वेतन, विभिन्न अधिप्राप्ति, व्यय, क्रय आदि से संबंधित फाइल का ऑडिट होगा। इसको लेकर गठित ऑडिट टीम में वरीय ऑडिटर विंध्याचल प्रसाद व सीए शिलेश कुमार को रखा गया है। ऑडिट टीम को उसकी जररूत के अनुसार फाइल को उपलब्ध कराया जाए, ताकि टीम दो निर्धारित समय सीमा के अंदर आडिट का काम पूरा कर सके।

बरारी के मॉल में लड़की से छेड़खानी का विरोध करने पर युवक की पिटाई

भागलपुर, एजेंसी। बरारी थाना क्षेत्र स्थित एक मॉल में काम करने वाली महिला स्टाफ से छेड़खानी का विरोध करने पर वहीं काम करने वाले युवक की बदमाशों ने जमकर पिटाई कर दी। घटना के बाद पीड़ित पक्ष अपनी शिकायत लेकर रविवार की रात लगभग दस बजे बरारी थाना पहुंचा। युवक ने पुलिस को बताया कि मॉल के अंदर महिला स्टाफ से लफंगा छेड़खानी कर रहे थे उसने जब देखा तो उन लोगों का विरोध किया। उसी का बदला लेने के लिए आरोपी उसके घर पहुंच गए और पिटाई कर दी। बरारी थानेदार ने बताया कि लिखित शिकायत नहीं मिली है। आवेदन मिलने के बाद उचित कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान बरारी थाने पर काफी देर तक जमघट लगा रहा।

थर्ड जेंडर से जुड़े कानून को लेकर प्रशिक्षण

भागलपुर, एजेंसी। थर्ड जेंडर से जुड़े कानून के प्रति पुलिस को जागरूक करने को लेकर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। रविवार को समीक्षा भवन में आयोजित किए गए कार्यकम में एक्सपर्ट ने पुलिस पदाधिकारियों को थर्ड जेंडर से जुड़े कानून की जानकारी दी। इस दौरान सभी थानेदार, सर्किल इंस्पेक्टर मौजूद थे। पुलिस अधिकारियों को बताया गया कि वैसे मामलों में बेहतर अनुसंधान कर उचित न्याय दिलाना जरूरी है। भागलपुर के अलावा बांका और नवगछिया के पुलिस पदाधिकारियों को थर्ड जेंडर के साथ होने वाले भेदभाव पर रोक को लेकर भी उचित कार्रवाई को लेकर जानकारी दी गई। इस दौरान एनजीओ से जुड़े लोगों ने भी विस्तार से जानकारी दी।

अग्निपीड़ितों के लिए सामुदायिक किचेन शुरू

मुजफ्फरपुर/बंदरा, एजेंसी। एक संवाददाता। हत्था में शनिवार को हुई भीषण अगलगी के बाद अग्निपीड़ित परिवारों को रहने और खाने चिंता सता रही है। सबसे अधिक परेशानी महिलाओं और बच्चों को हो रही है। रविवार को जदयू नेता प्रभात किरण ने अग्निपीड़ितों से मुलाकात की। बताया कि डीएम से मिलकर आवास दिलाने की मांग करेंगे। इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष मनोज झा, जिला महासचिव जयप्रकाश राय, उपमुखिया अजय राय, संजीत गुप्ता मौजूद थे। इधर, सीओ अंकुर राय ने बताया कि अग्निपीड़ितों को प्लास्टिक शीट उपलब्ध करा दी गई है। सामुदायिक किचेन, रहने के लिए टेंट और बिछावन की व्यवस्था की गई है। शीघ्र ही सभी को सहायता राशि उपलब्ध कर दी जाएगी।

बाबा गरीबनाथ मंदिर में बाबा को चढी हल्दी

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। फाल्गुन कृष्णपक्ष अष्टमी तिथि पर रविवार की रात बाबा गरीबनाथ को शिवरात्री को लेकर पूरे विधि-विधान से हल्दी चढायी गयी। मंदिर के पुजारी पंडित आशुतोष पाठक उर्फ डाबर बाबा ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ बाबा गरीबनाथ का षोडशोपचार पूजन करने के उपरांत हल्दी चढायी और धूप-दीप से आरती की। मौके पर संत अमरनाथ पांडे, चंदन झा, प्रभात कुमार, अंशू तिवारी, सुनील कुमार, लल्लू, निशांत, बबलू, मुकेश, सुधीर आदि लोग मौजूद रहें।

बिहार को एक और वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की सौगात, प्रधानमंत्री मोदी दिखा सकते हैं हरी झंडी

पटना, एजेंसी। बिहार के जल्द ही एक और वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की सौगात मिलने वाली है। लोकसभा चुनाव से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस ट्रेन को हरी झंडी दिखा सकते हैं। यह ट्रेन राजधानी पटना से पश्चिम बंगाल के न्यू जलपाईगुड़ी के बीच चलाई जाएगी। इस ट्रेन का संचालन पटना से कटिहार और किशनगंज होकर किया जाएगा। इससे सीमांचल के लोगों को कम समय में पटना आने-जाने की सुविधा मिलेगी। पीएम मोदी 6 मार्च को बेतिया में जनसभा के दौरान इस ट्रेन की शुरुआत कर सकते हैं। पीएम मोदी ने शनिवार को वर्चुअल माध्यम से जोगबनी न्यू जलपाईगुड़ी का उद्घाटन किया। किशनगंज रेलवे स्टेशन पर इस कार्यक्रम का लाइव प्रसारण किया गया। इस दौरान बीजेपी एमएलसी दिलीप जायसवाल और पार्टी जिलाध्यक्ष सुशांत दास समेत अन्य नेता मौजूद रहे। इस दौरान उन्होंने कहा कि 6 मार्च को किशनगंज के रास्ते न्यू जलपाईगुड़ी से पटना के बीच वंदे भारत ट्रेन की शुरुआत हो सकती है। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 6 मार्च को बेतिया में जनसभा करने वाले हैं। इस दौरान वे बिहार समेत देशभर को करीब 19 हजार करोड़ रुपये की परियोजनाओं की सौगात देंगे। इसमें पटना-न्यू जलपाईगुड़ी वंदे भारत को भी हरी झंडी दिखाई जा सकती है। बता दें कि पटना से चलने वाली यह तीसरी वंदे भारत ट्रेन होगी। अभी पटना से रांची और हावड़ा के बीच वंदे भारत का संचालन किया जा रहा है। न्यू जलपाईगुड़ी-पटना वंदे भारत एक्सप्रेस को पिछले साल के अंत में ही चलाने की तैयारी थी। मगर किन्हीं कारणों की वजह से इसे नहीं शुरू किया गया। अब कयास लगाए जा रहे हैं कि इसी महीने यह ट्रेन शुरू हो जाएगी।

हत्याकांड मामले में प्राथमिकी दर्ज : आपसी विवाद को लेकर भतीजे ने किया था हमला

मृतक की पत्नी के बयान पर केस दर्ज

आरा, एजेंसी। नवादा थाना क्षेत्र के महादेव रोड मोहल्ले में मंजय प्रसाद की नृशंस हत्या मामले में प्राथमिकी दर्ज की गई है। मृतक की पत्नी किरण देवी के बयान पर हुई प्राथमिक में गोतनी रीना देवी पति, अरुण सिंह और 2 भतीजे विशाल कुमार और अरुण कुमार को नामजद आरोपित किया गया है। इस हत्याकांड के बाद सभी आरोपित घर छोड़कर फरार हैं। नगर थाने की पुलिस पिता समेत तीन संदिग्धों से पूछताछ कर रही है।

जान से मारने की धमकी दी थी

प्राथमिक में किरण देवी ने कहा कि उनके पति मंजय प्रसाद तीन भाई थे। जिसमें दो भाई संजय सिंह और अरुण सिंह महादेव घर छोड़कर धरहरा रहने चले गए थे। उनके भैसूर अरुण सिंह की पत्नी रीना देवी करीब 20 साल पहले अपने दोनों बच्चों विशाल कुमार और अरुण कुमार को लेकर अपनी बहन के पास मौलाबाग मोहल्ले में चली गई थी।

करीब 6 माह पूर्व विशाल कुमार और आदित्य कुमार महादेव स्थित घर पर आए थे और अपने कमरे के लिए बिजली मांग रहे थे। तभी उनके पति ने अलग मीटर लगाने को बात कही थी। इसके बाद दोनों भाई मीटर उखाड़कर चले गए थे। दस दिन पूर्व उनकी गोतनी रीना देवी अपनी दोनों बेटों के साथ आई और झगड़ा शुरू कर दिया। उन्होंने कहा था कि अपने नाम से मीटर ले लीजिए। इस पर जान से मारने की धमकी देकर सभी चले गए थे।

चाकू से चार बार वार किया था

शनिवार की दोपहर उनका भतीजा विशाल कुमार घर पर आया था और किसी लड़की को घर में रखने की बात बोल रहा था। तभी उनके पति ने कहा कि अगर तुम शादी किए हो तो रख सकते हो, लेकिन दूसरी लड़की को यहां रहने नहीं दूंगा। यह पारिवारिक घर है होटल या लॉज नहीं है। इसके बाद भतीजे ने कमर से चाकू निकाला और पति पर चार जगह पर वार कर दिया। जिससे उनकी मौत हो गई। एएसपी परिचय कुमार के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया है। कहा जल्द सभी की गिरफ्तारी होगी।

सड़क दुर्घटना में शिक्षक की मौत, सक्षमता परीक्षा के लिए एडमिट कार्ड लेकर लौट रहा था, गाड़ी ने मारी टक्कर

अररिया, एजेंसी। अररिया के जोकीहाट बहादुरगंज मार्ग के एनएच 327 ई पर रविवार की देर शाम 8−30 के करीब फैटकी पुल के समीप अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक बाइक सवार की मौत हो गई। घटना की सूचना स्थानीय लोगों के द्वारा जोकीहाट थाना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची जोकीहाट थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेते हुए घटना की जांच में जुट गई है। वही मृत बाइक सवार की पहचान जोकीहाट प्रखंड क्षेत्र के मटियारी पंचायत के सिंगरमोहनी टोला वार्ड संख्या 11 निवासी अब्दुल रकीब के 37 वर्षीय पुत्र तारिक अनवर के रूप में हुई है। मृतक जोकीहाट प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय हैय्या धार के नियोजित शिक्षक है। जो साक्षमता परीक्षा का एडमिट कार्ड निकलवाने अररिया गए थे। इसी दौरान अररिया से लौटने के क्रम में जोकीहाट बहादुरगंज मार्ग में एनएच 327 ई पर फैटकी पुल के समीप अज्ञात वाहन की चपेट में आने से घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई। जिसके बाद स्थानीय लोगों ने मृतक की तलाशी ली तो जेब से एडमिड कार्ड, मोबाइल सहित तीस रुपये बरामद हुए। जिसके बाद स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना जोकीहाट थाना पुलिस को दी, घटना की सूचना मिलते ही मौके पर घटनास्थल पर पहुंचे जोकीहाट थाना से बसंत कुमार घटना की जांच पड़ताल में जुटे शव को कब्जे में लेते हुए घटना के जांच में जुट गई और घटना की सूचना मृतक के परिजनों को देने की बात कही जा रही है।

नीतीश सरकार ने आमिर सुबहानी को सौंपी नई जिम्मेदारी, इस आयोग का बनाया अध्यक्ष

पटना, एजेंसी। बिहार के मुख्य सचिव के पद से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेने वाले भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी आमिर सुबहानी को बिहार सरकार ने एक नई जिम्मेदरी सौंपी है. आमिर सुबहानी को बिहार का नया बिहार विद्युत विनियामक आयोग का अध्यक्ष बनाया गया है. इसके साथ ही वो आयोग के छठे अध्यक्ष होंगे. रविवार को यह जानकारी एक आधिकारिक अधिसूचना जारी करके दी गई. यह अधिसूचना सरकार के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी ब्रजेश मेहरोत्रा के द्वारा चार मार्च को राज्य के नए मुख्य सचिव के रूप में कार्यभार संभालने की घोषणा के एक दिन बाद जारी की गई है. बता दें कि आमिर सुबहानी राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर के द्वारा शपथ ग्रहण कराने के बाद अध्यक्ष पद का विधिवत कामकाज संभालेंगे. ऊर्जा विभाग के प्रधान सचिव संजीव हंस की ओर से उनके अध्यक्ष बनने की अधिसूचना जारी कर दी गई है.

जारी किए गए अधिसूचना में कहा गया है कि आमिर सुबहानी जिस दिन से विद्युत नियामक आयोग के अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभालेंगे उस दिन से पांच साल तक या 65 वर्ष की आयु तक जो भी पहले हो, आयोग का नेतृत्व करेंगे. बता दें कि 1987 में सिविल सेवा परीक्षा में टॉप करने वाले सुबहानी ने दिसंबर, 2021 में बिहार के मुख्य सचिव का पद संभाला था. जारी अधिसूचना में आगे कहा गया है कि 'बिहार विद्युत विनियामक आयोग (अध्यक्ष एवं सदस्यों की सेवाशर्त) नियमावली, 2003 के द्वारा बिहार सरकार में अध्यक्ष एवं उसके सदस्यों की सेवाशर्त को विहित किया है. इस सेवाशर्त के मुताबिक आमिर सुबहानी को अध्यक्ष पद के लिए पेंशन की सकल रकम के साथ-साथ उसमें किसी साराशिकृत अंश, यदि पहले से प्राप्त कर रहे हो, की कटौती के अध्यधीन प्रति माह दो लाख पच्चीस हजार रुपये वेतन देय होगा. बता दें कि आयोग के पहले अध्यक्ष जस्टिस बीएन पी सिंह थे.

एक सीटेट नंबर पर भागलपुर समेत पांच जिलों में शिक्षक पदस्थ

भागलपुर, एजेंसी। नालंदा में सक्षमता परीक्षा के लिए प्रवेश पत्र जारी करने के दौरान शिक्षकों के कागजातों की हुई जांच में भारी गड़बड़ी सामने आई है। उस गड़बड़ी की जांच की आंच भागलपुर भी पहुंच गई है। दरअसल, पिछले दिनों सक्षमता परीक्षा के लिए आवेदन करने के दौरान नालंदा में कुल 71 शिक्षकों के कागजातों की जांच में एक ही सीटेट प्रमाणपत्र नंबर पर भागलपुर समेत पांच जिलों में शिक्षकों के कार्यरत होने का मामला उजागर हुआ। इसके बाद इन सभी शिक्षकों की सूची माध्यमिक शिक्षा निदेशालय को भेज दी गई। जांच के दौरान यह सामने आया कि सीटेट नंबर 230309272 पर नालंदा के मोसिमपुर चंडी में शिक्षक परमानंद कुमार सिंह, भागलपुर में अरुण राय, कटिहार में जमा नाज, सीतामढ़ी में कुमारी अनुराधा व बेगूसराय में सदानंद नाम के शिक्षक पदस्थ हैं। इसके बाद भागलपुर, अररिया, मुंगेर, कटिहार, बांका व जमुई समेत 22 जिलों को निदेशालय ने अपने-अपने यहां जांच का निर्देश दिया है। इस बाबत डीपीओ (स्थापना) देवनारायण पंडित ने बताया कि शिक्षकों के कागजातों की जांच की जा रही है।

हत्याकांड में शामिल आरोपितों के घर की कुर्की जब्ती

वारदात में शामिल तीन के घर पहुंची पुलिस, चौथे के खिलाफ अभी कुर्की वारंट जारी नहीं

आरा, एजेंसी। नवादा थाना क्षेत्र के अनाईठ मोहल्ले में आठ दिनों पूर्व मुकेश हत्याकांड मामले में वांछित तीन आरोपितों के घर कुर्की जब्ती हुई है। पुलिस चौखट दरवाजा से लेकर खिड़की तक उखाड़ कर लेती गई। मुख्य आरोपित रणधीर महतो के अनाईठ स्थित आवास और पैतृक गांव आयर थाना क्षेत्र गांव में जाकर थाना के बनकट के समीप दोनों जगह पर व्यापक ढंग से कुर्की जब्ती की गई।

खिड़की का ग्रिल भी उखाड़ा : अनाईठ आवास से पलंग, सोफा, 2 बाइक, टीवी और वाशिंग मशीन समेत 36 प्रकार का चलंत सामान जब्त किया गया है। चौखट दरवाजे से लेकर खिड़की का ग्रिल तक उखाड़ लिया। इसके बाद उसके पैतृक घर पर भी देर शाम तक कुर्की चलती रही। इसके अलावा गड़हनी थाना के असलान गांव निवासी पंकज कुमार, जगदीशपुर थाना क्षेत्र के हाटपोखर निवासी वकील उर्फ अमित के घर भी कुर्की की गई।

एक आरोपी के खिलाफ कुर्की वारंट जारी नहीं : मालूम हो कि 23 फरवरी की देर शाम किराएदार के साथ मारपीट के बाद विवाद में मुकेश की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। मृतक की पत्नी सीमा देवी के बयान पर नवादा थाना में प्राथमिकी में अनाईठ निवासी रणधीर महतो, गड़हनी थाना के असलान गांव निवासी पंकज कुमार, जगदीशपुर थाना क्षेत्र के हाटपोखर गांव निवासी वकील अमित और आर्यन को नामजद आरोपित किया गया है। वारदात के बाद सभी आरोपित फरार हैं। चौथे आरोपित आर्यन के विरुद्ध अभी कुर्की की वारंट निर्गत नहीं हुआ है। एसपी प्रमोद कुमार यादव ने वांछित आरोपी की गिरफ्तारी के लिए सदर एएसपी परिचय कुमार के नेतृत्व में टीम को लगाया है।

Page 3_16.12..2018 PAGE-04.qxd 04-03-2024 22:12 Page 1

सोशल मीडिया कैंपेन के जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन

▸ दुल्हन की तरह सजा था शिवाजी मैदान ▸ कहीं रंगोली तो कहीं मेहंदी के जरिए लोगों को किया गया प्रेरित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। जिले में मतदाता जागरूकता के उद्देश्य से सोमवार को मेदिनीनगर शहर के शिवाजी मैदान में स्वीप कार्यक्रम अंतर्गत हैशटैग आईएम वेरिफिएडवोटर सोशल मीडिया कैंपेन का जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त शशि रंजन,उप विकास आयुक्त रवि आनंद,नगर आयुक्त जावेद हुसैन, अपर समाहर्ता कुंदन कुमार व उप निर्वाचन पदाधिकारी प्रीति किस्कु ने संयुक्त रूप से दीप जला कर कार्यक्रम की शुरूआत की। मौके पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त शशि रंजन ने कहा कि आज स्वीप कार्यक्रम के तहत सोशल मीडिया पर यह अभियान पूरे राज्य में चलाया जा रहा है जिसका एकमात्र उद्देश्य है मतदाता जागरूकता व मतदाता के रूप में खुद को वेरिफिएड करना। खुद को वेरिफिएड करने से तात्पर्य है कि आप सभी अपने बूथ पर जाकर या वीएचए के माध्यम से अपना नाम जरूर चेक करें और अगर आपका नाम नहीं जुड़ा हो,या उसमें कोई विसंगति है तो फौरन संबंधित फॉर्म 6,7,8 भरे व जमा करें.उन्होंने कहा कि तकनीक के इस युग में जहां मोबाइल के माध्यम से सारे कार्य हो रहें हैं इसी में शामिल है वीएचए एप। इस ऐप के जरिये निर्वाचन से जुड़े सारे कार्यों का निष्पादन किया जा सकता है।इस ऐप में इलेक्शन से जुड़ी सारी जानकारी उपलब्ध रहती है। उन्होंने कहा कि जब आप समुचित जानकारी के साथ मतदान करने जाते हैं तो उसके अपने फायदाये हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह का कार्यक्रम भविष्य में भी चलाया जायेगा ताकि जिले में अधिकाधिक मतदान सुनिश्चित किया जा सके। इसी तरह उप विकास आयुक्त रवि आनंद,नगर आयुक्त जावेद हुसैन व उप निर्वाचन पदाधिकारी प्रीति किस्कु ने स्वीप जागरूकता पर जोर दिया।

आयोजित कार्यक्रम को लेकर पूरे मैदान परिसर को दुल्हन की तरह सजाया गया था। मैदान के चारों तरफ मतदाता जागरूकता से संबंधित सेल्फी बूथ, कहीं फूलों की रंगोली,कहीं मेहंदी तो कहीं पेंटिंग के माध्यम से लोगों को वोट देने हेतु प्रेरित किया गया। इस दौरान स्कूली बच्चों की ओर से कुल 19 अलग-अलग प्रकार के रंगोली बनाये गये थे साथ ही 20 से अधिक विभिन्न प्रकार के पेंटिंग्स के जरिये मतदाता जागरूकता संदेश दिया गया। उपस्थित लोगों को मतदान प्रतिज्ञा दिलाया गया। इस दौरान जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त व सहायक समाहर्ता रवि कुमार ने मैदान में उपस्थित सभी लोगों से विशेष रूप से बच्चों से इलेक्शन से जुड़े कई सवाल किये व सही जवाब देने वाले बच्चों को पुरस्कृत भी किया गया। इसी तरह रंगोली, पेंटिंग व बेहतर मेहंदी लगाये बच्चियों को भी पुरस्कृत किया गया। इसके अलावे नुक्कड़ नाटक से भी लोगों को मतदान के महत्व के विषय पर प्रकाश डाला गया साथ ही मतदाता जागरूकता लिखे पम्पलेट को गुब्बारे के साथ हवा में उड़ाकर भी मतदाता जागरूकता का सन्देश दिया गया। मौके पर उपरोक्त के अलावे अन्य पदाधिकारी,बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे समेत आमजन उपस्थित रहे।

फर्जी तरीके से बहाल शिक्षकों की होगी जांच

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

भागलपुर। बिहार में फर्जी तरीके से शिक्षकों की बहाली का सनसनीखेज मामला सामने आया है। एक ही सीटेट नंबर पर पांच जिलों में अलग-अलग शिक्षकों के नौकरी करने की बातें सामने आई है। भागलपुर में अरुण राय, कटिहार में जमा नाज, सीतामढ़ी में कुमारी अनुराधा, बेगूसराय में सदानंद और नालंदा के मोसिमपुर चंडी में शिक्षक परमानंद कुमार सिंह सीटेट नंबर 230309272 पर वर्षों से नौकरी करते आ रहे हैं।

यह बातें तब सामने आई जब नालंदा में सक्षमता परीक्षा के लिए प्रवेश पत्र जारी करने के दौरान शिक्षकों के कागजातों की जांच की जा रही थी। जिसके बाद माध्यमिक शिक्षा निदेशक द्वारा भागलपुर अररिया, मुंगेर, कटिहार, बांका व जमुई समेत 22 जिलों में जांच करने का निर्देश दिया है।

नालंदा में सक्षमता परीक्षा के लिए कागजातों की जांच के दौरान 71

शिक्षक ऐसे पाए गए, जिनके सीटेट प्रमाणपत्र को लेकर संदेह व्यक्त किया गया। जब इसकी जांच हुई तो जानकारी मिली कि एक समान सीटेट नंबर पर भागलपुर समेत पांच जिलों में अलग अलग शिक्षक कार्यरत हैं।

हालांकि, मिली जानकारी के मुताबिक इन शिक्षकों को सक्षमता परीक्षा के लिए एडमिट कार्ड जारी नहीं किया गया है। इधर, डीपीओ स्थापना देवनारायण पंडित ने बताया कि विभागीय निर्देश पर जिस शिक्षक के बारे में जानकारी आई थी, उनके अलावा अन्य शिक्षकों के कागजात की भी जांच की जा रही है, ताकि यह पता चल सके कि इसके अलावे भी अन्य शिक्षक फर्जी दस्तावेज पर कार्यरत तो नहीं हैं।

मनाया गया राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। आज राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस के अवसर पर बोकारो स्टील प्लांट के मानव संसाधन विकास केंद्र में एक समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि अधिशासी निदेशक (संकार्य) बी के तिवारी सहित अधिशासी निदेशक (वित्त एवं लेखा) एस रंगानी, अधिशासी निदेशक (कार्मिक एवं प्रशासन) राजन प्रसाद ,मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी एवं प्रभारी बोकारो जनरल हॉस्पिटल डॉ बीबी करुणामय , मुख्य महा प्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएं) बीके सरतापे, मुख्य महाप्रबंधक गण विभागाध्यक्ष एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण एवं कर्मी उपस्थित थे। एसएमएस- एवं सीसीसीएस की नाट्य मंडली बुलंद के द्वारा अपने नाटक के माध्यम से उपस्थित समूह को संयंत्र के अन्दर एवं संयंत्र के बाहर सुरक्षित जीवन शैली अपनाने का सन्देश दिया गया।

आरम्भ में सहायक महा प्रबंधक (सुरक्षा अभियंत्रण) मनोज कुमार ने आगंतुकों का स्वागत किया तथा सुरक्षा दिवस की महत्ता पर प्रकाश

डाला। मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया। अधिशासी निदेशक (संकार्य) श्री तिवारी ने सभी को सुरक्षा प्रतिज्ञा दिलाई। कार्यक्रम में उपस्थित समूह को सम्बोधित करते हुए सभी विशिष्ट अतिथियों ने सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं के प्रति सदैव जागरूक रहने के लिए अपने उद्बोधन के द्वारा सभी को प्रेरित किया।

उन्होंने वर्तमान परिदृश्य में संयंत्र में सुरक्षा की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा की सुरक्षा सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। कर्मियों को संयंत्र के अन्दर एवं संयंत्र के बाहर समग्र दृष्टिकोण से सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं के प्रति सदैव जागरूक रहने तथा इसे अपने जीवन शैली में आत्मसात करने का संदेश दिया।

मुख्य अतिथि तथा विशिष्ट अतिथियों ने सुरक्षा और गृह व्यवस्था तथा परिक्षेत्रीय रखरखाव के लिए विजेताओं और उप विजेताओं को ट्रॉफी प्रदान की। सुरक्षा एवं गृह सज्जा के लिए समूह-1 में सीओ एवं सी सी विजेता तथा सिंटर प्लांट उप विजेता, समूह-2 में एसएमएस-एवं सी सी सी एस विजेता तथा आरएमपी उप विजेता, समूह-3 में सीआरएम-विजेता तथा हॉट स्ट्रिप मिल उप विजेता, समूह-4 में यातायात विभाग विजेता तथा डी एन डब्लू उप विजेता, समूह-5 में सी ई डी विजेता तथा आर ई डी उप विजेता, समूह-6 में सेंट्रल मैकेनिकल मेंटेनेंस विजेता तथा सेंट्रल इलेक्ट्रिकल मेंटेनेंस उप विजेता घोषित किए गए।

परिक्षेत्रीय रखरखाव के लिए समूह-1 में सीओ एवं सी सी विजेता तथा सिंटर प्लांट उप विजेता, समूह-2 में आर एम पी एवं एसएमएस-(न्यू) विजेता तथा उप विजेता, समूह-3 में हॉट स्ट्रिप मिल विजेता तथा सीआरएम- उप विजेता, समूह-4 में ईएमडी विजेता तथा यातायात विभाग उप विजेता, समूह-5 में सी ई डी विजेता तथा आर ई डी उप विजेता, समूह-6 में सेंट्रल मेंटेनेंस विजेता तथा आई & ए उप विजेता रहे।

कार्यक्रम के दौरान संयंत्र के विभिन्न विभागों के सुरक्षा के प्रति समर्पित कर्मियों को भी सम्मानित किया गया। समारोह में कार्यक्रम का संचालन सहायक महा प्रबंधक(सुरक्षा अभियंत्रण) मनोज कुमार ने तथा पुरस्कारों की उद्घोषणा वरीय प्रबंधक(सुरक्षा अभियंत्रण) पी के सिंह ने किया। अंत में महाप्रबन्धक प्रभारी (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएँ) ए रौतेला ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

हमारा वोट हमारा अधिकार को लेकर 20 दिवसीय जागरुकता अभियान यात्रा संपन्न

विभिन्न जिलों में 500 बूथों पर पहुंचकर जनता से किया सीधा संवाद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अररिया। हमारा वोट हमारा अधिकार को लेकर बिहार यूथ ऑर्गनाइजेशन के बीस दिवसीय जागरूकता अभियान यात्रा का समापन रविवार देर शाम को हुआ। इस अवसर पर अररिया स्थित एक होटल में बिहार यूथ ऑर्गनाइजेशन के प्रदेश अध्यक्ष जकी अनवर मुजाहिद एवं अन्य पदाधिकारियों के द्वारा प्रेस वार्ता कर पूरी यात्रा की जानकारी दी । जानकारी देते हुए प्रदेश अध्यक्ष जकी अनवर मुजाहिद ने बताया की ये जागरूकता अभियान तेरह फरवरी से शुरू हुआ था, जिसका समापन तीन मार्च को हुआ ।

इस बीस दिवसीय अभियान यात्रा की शुरूआत बापू के सत्याग्रह की पावन धरती पूर्वी चंपारण से शुरू हुआ, जो सीतामढ़ी, मुजफ्फरपुर, पटना, नालन्दा ,समस्तीपुर,दरभंगा ,मधुबनी,सहरसा ,मधेपुरा ,सुपौल , पूर्णिया, कटिहार, किशनगंज होते हुए तीन मार्च को अररिया में यात्रा संपन्न हो गया। यात्रा के मकसद को बताते हुए प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि देश में संवैधानिक और लोकतांत्रिक मूल्यों के ह्रास और नागरिकों के मूलभूत आवश्यकताओं एवं अधिकारों के हनन को देखते हुए लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूती प्रदान करने हेतु अपने वोट और नागरिक अधिकारों के प्रति आम जनता को जागरूक करना और ये भी सुनिश्चित करना कि अपने वोट का इस्तेमाल जरूर करें,क्योंकि हमारा देश लोकतांत्रिक व्यवस्था पर आधारित है।

उन्होंने कहा कि जहां जनता सर्वोपरी होता है और लोकतंत्र में वोट की ताकत ही सबसे अहम होती है।

मुजाहिद ने बताया की यात्रा के क्रम में विभिन्न जिला में जाकर पांच सौ बूथ पहुंचकर युवाओं के साथ सीधा संवाद किया। उन्होंने बताया की वोटर लिस्ट के अनुसार देश में लगभग नौ करोड़ वोटर मिसिंग है। इस यात्रा के दौरान कॉर्नर मीट,बाल स्लोगन,नुक्कड़ नाटक ,सभा का आयोजन कर लोगों को जागरूक किया गया ।

इस प्रकार कुल पंद्रह जिलों में ये यात्रा हुआ। समापन के मौके पर प्रदेश अध्यक्ष जकी अनवर मुजाहिद,सचिव सह मीडिया प्रभारी अबुल कलाम आजाद,जिला अध्यक्ष शाफेउल होदा ,सचिव कासिफ अनवर,नगर अध्यक्ष शादाब आलम,आमिर रेजा, गालिब इमाम के अलावा कला जत्था के बच्चे शामिल थे।

गायत्री महायज्ञ को ले भूमि पूजन संपन्न

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

शिवाजीनगर। शिवाजीनगर प्रखंड के रहियार उत्तर पंचायत के महावीर स्थान चितौड़ा गांव मे आगामी 11 से 14 मार्च तक आयोजित होने वाली 24 कुंडीय चार दिवसीय गायत्री महायज्ञ को लेकर भूमि पूजन एवं ध्वजारोहण का कार्य संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुजफ्फरपुर जोन समन्वयक शशि भूषण ठाकुर, सहायक जॉन समन्वयक मधुसूदन पांडे, धीरेंद्र नाथ पटेल , सारथी वकील भाई साहब, रोसड़ा गायत्री शक्तिपीठ के मुख्य ट्रस्टी मीनाक्षी वर्मा समिति अध्यक्ष सह मुख्य यजमान कुशेश्वर सिंह सहित अन्य ने विधि बत ढंग से मंत्रोच्चारण के साथ ही संयुक्त रूप से ध्वजारोहण का कार्य संपन्न किया गया। इस अवसर पर जॉन समन्वयक शशि भूषण ठाकुर ने गुरुदेव युग ऋषि पंडित श्री राम शर्मा आचार्य के बारे में बताते हुए कहा 2024 से 2048 तक धरती पर स्वर्ग की स्थापना होगी इससे मानव में देवत्व का अवतरण आवश्यक है। कार्यक्रम को मधुसूदन पांडे, मुख्य ट्रस्टी मीनाक्षी वर्मा, डॉक्टर उमेश प्रसाद सिंह, सहित अन्य ने भी संबोधित किया। हर घर में गायत्री देव स्थापना, गंगा जली की स्थापना करना है। इस अवसर पर कर्मकांड गायक नंदलाल ठाकुर , दिलीप कुमार के द्वारा विधिवत ढंग से मंत्र उच्चारण के साथ ही भूमि पूजन एवं हवन यज्ञ का कार्य संपन्न कराया गया। इस अवसर पर 24 कुंवारी कन्याओं द्वारा गायत्री परिजनों ग्रामीण महिला एवं पुरुषों की काफी संख्या मे कार्यक्रम मे भाग लिए। मौके पर ट्रस्टी सदस्य अनीता दीदी, यज्ञ समिति अध्यक्ष कुशेश्वर सिंह, सचिव धर्मेंद्र कुमार मंडल, कोषाध्यक्ष विनय कुमार एवं राम बालक सिह, सदस्य राम कुमार मंडल, सदस्य भोला मंडल, रामकृष्ण मंडल अजय कुमार मंडल, पितांबर मंडल, डा रमेश प्रसाद सिंह, अमरजीत कुमार साहू, मनटून कुमार मंडल, अमरजीत कुमार, अजीत कुमार , गंगाराम मंडल भंडारी, राम प्रकाश मंडल, गणेश मंडल भंडारी जी, रामकरण मंडल ,डॉक्टर उमेश प्रसाद सिंह ,राम भजन मंडल , तेतरी दीदी हरेराम मंडल, शशी कुमार सिंह, सुभाष सिंह सहिता अन्य शामिल रहे।

वन प्रमंडल पदाधिकारी से लगायी गुहार

बोकारो। 'स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संरक्षण संस्थान' के महासचिव शशि भूषण ओझा 'मुकुल' ने सतनपुर पहाड़ी के पास की वन भूमि को भू माफियाओं से बचाने हेतु सख्त एवं ठोस कदम उठाने के लिए वन प्रमंडल पदाधिकारी बोकारो रजनीश कुमार से उनके कार्यालय में मिलकर गुहार लगाया । वार्ता के क्रम में मुकुल ने कहा कि भू माफियाओं और दबंगों के गठजोड़ ने न सिर्फ इस पहाड़ी के आसपास की वन भूमि को कब्जा कर लिया है बल्कि इसे प्लॉटिंग करके बेच भी रहे हैं साथ ही इस पहाड़ी को भी ये कई जगहों पर भारी नुकसान पहुंचा रहे हैं । जीमन का गलत कागज बनाकर तथा चास अंचल कार्यालय की मिलीभगत से यह कब्जा किया गया है तथा प्रशासन भी मूकदर्शक बना हुआ है । इस अतिक्रमण से इस क्षेत्र में न केवल पर्यावरण असंतुलन का खतरा पैदा हो गया है बल्कि पर्यटक स्थल के रूप में विकसित हो रहे इस पहाड़ी क्षेत्र पर बुरा असर पड़ा है ।मुकुल ने रजनीश कुमार वन प्रमंडल पदाधिकारी बोकारो से आग्रह किया गया कि सतनपुर की इस पहाड़ी एवं यहां की वनभूमि को अवैध कब्जे से मुक्त कराने के लिए पूरे मामले की जांच हेतु पहल करें।

लूट मामले में पुलिसिया कार्रवाई सुस्त, रोष

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरपुर। सदर थाना क्षेत्र के रामदयालु-भिखनपुरा इलाके में चिकित्सक दंपती के घर डकैती में 40 लाख से अधिक की संपत्ति लूट मामले में एक महीने बाद भी पुलिस को कोई कामयाबी नहीं मिली है।

इससे प्रतीत हो रहा कि मामला दर्ज करने के बाद पुलिस की कार्रवाई ठंडे बस्ते में चली गई है। अब तक घटना का पदार्फाश नहीं हो सका और न ही बदमाशों की गिरफ्तारी की जा सकी।

इसके कारण इलाके के लोगों ने पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाया है। हालांकि, पुलिस की ओर से दावा किया जा रहा कि मामले में झारखंड व दिल्ली समेत कई प्रदेशों में छापेमारी की गई है, लेकिन कामयाबी नहीं मिली। इसके कारण पुलिस की परेशानी बढ़ी हुई है।

चार फरवरी की शाम हथियार से लैस बदमाशों ने एसकेएमसीएच में तैनात चिकित्सक डा. राजीव कृष्ण के घर में डाका डालकर नकद, जेवरात समेत करीब चालीस लाख से अधिक की संपत्ति लूट लिए थे। जांच को विशेष टीम गठित की गई, लेकिन अब तक नतीजा शून्य है। नगर एएसपी भानू प्रताप सिंह का कहना है कि कार्रवाई चल रही है। बदमाश पकड़े जाएंगे।

बदमाश धराया

मुजफ्फरपुर। मिठनपुरा के बेला आश्रम इलाके से सटे एक कालोनी में रविवार की रात बाइक की चोरी कर भाग रहे शातिर को स्थानीय लोगों ने दबोच लिया। गुस्साए लोगों ने उसकी जमकर पिटाई कर दी। जान बचाने के लिए वह भागने लगा तो लोगों ने दौड़ा-दौड़ाकर उसे पीटा। इसी बीच कमर से पिस्टल निकालकर उसने भीड़ पर हवाई फायरिंग कर दी। इससे अफरा तफरी मच गई। इस पर लोग और गुस्साए गए और उसकी जमकर पिटाई कर अधमरा कर दिया। उसके हाथ से पिस्टल को छीना गया। घटना को लेकर इलाके में मुहल्ले के लोगों की भीड़ जुट गई।

आरोग्य रथ को हरी झंडी दिखाकर किया गया रवाना

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूँटी। जिला अंतर्गत सुदूर ग्रामीण क्षेत्र के कुपोषित बच्चों के पोषण स्थिति में सुधार एवं मरीजों का निशुल्क ईलाज एवं दवा वितरण के उद्देश्य से ₹आरोग्य रथ' परियोजना का शुभारंभ किया गया। उपायुक्त, लोकेश मिश्रा द्वारा समाहरणालय परिसर से आरोग्य रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।इसका क्रियान्वयन राजकुमारी फाउंडेशन के सहयोग से किया जा रहा है। एक चालित वाहन से दो या दो से अधिक जगहों पर पोषण शिविर संचालित होगा। इस चालित वाहन से 30 मिनट के अंतराल पर भोजन एवं अन्य सामाग्री दो या दो अधिक शिविर स्थान पर पहुँचाई जा सकेगी। यह वाहन भंडार कक्ष का भी कार्य करेगी जिसमे पोषण शिविर की समग्रियों का सुरक्षित भंडारण किया जाएगा ।

यह वाहन शिविर कर्मियों को सुदूर ग्रामीण क्षेत्र तक ले जाने में सहयोग करेगी। केंद्रीय कृत निगरानी वाहन में लगे क्लाउड बेस्ड कैमरे द्वारा शिविर के प्रत्येक गतिविधियों की निगरानी रखी जाएगी।

उम्र के सापेक्ष में कम वजन वाले अति कुपोषित बच्चे एवं उनके अभिभावक अधिकतम 40 कुपोषित बच्चे प्रत्येक शिविर में लाभान्वित होंगे।कुपोषित बच्चों को उम्र के हिसाब से उपयुक्त पौष्टिक भोजन दिन में तीन बार दिया जाएगा यह भोजन विशेषज्ञ की देखरेख में बनाया जाएगा।

मौके पर उपायुक्त ने बताया कि इस माध्यम से ज्यादा से ज्यादा लोगों को जागरूक करते हुए पोषण से संबंधित जानकारियां उपलब्ध करायी जाएगी। कुपोषण के मामलों को ठीक करने के लिए एक उचित माध्यम के रूप में गांव-गांव तक पहुंचकर सेवा दी जाएगी।

आज आरोग्य रथ सोसोकुटि एवं तेलंगाडीह पहुंची। इस दौरान बिरहोर परिवारों का सुगम रूप से स्वास्थ्य जांच किया गया। साथ ही बच्चों की जांच कर कुपोषण के मामलों को चिन्हित किया गया। इस दौरान विशेषज्ञों के परामर्श एवं आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं भी उपलब्ध कराई गई। कुपोषित बच्चों को उचित रूप से आहार एवं पोषण भी उपलब्ध कराया जा रहा है।

उक्त वैन खूंटी प्रखण्ड के प्रत्येक पंचायत में कुपोषण के मामलों को चिन्हित कर आवश्यक सेवाएं प्रदान करेगी। विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा निःशुल्क टेलीमेडिसिन परामर्श प्रदान किया जाएगा। परामर्श के अनुसार मुफ्त दवाइयां और निःशुल्क नैदानिक परीक्षण प्रदान किए जायेंगे।

दक्षिण पूर्व रेलवे – निविदा

ई–निविदा सूचना सं. ई–डीआरएम–ईएनजीजी–आद्रा–28–31–24, दिनांक 01.03.2024, मंडल रेल प्रबंधक (इंजी.)/आद्रा द्वारा निम्नवर्णित विवरण के अनुसार सीटीआर, टीएसआर, पीएसआर, स्टोन स्लैब और डिपो बैलस्ट कार्यों के लिए 04 (चार) ई–निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं: **क्रम सं., निविदा सूचना सं. एवं कार्य का विवरण** निम्नानुसार हैं: **(1) सं. ई–डीआरएम–ईएनजीजी–आद्रा–28–24, दिनांक 01.03.2024,** (i) आद्रा मंडल : डीईएन (उत्तर)/आद्रा के अधिकार क्षेत्र के तहत कम्प्लीट ट्रैक रिन्यूअल सीटीआर (पी), भोजुडीह–भागा के बीच 5.653 ट्रैक किमी, भागा–महुदा के बीच 1.905 टीकेएम और कोटशिला–बोकारो के बीच 0.27 टीकेएम। (कुल–7.828 टीकेएम)(ii) आद्रा मंडल : थ्रू स्लीपर रिन्यूअल (पी)- कोटशिला–बोकारो स्टील सिटी के बीच 40.341 टीकेएम, रुकनी–भोजुडीह के बीच 2.917 टीकेएम, बोकारो स्टील सिटी–राजाबेरा के बीच 16.248 टीकेएम, भोजुडीह–भागा के बीच 2.216 टीकेएम और भागा–मोहुदा के बीच 1.646 टीकेएम। (कुल–63.368 टीकेएम)। **निविदा लागत:** रु. 12,69,29,255.10, **(2) ई–डीआरएम–ईएनजीजी–आद्रा–29–24, दिनांक 01.03.2024,** किसी भी प्रकार के रेलवे वैगन में लोड करने सहित किसी भी क्वैरी से झांटीपहाड़ी/इंद्रबिल डिपो में 50 मिमी माप में मशीन खंडित बैलस्ट की ढेर में आपूर्ति और वितरण। **निविदा लागत:** रु. 1,31,26,905/–, **(3) ई–डीआरएम–ईएनजीजी–आद्रा–30–24, दिनांक 01.03.2024,** दक्षिण पूर्व रेलवे के आद्रा मंडल में मधुकुंड–दामोदर खंड के बीच किमी 311/15 से 311/29 (अप और डाउन) पर स्थायी गति प्रतिबंध हटाना। **निविदा लागत:** रु. 3,06,54,938.39, **(4) ई–डीआरएम–ईएनजीजी–आद्रा–31–24, दिनांक 01.03.2024,** दक्षिण पूर्व रेलवे के आद्रा मंडल में चाण्डिल–बर्नपुर–कालीपहाड़ी खंड के बीच पाइप पुशिंग विधि (1200 मिमी और 1800 मिमी डाया) द्वारा नान–स्टैंर्ड पाइप और स्टोन स्लैब ब्रिज का प्रतिस्थापन। **निविदा लागत:**रु. 33,32,16,806.34, **ई–निविदाओं की अंतिम तिथि और समय** दिनांक 08.04.2024 को 15.00 बजे है। उक्त ई–निविदाओं के विवरण के लिए कृपया वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देखें। **(PR-1197)**

विदेशी महिला से सामूहिक दुष्कर्म की जांच सीआईडी भी करेगी

▸ महिला आयोग ने लिया स्वतः संज्ञान

▸ न्यायालय में दर्ज हुआ पीड़िता का बयान

▸ मुंबई से आकर अस्पताल की फोटोग्राफी की

▸ घटना से स्थानीय लोग हतप्रभ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दुमका। दुमका के हंसडीहा में एक मार्च को हुए सामूहिक दुष्कर्म कांड की जांच सीआईडी भी कर रही है। रविवार को रांची से सीआईडी के सहायक निदेशक संतोष सुधाकर के नेतृत्व में एक टीम घटनास्थल पहुंची।

टीम ने उस जगह को देखा, जहां पर महिला व उसके पति रुके थे। उस जगह को भी देखा जहां पर दुष्कर्म को अंजाम दिया गया था। टीम ने स्थानीय पुलिसकर्मियों से भी पूछताछ की। वहीं फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर कई महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्र किए।

फोरेंसिक टीम के सहायक निदेशक डॉक्टर राबिन मिंज के नेतृत्व में डाक्टर जहांगीर इमाम व अभिषेक साहू की टीम ने घटनास्थल से कपड़ा, हेलमेट का टुकड़ा, झाड़ियों में पड़ी घड़ी (स्पेनिश महिला की), हेलमेट में लगने वाली फ्लड लाइट को बरामद किया।

एफएसएल के विशेषज्ञों की टीम ने नमूने और सबूत एकत्र किए। जामताड़ा से पहुंचे नीतीश बड़ाइक ने पंचनामा तैयार किया। स्पेशल ब्रांच के डीएसपी प्लेयर किस्कू भी रविवार को मौके पर पहुंचे और जांच की समीक्षा की। इधर, बाकी आरोपितों की धरपकड़ के लिए एसआइटी ने शनिवार को रातभर विभिन्न स्थानों पर छापेमारी की।

स्पेनिश महिला से सामूहिक दुष्कर्म मामले में रविवार को राष्ट्रीय महिला आयोग ने स्वतः संज्ञान लिया। देर शाम को आयोग की सदस्य ममता कुमारी ने घटनास्थल का जायजा लेने के साथ परिसदन में पीड़ित महिला और उसके पति से मुलाकात की। आयोग ने सरकार की संवेदनहीनता और प्रशासन की लचर व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए घटना को दुखद बताया। पुलिस को 24 घंटे का अल्टीमेटम दिया। उन्होंने घटना में शामिल सभी आरोपितों को गिरफ्तार करने का निर्देश दिया है। आयोग ने कहा कि वर्ल्ड टूर पर निकली विदेशी दंपती के दुमका आने की जानकारी ना तो खुफिया विभाग को थी और न ही पुलिस को। कानून के रखवाले अपनी भूमिका समझ नहीं रहे है। सामूहिक दुष्कर्म की पूरी रिपोर्ट महिला आयोग को दी जाएगी।

रविवार की दोपहर पुलिस अधीक्षक विदेशी दंपती को अपने वाहन से बयान के लिए कोर्ट लेकर गए। जहां प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी की अदालत में पीड़िता का 164 के तहत बयान दर्ज किया गया। शनिवार को इस बात की चर्चा थी कि दंडाधिकारी स्वयं परिसदन जाकर बयान लेंगे, लेकिन बाद में एसपी दोनों को लेकर कोर्ट पहुंचे।

डॉक्टरों ने तैयार की मेडिकल रिपोर्ट सामूहिक दुष्कर्म के बाद शनिवार को पीड़िता की मेडिकल कालेज अस्पताल में मेडिकल जांच हुई थी। रविवार की सुबह दस बजे तक इसकी जांच रिपोर्ट लिख दी गई। गायनो डाक्टर संतोष साह ने डॉ. मिताली व अंकित भालोटिया के साथ मिलकर जांच रिपोर्ट तैयार की। यह रिपोर्ट पूरी तरह से गुप्त रखा गया है।

हंसडीहा में ब्राजील मूल की स्पेनिश महिला से हुए सामूहिक दुष्कर्म से हर कोई हतप्रभ है। रविवार को मुंबई में रहने वाली पीड़िता की दो महिला मित्र व एक युवक दुमका पहुंचे।

दोनों सबसे पहले मेडिकल कॉलेज अस्पताल गए और हर एंगल से पूरे अस्पताल की तस्वीरें कैद की। इलाज कराने वाली महिलाओं से अपनी भाषा में कुछ जानने का प्रयास किया, लेकिन महिलाएं कुछ बता नहीं सकी।

दोनों ने अस्पताल के अधीक्षक डॉ. ए. पूर्ति से मुलाकात की और पीड़िता के इलाज की जानकारी ली। उन्होंने पीड़िता से मिलने की इच्छा जाहिर की। इस पर अधीक्षक ने बताया कि महिला का इलाज बेहतर ढंग से हुआ है और ठीक होने के बाद चली गई है। इसके बाद दोनों ने परिसदन में जाकर पीड़िता से मुलाकात की।

पुलिसिया तंत्र पर उठ रहे सवाल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दुमका। टूरिस्ट वीजा पर भारत पहुंची स्पेन की महिला से सामूहिक दुष्कर्म की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निंदा हो रही है। दुमका में विदेशी सैलानियों का आना-जाना लगा रहता है। ऐसे में सवाल उठना लाजिमी है कि पुलिस के पास ऐसे विदेशी नागरिकों की जानकारी क्यों नहीं रहती। जानकार कहते हैं कि पुलिस का सूचनातंत्र पहले से कमजोर हो चुका है। पहले प्रत्येक थाना क्षेत्र में ऐसी सूचनाएं संग्रहण के लिए एसपीओ होते थे।

हंसडीहा थाना में भी चार एसपीओ गुप्त जानकारी जुटाकर पुलिस की मदद करते थे। लेकिन कुछ महीने पूर्व सभी एसपीओ को हटा दिया गया। इसके बाद सूचनातंत्र के नाम पर ग्रामीण पुलिस के नाम पर चौकीदार हैं। हंसडीहा थाना की बात करें तो थाना क्षेत्र में 36 चौकीदार के पद हैं, लेकिन वर्तमान में महज 15 चौकीदार ही काम कर रहे हैं।

चोरी की जांच में जुटी पुलिस

नबिटा संवाददाता

शिवाजीनगर। शिवाजीनगर बाजार स्थित शिव शक्ति कंप्यूटर दुकान में अज्ञात चोरों ने हजारों मूल्य के सामान की चोरी कर लिया, घटना बाद पीड़ित दुकानदार ने शिवाजी नगर पुलिस को सूचना देकर सहायता की गुहार लगाया है, जिसके बाद पुलिस घटनास्थल पहुंचकर दुकानदार से मामले को लेकर पूछताछ किया। दुकानदार जीतू कुमार ने बताया कि सोमवार सुबह जब दुकान खोलने दुकान पर पहुंचे तो दुकान के मुख्य गेट का ताला टूटा हुआ था और दुकान के अंदर हजारों राशि के एलसीडी टीवी गायब था साथ ही दुकान के अंदर रखे सभी सामान बिखरे पड़े हुए थे।

सीएम योगी ने महायोजना-2031 पर की चर्चा, बोले- ईज ऑफ लिविंग पर हो विकास प्राधिकरणों का फोकस

लखनऊ, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को सहारनपुर, मीरजापुर, बांदा, बस्ती, अमरोहा और फिरोजाबाद की महायोजना-2031 का अवलोकन किया और नियोजित विकास के लिए दिशा-निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि विकास प्राधिकरणों का उद्देश्य सुनियोजित, संतुलित और तीव्र विकास को दिशा देना है। फोकस आम आदमी की सुविधाओं पर होना चाहिए। सभी विकास प्राधिकरणों को आय की नई संभावनाएं तलाशनी होंगी।

स्थानीय शिल्पकला और परंपरागत उत्पादों को प्रोत्साहित करने के लिए क्लस्टर विकसित किया जाए। प्रतिमाओं की स्थापना चौराहों के स्थान पर पार्कों में करना उचित होगा। नगरों में यातायात प्रबंधन एक महत्वपूर्ण विषय है। हमें इसके लिए ठोस प्रयास करने की आवश्यकता है। टैक्सी-ऑटो स्टैंड और स्ट्रीट वेंडर ज़ोन तय होने चाहिए। महायोजना में इसके लिए स्पष्ट भूमि चिन्हित होनी चाहिए। मल्टीलेवल पार्किंग के लिए उपयुक्त स्थान निर्धारित करें।

सहारनपुर %देवभूमि का प्रवेश द्वार% है। बीते 06-07 वर्षों में यहां न केवल व्यावसायिक गतिविधियों में तेजी आई है, बल्कि बेहतर होती कनेक्टिविटी और नगरीय सुविधाओं के कारण लोग यहां स्थायी निवास भी बना रहे हैं। सहारनपुर की महायोजना में औद्योगिक- व्यावसायिक और आवासीय गतिविधियों के विकास के लिए सुनियोजित प्रावधान रखे जाएं।

सहारनपुर में वुड कार्विंग क्लस्टर के लिए स्थान चिन्हित करें। वर्तमान में जहां काष्ठ शिल्प का हब है उससे यह स्थान बहुत दूर न हो। लॉजिस्टिक और वेयरहाउसिंग हब के लिए भी स्थान चिन्हित की जाए। आमजन के लिए प्राधिकरण द्वारा नई आवासीय परियोजना की कार्ययोजना तैयार की जाए।

मिर्जापुर में मां विंध्यवासिनी के पावन धाम के सौंदर्यीकरण का कार्य तेजी से चल रहा है। यहां नवस्थापित मेडिकल कॉलेज और राज्य विश्वविद्यालय को भी महायोजना में शामिल करें। भविष्य के मिर्जापुर की आवश्यकताओं के दृष्टिगत मिर्जापुर के विकास क्षेत्र का दायरा और बढ़ाया जाना चाहिए। बस्ती, विकास की ओर तेजी से बढ़ता हुआ क्षेत्र है। यहां चीनी मिल भी लगी है और मेडिकल कॉलेज भी स्थापित हुआ है। महायोजना-2031 के दायरे में इन्हें भी लाया जाना उचित होगा। विकास नियोजित हो और संतुलित हो, इसके लिए विशेष ध्यान देना होगा। अमरोहा के लिए पहली बार महायोजना तैयार हो रही है। यहां ढोलक, ड्रम, कॉटन रिसाइकिलिंग और बिंदी बनाने जैसी गतिविधियां परंपरा का हिस्सा हैं। इन्हें और फैसिलिटेट करने की व्यवस्था हो। बांदा में इंडस्ट्रिल कॉरिडोर प्रस्तावित है, महायोजना की सीमा कॉरिडोर तक होनी चाहिए। बुंदेलखंड एक्सप्रेस को इससे जोड़ें। हैवी ट्रैफिक से नगर का आम यातायात प्रभावित न हो, इसके लिए ठोस प्रयास करने की आवश्यकता है।

1991 में पहली बार सांसद बने पंकज चौधरी, हैट्रिक भी लगाई- मंत्री बने, 7वीं बार फिर मैदान में

महाराजगंज, एजेंसी। महराजगंज में भाजपा से लोकसभा उम्मीदवार को लेकर सियासी चर्चाओं को शनिवार को विराम लग गया। पार्टी हाई कमान की ओर से जारी प्रत्याशियों की सूची में केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी का नाम लोकसभा महराजगंज से शामिल रहा। पंकज चौधरी का नाम सामने आने के बाद समर्थकों ने भी कहा, केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री की मेहनत व निष्ठा को देखा है, इस वजह से फिर से उन्हीं को मैदान में उतारा है।

पंकज चौधरी को पार्षद से लेकर संसद सदस्य तक का अनुभव रहा है। पंकज चौधरी 1991, 1996, 1998, 2004, 2014 में सांसद रह चुके हैं। 2019 में वे छठवीं बार सांसद चुने गए। गोरखपुर में जन्में पंकज चौधरी का राजनीतिक सफर गोरखपुर नगर निगम से शुरू हुआ था। वह पहली बार 1989-91 में नगर निगम गोरखपुर में पार्षद चुने गए थे। इसके बाद 1990-91 तक वे गोरखपुर नगर निगम में ही उप-महापौर भी रहे। उसी साल उन्हें यानी 1991 में प्रदेश भाजपा में कार्यकारिणी समिति में सदस्य बनाया गया और लोकसभा के चुनाव में उन्हें टिकट भी मिल गया और वे जीत भी गए। सांसद रहते वे संसद की कई समितियों में रहे। इसके बाद वह 1996 में दोबारा चुनाव जीत गए। इस बार भी उन्हें कई संसदीय समितियों में रहने का मौका मिला। 1998 में मध्यावधि चुनाव हुए और पंकज चौधरी फिर जीत गए। 2004 में वह चौथी बार सांसद बने। लेकिन, लोकसभा चुनावों में लगातार जीत का उनका क्रम 2009 में टूट गया। उन्हें कांग्रेस के हर्षवर्द्धन ने 2009 में हारा दिया।

संक्षिप्त समाचार

गारमेंट्स शोरूम की ऊपरी मंजिल में लगी आग, लपटों के बीच फंसा परिवार; फायर ब्रिगेड की टीम ने निकाला

आगरा , एजेंसी। उत्तर प्रदेश के आगरा में सोमवार की सुबह गारमेंट्स शोरूम की ऊपरी मंजिल में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। इससे आग की लपटों के बीच परिवार फंस गया। परिवार के कुछ लोगों ने कूदकर अपनी जान बचाई। सूचना फायर ब्रिगेड की टीम को दी गई। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। घटना कमला नगर थाना क्षेत्र के सेंट्रल बैंक रोड की है। यहां एक गारमेंट्स का शोरूम है। इसकी दूसरी और तीसरी मंजिल पर परिवार रहता है। सोमवार की सुबह दूसरी मंजिल में आग लग गई। देखते ही देखते आग की लपटें तीसरी मंजिल में पहुंच गईं। इससे पहले की परिवार के लोग बार निकलते आग ने विकराल रूप ले लिया।

आसपास के लोगों ने देखा तो मौके पर भीड़ लग गई। इस बीच कुछ लोगों ने तो कूदकर जान बचा ली। कुछ घर के अंदर ही फंसे रह गए। फायर ब्रिगेड की टीम ने लोगों को बाहर निकाला। कड़ी मशक्कत के टीम ने आग पर काबू पाया। आग पहले तल पर बने शोरूम पर भी पहुंचने की आशंका है। शार्ट सर्किट से आग की आशंका जताई जा रही है।

प्रॉपर्टी डीलर का हत्यारोपी मुठभेड़ में गिरफ्तार, कीमती जमीन को लेकर हुआ था विवाद

लखनऊ , एजेंसी। अयोध्या कैंट थाना क्षेत्र में हुई प्रॉपर्टी डीलर विशाल यादव की हत्या के मामले में मुख्य आरोपी रितेश यादव को पुलिस ने मुठभेड़ में गिरफ्तार किया है। इस दौरान पैर में गोली लगने से आरोपी घायल हो गया है जिसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कैंट थाना क्षेत्र के मशीनिया कृष्णा नगर कॉलोनी में 25 फरवरी की देर रात बरात से वापस लौटते समय टोनिया मऊ यदुवंशपुर निवासी प्रॉपर्टी डीलर विशाल यादव पुत्र रामबली यादव की बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया था। आरोपियों की तलाश की जा रही थी। थानाध्यक्ष कैंट संजय मौर्य ने बताया कि विवेचना के दौरान नगर कोतवाली क्षेत्र के खोजनपुर निवासी रितेश यादव व रिंकू का नाम प्रकाश में आया था। मुखबिर की सूचना पर रविवार की देर रात रितेश यादव को कैंट थाना क्षेत्र के गद्दोपुर पेशकार पुरवा जाने वाले मार्ग पर गिरफ्तार करने का प्रयास किया गया लेकिन आरोपी ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी फायरिंग में आरोपी के पैर में गोली लगी है।

हिंदवी स्वराज नाटक में दिखी मुगलों के साथ शिवाजी के संघर्ष की गाथा, कलाकारों ने दी जीवंत प्रस्तुति

वाराणसी , एजेंसी। काशी विश्वनाथ मंदिर उखाड़ फेंकने से व्यथित हुए गागा भट्ट महाराष्ट्र आकर शिवाजी से मिले और बताया कि मंदिरों की मूर्तियों से मस्जिदों की सीढ़ियां बन रही हैं। आप राजा बनकर समाज को प्रेरणा दें। छत्रपति शिवाजी का एक ही प्रयास था कि समाज का खोया आत्मविश्वास पुनः जागृत हो। शुद्ध मन से किया गया प्रयत्न सफल होता है, यही कारण है कि शिवाजी को पराक्रमी साथी भी मिले। सिगरा स्थित रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर के मंच पर हिंदवी स्वराज को कलाकारों ने जीवंत किया। छत्रपति शिवाजी का जीवन संघर्ष और उनकी परिकल्पनाओं से दर्शक रूबरू हुए। शक्तिशाली मुगल शासन के आगे उपमहाद्वीप के एक से एक राज्य घुटने टेक रहे थे। वहीं, महाराष्ट्र में शिवाजी का उदय भारतीय जनमानस के लिए बड़े संबल के रूप में सामने आया। मुगलों के खिलाफ खड़े होकर शिवाजी ने डटकर उनका मुकाबला किया। बेटे रायबा की शादी का निमंत्रण देने आए तानाजी ने सिंहगढ़ जीतना जरूरी समझा। युद्धभूमि में जब तानाजी बलिदान हो गए तो शिवाजी के मुंह से निकला- गढ़ तो आया पर सिंह गया। शिवाजी का आगरा से वापस आना किसी चमत्कार से कम नहीं था। अफजल खान के सम्मुख शरणागत होने का नाटक रचा और उसका वध कर दिया। शाइस्ता खान का प्रसंग भी आत्मविश्वास पैदा करने वाला था। नाटक का लेखन, परिकल्पना एवं निर्देशन प्रवीण व्यास ने किया। कार्यकारी निर्माता जयंती कुंडू ने कहा कि नाटक के माध्यम से बताया गया कि शिवाजी का कोई धार्मिक विद्वेष या वैमनस्य नहीं था।

देर रात फोन आने पर घर से निकला युवक, सुबह सीवन में मिली लाश, सिर पर थे चोट के निशान; मची सनसनी

मऊ , एजेंसी। मऊ के हलधरपुर थाना क्षेत्र के बकराबाद गांव निवासी युवक का शव सोमवार की सुबह उसके घर से 500 मीटर दूर सड़क किनारे मिला। युवक के सिर पर गंभीर चोट और गले पर गर्दन दबाने के निशान हैं। उधर, इस मामले में मृतक की बहन ने गांव के दो लोगों पर हत्या का आरोप लगाते हुए थाने में तहरीर दी। मृतक को सोमवार की देर रात किसी ने फोन किया था, जिसके बाद वह घर से बाहर निकला और नहीं लौटा। हत्या की सूचना मिलने पर एएसपी मौके पर पहुंचे और मामले की जानकारी ली। फिलहाल पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवान दिया है। तहरीर के अनुसार, हलधरपुर थाना क्षेत्र के बकराबाद गांव निवासी दीपक चौहान (28) मजूदरी कर अपने पिता गुलाब के साथ छोटे भाई, बहन और मां का भरण-पोषण करता था। रविवार की देर शाम वह रोज की तरह मजदूरी कर अपने घर पहुंचा और भोजन करने के बाद कमरे में सोने चला गया। देर रात करीब तीन बजे उसके मोबाइल पर किसी का फोन आने पर वह घर से बाहर निकाल गया। सुबह तक न लौटने पर परिजन उसे ढूंढने लगे। इस दौरान गांव के कुछ लोग सिवान की तरफ गए तो, उन्होंने दीपक का शव देखा। दीपक के घर से 500 मीटर पूर्व दिशा में चकरा-जमालपुर गांव की सीमा पर उसकी लाश मिलने से सनसनी फैली गई। सूचना पाकर पहले परिजन पहुंचे उसके बाद पुलिस। एसओ हलधरपुर हरेंद्र यादव ने जांच के दौरान पाया कि उसके सिर पर चोट के साथ गर्दन पर कुछ निशान मिले।

22 लेखपाल नियुक्त, फिर भी वरुणा-असि के डूब क्षेत्र का सीमांकन नहीं, 762 लोगों को दी जा चुकी है नोटिस

वाराणसी , एजेंसी। वाराणसी में गंगा की सहायक नदियां वरुणा और असि के डूब क्षेत्र का सर्वे तो किया गया, लेकिन सीमाकंन आज तक नहीं हुआ है। वीडीए ने वरुणा और नगर निगम ने असि नदी के किनारे 50-50 मीटर क्षेत्र को ग्रीन बेल्ट घोषित किया था, लेकिन सीमांकन न होने से नदियों के अस्तित्व पर खतरा है। पूर्व में जब वरुणा कॉरिडोर बनाया गया तो डूब क्षेत्र में आने वाले 762 लोगों को वीडीए की ओर से ध्वस्त करने का नोटिस दिया गया था। कुछ जगहों पर कार्रवाई भी की गई, लेकिन मामला ठंडे बस्ते में चला गया। हाल ही में असि को लेकर नगर निगम ने अभियान चलाया। कई अवैध निर्माणों को चिह्नित किया गया। कुछ अवैध निर्माण तोड़े गए, लेकिन सीमांकन न होने से ऊहापोह की स्थिति बनी रही। राजस्व विभाग कागजी कार्रवाई कर रहा है। हाल ही में राजस्व से जुड़े मामलों को निपटाने के लिए 22 लेखपाल भी रखे गए। बावजूद सीमांकन अब तक पूरा नहीं किया गया।

बोले अधिकारी, सीमांकन की कार्रवाई चल रही है: न तो नगर निगम और न ही वीडीए की ओर से सीमांकन से जुड़ा कोई बोर्ड लगाया गया है। 50 मीटर ग्रीन बेल्ट की भी सीमा नहीं बनाई गई है। इसी सीमांकन की रिपोर्ट एनजीटी ने मांगी है। पूर्व में भेजे रिपोर्ट में कहा गया है कि 15 नालों से वरुणा में आंशिक या गैर शोधित जल गिराया जा रहा है। असि पर 2.80 करोड़ लीटर गैर शोधित अपशिष्ट जल प्रतिदिन छोड़ा जा रहा है।

सीमांकन के संबंध में कोई जानकारी नहीं दी गई है। प्रभारी राजस्व कृष्णचंद्र ने बताया कि सीमांकन की कार्रवाई चल रही है। पिछले दिनों असि किनारे के 8 अवैध निर्माणों को बुलडोजर चलाकर गिराया गया था। जल्द ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

डूब क्षेत्र में निर्माण कराने वालों में रहता है बाढ़ का खतरा: दरअसल, हर नदी का अपना डूब क्षेत्र होता है। जब कभी बाढ़ आएगी तो पानी डूब क्षेत्र में भरता है। यह इलाका खाली रखा जाता है ताकि किसी प्रकार की जनहानि न होने पाए। वरुणा और असि के डूब क्षेत्र में सैकड़ों अवैध निर्माण हैं। भविष्य में जब कभी बाढ़ आएगी तो इनका डूबना तय है।

प्रदेश की सबसे उम्रदराज शेरनी मरियम गंभीर.. उठ पाना मुश्किल

गोरखपुर , एजेंसी। गोरखपुर के शहीद अशफाक उल्ला खां प्राणि उद्यान की शेरनी मरियम की स्थिति बेहद नाजुक है। वन्य जीव विशेषज्ञों का कहना है कि प्रदेश की सबसे उम्रदराज शेरनी मरियम का उठ पाना अब मुश्किल है। करीब 10 माह से उसकी तबीयत खराब है और इसकी वजह से बाड़े के क्राल और नाइट सेल के भीतर ही इलाज किया जा रहा था।

पशु चिकित्सकों की टीम के साथ बरेली आईवीआरआई और लखनऊ प्राणि उद्यान सहित अन्य विशेषज्ञों की टीम भी पल-पल इलाज और अन्य स्थितियों की जानकारी ले रही है।

गोरखपुर चिड़ियाघर शुरू होने के पूर्व मरियम को शंकरबाग से इटावा सफारी पार्क लाया गया। वहां से 28 फरवरी 2021 को इसे गोरखपुर लाया गया था। चिड़ियाघर प्रशासन के अनुसार, वर्ष 2021 में 17 वर्ष की उम्र में मरियम की तबीयत अत्यधिक खराब हुई थी।

तीन माह (सितंबर, अक्तूबर और नवंबर) तक लगातार उसका उपचार चला था। वर्ष 2022 में 2 महीने अगस्त और सितंबर में उसकी तबीयत खराब रही। इसके बाद अप्रैल 2023 में मरियम फिर बीमार हुई तो अब तक स्वस्थ नहीं हो सकी है। शनिवार रात में उसकी तबीयत ज्यादा बिगड़ गई।

वन्य जीव विशेषज्ञ डॉ. आरके सिंह ने बताया कि बड़े वन्य जीव बेहद संघर्षशील होते हैं, लेकिन तबीयत खराब होने पर लेटने के बाद उनका उठना बेहद कठिन होता है। मरियम का भी यही हाल है। भगवान का कोई चमत्कार ही शायद उसे उठा सके। वैसे भी मरियम सामान्य उम्र से अधिक जीवन जी रही है।

प्राणि उद्यान के पशु चिकित्साधिकारी डॉ. योगेश प्रताप सिंह ने बताया कि मरियम को फ्लूड थेरेपी के सहारे पानी और अन्य दवाएं दी जा रही हैं। बेहतर से बेहतर इलाज किया जा रहा है, लेकिन कुछ खास असर नहीं दिख रहा। चिड़ियाघर के निदेशक डॉ. मनोज शुक्ला ने बताया कि तबीयत खराब होने की जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को देने के साथ शंकरबाग, गुजरात से बब्बर शेरों को लाने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है।

बीमारी से जंग हार गया रौबदार मूंछों वाला पुलिस कांस्टेबल, पीजीआई लखनऊ में तोड़ा दम

कानपुर , एजेंसी। अपनी रौबदार मूंछों के लिए उप्र पुलिस विभाग में खास पहचान रखने वाले कांस्टेबल विनीत सिंह बीमारी से जंग हार गए। रविवार शाम पीजीआई लखनऊ में उनकी मौत हो गई। वे मूल रूप से भीतरगांव ब्लॉक के बेहटा-बुजुर्ग गांव निवासी थे। बाराबंकी के थाना रामसनेही घाट में चालक पद पर तैनात थे। बेहटा बुजुर्ग गांव निवासी विनीत सिंह पुत्र स्व. बीरेंद्र सिंह तीन भाइयों में सबसे बड़े थे। वर्ष 2003 में कानपुर में पीएसी में भर्ती हुए। इसके बाद पुलिस विभाग में स्थानांतरण होकर मेरठ, सीतापुर सहित विभिन्न जनपदों में सेवाएं दी। वर्तमान में बाराबंकी जनपद के थाना रामसनेही घाट में कांस्टेबल चालक पद पर तैनात थे। अपनी रौबदार मूंछों को लेकर उप्र पुलिस विभाग में चर्चा में रहते थे। चाचा अमुख सिंह गौतम ने बताया कि बाराबंकी में ड्यूटी के दौरान चार फरवरी को भतीजे विनीत सिंह की अचानक सांस लेने में दिक्कत हुई, पहले कानपुर स्थित एएमसी हास्पिटल में भर्ती कराया गया। 15 फरवरी को रेफर होने पर लखनऊ स्थित पीजीआई में इलाज चल रहा था। मौत की सूचना मिलते ही पत्नी रेखा सिंह, दोनों बेटे अभय व प्रबल के अलावा मां श्रीमती बिलख पड़ीं। छोटे दो भाई विशाल गन्ना विभाग और नवनीत सिंह आर्मी में जम्मू-कशीर में तैनात हैं। मृतक का अंतिम संस्कार पुलिस राजकीय सम्मान के साथ सोमवार को कानपुर में होगा।

तंबाकू कारोबारी पर छापा: आयकर टीम ने 150 करोड़ से ज्यादा की कर चोरी पकड़ी

कानपुर , एजेंसी। कानपुर से अपना कारोबार दिल्ली और गुजरात शिफ्ट कर चुके तंबाकू कारोबारी केके मिश्रा उर्फ मुन्ना मिश्रा के प्रतिष्ठानों पर लगातार चौथे दिन रविवार को भी आयकर जांच जारी रही। आयकर टीम ने अब तक 150 करोड़ से ज्यादा की कर चोरी पकड़ी है। अभी जांच चल रही है। इससे रकम और बढ़ने की आसार हैं। कारोबारी के प्रतिष्ठानों से अलग-अलग जगहों पर खरीदी गई 18 संपत्तियों के दस्तावेज मिले हैं। गुजरात के ऊंझा में फैक्टरी के अलावा कई एकड़ में फैला फार्म हाउस और बंगला भी मिला है। गुजरात, दिल्ली, कानपुर में बनाई गई संपत्तियों में लगाए गए धन का हिसाब कारोबारी नहीं दे पा रहे हैं। जांच में पता चला है कि दो नंबर की कमाई संपत्तियों में लगाई गई है। दिल्ली में कई बड़े आवास हैं, जिनकी कीमत सौ करोड़ रुपये से ज्यादा है। आयकर के 50 से ज्यादा अधिकारियों की टीमें ने गुरुवार से बंशीधर श्रीराम फर्म के रामगंज-नयागंज स्थित कार्यालय, शक्करपट्टी स्थित होटल, आर्यनगर स्थित आवास के साथ ही यहीं पर बने तीन प्रतिष्ठानों और दिल्ली के वसंत विहार स्थित आवास, गुजरात के ऊंझा स्थित फैक्टरी में जांच कर रहीं हैं। रामगंज में कारोबारी का पुराना कार्यालय है। यह फर्म सभी प्रमुख पान मसाला कारोबारियों को बड़े पैमाने पर तंबाकू सप्लाई करती है। फर्म के संचालक केके मिश्रा उर्फ मुन्ना मिश्रा हैं। उनका बेटा शिवम मिश्रा कारोबार देखता है। बेटे के दिल्ली स्थित घर से साढ़े 12 करोड़ की हीरे की पांच घड़ियां, 70 करोड़ से ज्यादा की कई विदेशी कारें मिल चुकी हैं। 4.5 करोड़ की नकदी, 2.5 करोड़ के गहने भी जब्त किए जा चुके हैं। सूत्रों ने बताया कि कारोबारी मुन्ना मिश्रा की कुछ समय पहले सर्जरी हुई है। इस लिए अब तक उनके बयान नहीं लिए जा सके हैं।

पान मसाला-तंबाकू कारोबारी का गठजोड़: केके मिश्रा की फर्म कानपुर समेत देश भर के सभी पान मसाला, गुटखा, बीड़ी, खैनी कारोबारियों को तंबाकू और इसकी पत्ती की सप्लाई करती है। सभी प्रमुख ब्रांड इनके खरीदार हैं। जांच में पता चला है कि तंबाकू कारोबारी की संपत्तियों में बड़े पान मसाला कारोबारियों ने काली कमाई खपाई।

गाजियाबाद पर अटका मेरठ का गणित, चौंकाने वाली हो सकती है घोषणा

मेरठ, एजेंसी। लोकसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी गाजियाबाद और मेरठ में बड़ा उलटफेर कर सकती है। शनिवार को जो प्रत्याशियों की सूची जारी हुई है, जिसके बाद माना जा रहा है कि मेरठ और गाजियाबाद लोकसभा क्षेत्र में प्रत्याशी बदल सकते हैं। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भाजपा ने जाट, गुर्जर, ब्राह्मण, दलित और पिछड़ा वर्ग के उम्मीदवारों के नाम घोषित कर दिए हैं। अब ठाकुर बिरादरी और वैश्य बिरादरी के उम्मीदवारों पर ही निर्णय होना है।

सहारनपुर या किसी अन्य सीट पर एक ब्राह्मण प्रत्याशी और उतारा जा सकता है। माना जा रहा है कि अगर गाजियाबाद से जनरल वीके सिंह की जगह किसी दूसरे ठाकुर प्रत्याशी को उतारा जाता है तो मेरठ से वैश्य बिरादरी से ही उम्मीदवार घोषित किया जाएगा।

भाजपा 195 उम्मीदवारों की सूची जारी कर चुकी है। इनमें पश्चिम उत्तर प्रदेश की 14 में से 8 सीटों के प्रत्याशी घोषित किए गए हैं। इनमें 2019 में चुनाव जीते अधिकतर प्रत्याशियों को रिपीट किया गया है। मेरठ और गाजियाबाद को होल्ड पर रख दिया गया है। इससे संकेत मिल रहे हैं कि इन दोनों लोकसभा क्षेत्रों में पार्टी नए चेहरों पर दांव खेल सकती है। बागपत और बिजनौर रालोद के खाते में तय मानी जा रही हैं।

अब तक जो टिकट भाजपा ने घोषित किए हैं उनमें मुजफ्फरनगर से जाट, कैराना और अमरोहा से गुर्जर और गौतमबुद्धनगर से पंडित को टिकट देकर भाजपा ने तीनों बिरादियों को प्रतिनिधित्व दिया है। दलित और पिछड़ा वर्ग का कोटा भी पूरा हो गया है। गाजियाबाद में अब तक ठाकुर बिरादरी से जनरल वीके सिंह सांसद थे, मेरठ में वैश्य बिरादरी से राजेंद्र अग्रवाल प्रतिनिधित्व कर रहे थे। अगर गाजियाबाद और मेरठ में दोनों सांसदों का टिकट बदलता है तो भाजपा इन दोनों बिरादरी का प्रतिनिधित्व बरकरार रखेगी।

अगर मेरठ में राजेंद्र अग्रवाल का टिकट कटता है तो तो यहां पर वैश्य को ही टिकट मिलने की उम्मीद है। मेरठ की बात करें तो वैश्य बिरादरी से कैंट विधायक अमित अग्रवाल, संजीव गोयल सिक्का, व्यापारी नेता विनीत अग्रवाल शारदा, हापुड़ से विकास अग्रवाल, भाजपा के महानगर अध्यक्ष सुरेश जैन ऋतुराज दावेदारी में हैं। अगर भाजपा गाजियाबाद में वैश्य बिरादरी का उम्मीदवार उतारती है तो मेरठ में समीकरण बदल सकते हैं। यह भी हो सकता है कि मेरठ में भी कोई बड़ा चेहरा उतार दिया जाए। रविवार को रामायण सीरियल से प्रसिद्धि पाने वाले अरुण गोविल का नाम भी चर्चा में रहा। वह मेरठ के ही रहने वाले हैं।

रालोद प्रत्याशी एक-दो दिन में: भाजपा और रालोद के गठबंधन के बाद सबकी नजर बागपत और बिजनौर लोकसभा सीट पर लगी है। बागपत में जयंत चौधरी खुद लड़ेंगे या पार्टी के किसी सीनियर नेता को लड़ाएंगे, इस पर अभी सस्पेंस है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक तो जयंत बागपत से पार्टी के किसी पुराने कार्यकर्ता को चुनाव लड़ा सकते हैं। अगर ऐसा होता है तो इससे बड़ा संदेश देने की तैयारी है। बिजनौर से किसी गुर्जर प्रत्याशी को उतारा जा सकता है। विधायक चंदन सिंह चौहान का नाम चर्चा में है, हालांकि अभी आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

बाहरी प्रत्याशी भाजपा पर पड़ सकता है भारी: भाजपा में बाहरी प्रत्याशी को भी चुनाव लड़ाने के संकेत मिल रहे हैं। इससे पहले भाजपा ने जदयू के साथ मिलकर केसी त्यागी को चुनाव लड़ाया था। उनकी बुरी तरह हार हुई थी। भाजपा के कार्यकर्ताओं का कहना है कि पार्टी को बाहरी प्रत्याशी लाने की बजाय मेरठ लोकसभा से ही किसी को टिकट देना चाहिए।

लालू यादव के पीएम मोदी पर दिए बयान पर भड़की भाजपा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। जनविश्वास महारैली में राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव की ओर से पीएम मोदी पर किए गए हमले को लेकर सियासत गर्मा गई है। इसको लेकर भाजपा के साथ राष्ट्रीय लोकमोर्चा की तरफ से लालू यादव पर तीखा पलटवार किया गया है। उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने लालू यादव पर पलटवार करते हुए कहा है कि उनको ऐसा बयान देते हुए शर्म आनी चाहिए। पीएम मोदी तो सनातन के प्रतीक हैं। उन्होंने रामलाल की प्रतिष्ठा बढ़ाई है। विजय सिन्हा ने कहा कि लालू यादव राजनीति के जोकर हैं और तेजस्वी यादव सबसे बड़े नौटंकीबाज। उन्होंने कहा कि जिस पीएम को दुनिया के सभी देशों में सम्मान दिया जा रहा है, उनके खिलाफ की गई टिप्पणी कहीं से भी जायज नहीं है। क्या यह राजनीतिक भाषा है? प्रधानमंत्री को तुम-ताम से संबोधित करना राजनीतिक भाषा कतई नहीं हो सकती है। वो कौन होते हैं किसी के धर्म और जाति का सर्टिफिकेट बनाने वाले। इन लोगों ने तुष्टिकरण की राजनीति से तथा माई समीकरण का नाम लेकर लोगों के बीच उन्माद पैदा किया। विजय सिन्हा ने कहा कि लालू यादव सजायाफ्ता लोग हैं। इन्होंने कभी सनातन का सम्मान नहीं किया जिस सनातन को देश के पीएम ने गौरवान्वित किया, विपक्षी गठबंधन के नेता उन्हें अमर्यादित तरीके से संबोधन कर रहे हैं। यह दुखद है। उन्होंने कहा कि लालू यादव मानसिक तौर पर बीमार हो चुके हैं। वहीं, तेजस्वी यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि अगर बात इनके पुत्र की करें तो वो इनसे भी बड़ा नौटंकीबाज है। नेता बनने की कोशिश में अभिनेता की तरह नौटंकी करते हैं, लेकिन मालूम होना चाहिए कि अभिनेता बनने के लिए भी बहुत तप और साधना की जरूरत होती है। वहीं, लालू यादव के बयान पर राष्ट्रीय लोकमोर्चा के प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा ने भी पलटवार करते हुए कहा कि पहले लालू जी को साफ करना चाहिए कि उनकी पार्टी और वह शुद्ध हिंदू हैं या नहीं? उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी के नेता सनातन धर्म को लेकर क्या-क्या नहीं बोलते हैं, लेकिन उनकी तरफ से कोई प्रतिक्रिया भी नहीं आती है। उनके पार्टी के विधायक राम मंदिर को लेकर उल्टा-सीधा बोलते रहे हैं। इसलिए अब लालू यादव को ही तय करना है कि वह असली हिंदू हैं या नकली। बता दें कि जन विश्वास महारैली में लालू यादव ने प्रधानमंत्री मोदी को नकली हिंदू बताया था। उन्होंने कहा था कि मोदी कोई असली हिंदू नहीं है। उन्होंने कहा था कि मोदी जी कि जब माता जी का देहांत हुआ तो हर हिन्दू अपनी मां के शोक में बाल-दाढ़ी बनवाता है, लेकिन मोदी ने यह क्यों नहीं किया? वहीं परिवारवाद को लेकर लालू यादव ने कहा कि इनके पास परिवार नहीं है। उन्होंने कहा था कि पहले यह बताएं कि अपने परिवार में कोई संतान क्यों नहीं है।

लालू यादव अब निचले स्तर की राजनीति पर उतर आए हैं : विनोद तावड़े

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव के द्वारा पीएम मोदी के खिलाफ की गई टिप्पणी को लेकर बिहार में राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। राज्य में एनडीए के नेता लालू यादव और तेजस्वी यादव के साथ राजद नेताओं को घेरने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। इसी कड़ी में भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव और बिहार के प्रभारी विनोद तावड़े ने लालू यादव के बयान की तीखी आलोचना करते हुए कहा है कि चुनावों में लगातार मिल रही हार से निराश और हताश होकर लालू यादव अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर अमर्यादित टिप्पणी कर रहे हैं। तावड़े ने कहा कि निराश और हताश लालू यादव अब निचले स्तर की राजनीति पर उतर आए हैं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर व्यक्तिगत और अमर्यादित टिप्पणी कर रहे हैं जिसे बिहार की जनता कभी बर्दाश्त नहीं करेगी। लोकसभा चुनाव में ही बिहार की जनता लालू और तेजस्वी को करारा जवाब देगी। पीएम पर टिप्पणी करने वालों को जनता ही सीधा जवाब देगी। जनता के प्रहार के लिए बिहार की लालू और तेजस्वी तैयार रहें। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अपार स्नेह रखती है। इसलिए आगामी लोकसभा और विधानसभा चुनाव में जनता लालू यादव, उनकी पार्टी राजद और उनके इंडी गठबंधन को बुरी तरह से हराकर सबक जरूर सिखाएगी। तावड़े ने लालू यादव को भ्रष्ट और उनकी पार्टी राजद को आगामी लोकसभा और विधानसभा चुनाव में बुरी तरह से हराएगी। पटना के गांधी मैदान में एक रैली को संबोधित करते हुए लालू यादव ने कहा था कि पीएम मोदी का कोई परिवार नहीं है। उन्हें हिंदू भी मानने से इनकार किया था।

तेजस्वी के राजद का मतलब समझाए जाने के बाद जदयू ने किया कटाक्ष

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के द्वारा अपनी पार्टी राजद का मतलब समझाये जाने को लेकर सियासी सरगर्मी बढ़ गई है। तेजस्वी ने राजद में आर का मतलब- राइट, जे का मतलब- जॉब और डी का मतलब- डेवलपमेंट था। इस पर जदयू ने कटाक्ष करते हुए राजद का मतलब बताया आर- 'राइट फॉर गुंडागर्दी', जे- जॉब फॉर (लैंड) और डी मतलब- डेवलपमेंट ऑफ फैमिली आदि। जदयू के मुख्य प्रवक्ता व विधान पार्षद नीरज कुमार ने एक ट्वीट कर कहा कि उनकी पार्टी ने राजनीतिक पाप से छुटकारा पाने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि तेजस्वी ने अपने पिता के चलते घटित किए गए घटनाओं को बचाने की कोशिश की है। बता दें कि जनविश्वास रैली में तेजस्वी यादव ने केंद्र सरकार से सवाल किया कि पिछले 10 सालों में किसे मुनाफा दिलाया गया है। उन्होंने रेलवे का निजीकरण, जनता और पूंजीपतियों के लिए कुछ नहीं किया जाने पर सवाल उठाया। तेजस्वी ने अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने भाजपा की सरकार की नीतियों का तंज किया और कहा कि उनकी सरकार ने 17 महीने में नौकरी और विकास के क्षेत्र में कई उपाय किए हैं। तेजस्वी ने महागठबंधन की सरकार के कार्यकाल में बढ़ोतरी की गई। आरक्षण और मानदेय की बातें की और रोजगार रैली की याद दिलाई। उन्होंने भाजपा को सत्ता को तोड़ने का आरोप लगाया और जनता से यह पूछा कि वे भाजपा की वाद-विवाद और नीतियों को कैसे देखते हैं?

एनटीपीसी कहलगांव ने 53वां राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस मनाया

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना/भागलपुर। कहलगांव सुपर थर्मल पावर स्टेशन में सुरक्षा विभाग द्वारा आयोजित 53वें राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस के अवसर पर प्रशासनिक भवन परिसर में श्री अजय शर्मा, परियोजना प्रमुख (कहलगांव) द्वारा सुरक्षा ध्वज फहराया गया। सुरक्षा ध्वज फहराने के बाद उपस्थित एनटीपीसी कर्मचारियों और श्रमिकों ने सुरक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण की रक्षा में खुद को निवेश करने और नियमों, अधिनियमों और विनियमों का पूरी तरह से पालन करने के साथ-साथ दुर्घटनाओं को रोकने के लिए आदतों और विश्वासों को विकसित करने की शपथ ली। अजय शर्मा, परियोजना प्रमुख (कहलगांव) ने

राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस 2024 की थीम ईएसजी उत्कृष्टता के लिए सुरक्षा नेतृत्व पर एक विशेष व्याख्यान दिया। परियोजना प्रमुख (कहलगांव) ने कहा कि हमें अपने संबंधित कार्य क्षेत्रों की सुरक्षा अनुपालन के प्रति ज्यादा सतर्क रहने की आवश्यकता है की आवश्यकता है और हमारा प्रयास प्रयास शून्य दुर्घटनाओं को प्राप्त करना है। उन्होंने सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं पर ध्यान आकृष्ट कराते हुए सुरक्षा नियमों के अनुपालन पर विशेष जोर दिया तथा दुर्घटनाओं को देश की अर्थव्यवस्था के लिए घातक बताते हुए कहा कि दुर्घटनाएं समाज, परिवार एवं विशेषकर लोगों के हित के लिए हानिकारक होती हैं। परियोजना प्रमुख (कहलगांव) ने दुर्घटनाएं को रोकने के लिए हरसंभव प्रयास करने की अपील की। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन एवं एनटीपीसी गीत के साथ हुई। अजय शर्मा, परियोजना प्रमुख (कहलगांव)ने सुरक्षा माह नवंबर - 2023 और राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह 26 फरवरी 2024 - 4 मार्च 2024 के दौरान एनटीपीसी कर्मचारियों, दीप्तिनगर की महिलाओं, कार्य एजेंसियों और स्कूली बच्चों के बीच आयोजित विभिन्न सुरक्षा संबंधी प्रतियोगिताओं के सभी विजयी प्रतिभागियों को बधाई दी। शैफाली शर्मा, अध्यक्षा, (सृष्टि समाज) बी राजेंद्र कुमार, महाप्रबंधक (ओ एंड एम), एच आर मलिक महाप्रबंधक (ईंधन प्रबंधन) प्रभात रंजन बारिक महाप्रबंधक (मैंटेनेंस), राजेश गुप्ता महाप्रबंधक (ऐश डाइक प्रबंधन), घोष दस्तीदार महाप्रबंधक (टी एस), राकेश चौहान महाप्रबंधक (एफ़जीडी), मनीष कुमार, सहायक कमांडेंट (सीआईएसएफ) ने पुरस्कार देकर सुरक्षा जागरूकता पहल को प्रोत्साहित किया और सभी से इसे अपने दैनिक जीवन में लागू करने की अपील की। इस अवसर पर खुर्शीद अनवर, अपर महाप्रबंधक (सुरक्षा-समन्वयक), डॉ. सुष्मिता सिंह, सीएमओ, (जीवन ज्योति अस्पताल), यूनियन एवं एसोसिएशन के प्रतिनिधि, एनटीपीसी कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में श्रमिक उपस्थित थे।

संयुक्त किसान मोर्चा ने किसान महापंचायत को सफल बनाने को माइकिंग करवाने का किया निर्णय

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। 14 मार्च को दिल्ली के रामलीला मैदान में संयुक्त किसान मोर्चा द्वारा आयोजित किसान महापंचायत को सफल बनाने हेतु 10-11 मार्च को बिहार के सभी प्रखंड में बड़े पैमाने पर पर्चा-पोस्टर, दीवार लेखन एवं माइकिंग करवाने का निर्णय लिया गया। किसान महापंचायत की व्यापक तैयारी हेतु बिहार को 7 जोन में बांट कर अलग-अलग जोन का कार्यकर्ता कन्वेंशन सिवान के बसंतपुर से शुरुआत होगी और मुजफ्फरपुर, दरभंगा, बेगूसराय, सहरसा, मुंगेर और जहानाबाद में जोनल कन्वेंशन की तैयारी की समीक्षा की गई। 8 मार्च को शिवरात्रि के दिन जहानाबाद और सहरसा में स्वामी सहजानंद सरस्वती की जयंती जोर- शोर से समारोह पूर्वक मनाने के साथ कार्यकर्ता कन्वेंशन को सफल बनाने की रणनीति बनाई गई।

मोदी सरकार अपना वादा पूरा करो, उत्तर कोयल नहर को अविलंब चालू करो। भूमि अधिग्रहण में किसानों के जमीन का बाजार मूल्य का चार गुना कीमत की मांग को लेकर औरंगाबाद में 1 मार्च 2024 को औरंगाबाद में शांतिपूर्ण मौन जुलूस को रोकने के लिए औरंगाबाद और कैमूर में बड़े पैमाने पर किसान नेताओं के घर पर छापामारी, घर में तोड़फोड़, नेताओं की गिरफ्तारी और नजरबंदी से डबल इंजन की सरकार ने किसानों को ब्रिटिश हुकूमत और आपातकाल की याद दिला दी। आज संयुक्त किसान मोर्चा बिहार की बैठक में पुलिस कार्रवाई की सख्त निंदा करते हुए रोष प्रकट किया और सरकार से मांग की है कि दोषी लोगों पर अविलंब कार्रवाई की जाए। संयुक्त किसान मोर्चा, बिहार की बैठक स्वामी सहजानंद सरस्वती आश्रम, पटना में अशोक कुमार सिंह की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक को संबोधित करते हुए मजदूर-किसान संगठन के अध्यक्ष चर्चित सामाजिक कार्यकर्ता रघुपति जी, भारतीय किसान यूनियन टिकैत के बिहार प्रभारी दिनेश सिंह, बिहार राज्य किसान सभा के महासचिव अशोक प्रसाद सिंह, किसान संघर्ष समिति के डॉक्टर विनय सिंह, किसान मजदूर मोर्चा, मगध बिहार के महासचिव चंद्रशेखर यादव, प्रगतिशील किसान संघ के कमलेश कुमार, स्वामी सहजानंद सरस्वती विचार मंच के माधो प्रसाद सिंह, ए आई के एफ के महासचिव भूप नारायण सिंह, एन ए पी एम के निदेशक मंडल के सदस्य आशीष रंजन, प्रभावित किसान मजदूर मोर्चा चौसा के नेता सत्येंद्र नारायण सिंह, युवा हल्ला बोल के अध्यक्ष अनुपम कुमार, स्वामी सहजानंद सरस्वती आश्रम समिति के अध्यक्ष अशोक कुमार सिंह ने संबोधित करते हुए अपनी राय समीक्षा बैठक में दी। दिल्ली चलो का नारा पूरे बिहार में गूंजे इसकी व्यापक तैयारी की कार्य योजना बैठक में बनाई गई।

ज्ञान गौरव और लक्ष्मी प्रसाद को महाविद्यालय चैम्पियन का खिताब

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार विद्यापीठ के अंतर्गत देशरत्न राजेंद्र प्रसाद शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय का वार्षिक क्रीड़ा प्रतियोगिता संपन्न हो गया। इस क्रीड़ा प्रतियोगिता में ज्ञान गौरव भाला, गोला और चक्र प्रक्षेप में प्रथम स्थान तथा 100 मीटर दौड़ में द्वितीय स्थान के साथ 18 अंक लेकर महाविद्यालय चैंपियन बनने का गौरव प्राप्त किया। साथ ही महिला वर्ग में लक्ष्मी प्रसाद भाला, गोला और चक्र तथा 200 मीटर की दौड़ में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त कर 16 अंक लेकर चैंपियन बनने का गौरव प्राप्त किया। यह दोनों प्रतिभागी बीएड द्वितीय वर्ष के प्रशिक्षु हैं। आज खेले गए प्रतियोगिता का उद्घाटन बिहार विद्यापीठ के अध्यक्ष विजय प्रकाश ने किया। उन्होंने चेस को गणित के साथ जोड़ते हुए चेस के वैश्विक

इतिहास पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने शुरुआती चाल के प्रकारों की बात की और शिक्षक बनने को अग्रसर प्रशिक्षुओं को अपने-अपने स्कूलों में चेस खेलवाने और प्रोत्साहन देने की बात की। आज के मैच का परिणाम इस प्रकार है- पुरुष वर्ग में प्रथम स्थान पर रहे अंकित अंबिकेश बीएड प्रथम वर्ष द्वितीय स्थान पर आलोक कुमार बी एड प्रथम वर्ष, तृतीय स्थान पर अभिषेक कुमार बी एड द्वितीय वर्ष, महिला वर्ग में प्रथम स्थान पर रही ज्योति कुमारी बीएड द्वितीय वर्ष, द्वितीय स्थान पर रही रजनी कुमारी बीएड प्रथम वर्ष तथा तृतीय स्थान पर रही दिव्याशा बी एड द्वितीय वर्ष। इस अवसर पर निदेशक शिक्षा एवं संग्रहालय बिहार विद्यापीठ डॉ मृदुला प्रकाश तथा प्राचार्या डॉक्टर पूनम वर्मा मौजूद रही तथा खेलों का संचालन सहायक प्रोफेसर मिताली मित्रा के द्वारा किया गया तथा ऑर्बिटर के रूप में मिन्की सिन्हा और पम्मी रानी अंतर्राष्ट्रीय रेटेड शतरंज खिलाड़ी मौजूद थे।

लालू प्रसाद 'भगवा आतंकवाद' कहने वालों के समर्थक : सुशील मोदी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अयोध्या से लेकर संयुक्त अरब अमीरात तक मंदिरों की स्थापना कराने वाले, संतों का सम्मान करने वाले और सैनिकों के साथ दीपावली मनाने वाले हिंदू हैं, जबकि लालू प्रसाद सावन में मटन-मीट खाने वाले और राम-मंदिर का बहिष्कार करने वाले हिंदू हैं। उन्होंने कहा कि लालू प्रसाद उनको मटन खिलाते हैं, जिनकी पार्टी ने ''भगवा आतंकवाद'' का फर्जी नरेटिव गढ़ा और आतंकवादियों की मौत पर आंसू बहाये। श्री मोदी ने कहा कि लालू प्रसाद को मंदिर आंदोलन में बाधक बनने और बिहार में आडवाणी जी की रथयात्रा रोकने जैसी हिंदू-विरोधी राजनीति के लिए राम-भक्तों से क्षमा मांगनी चाहिए।

स्वस्थ व्यक्ति ही अपने समाज को स्वस्थ रख सकता है : आनन्द माधव

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार की राजधानी पटना में कंकड़बाग स्थित रामकृष्ण द्वारिका महाविद्यालय में आज शैल प्रद्युमन सोसाइटी फॉर डेवलपमेंट एंड चेंज ने स्वच्छता अभियान चलाया। यह अभियान महाविद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ जगन्नाथ प्रसाद की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की समन्वयक डॉ शैलजा सिन्हा, सह समन्वयक डॉ सरिता कुमारी एवं डॉ. निधि सिन्हा ने आयोजन को सफल बनाने में अपना योगदान दिया। इस अवसर पर बोलते हुए बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता एवं रिसर्च विभाग तथा मैनिफेस्टो कमेटी के चेयरमैन आनन्द माधव ने कहा कि कोरोना से हमें सबक लेने की आवश्यकता है। कोरोना अभी गया नहीं है, हमारे आसपास ही है। स्वच्छता के नियमों का पालन करके ही हम बीमारियों का सामना कर सकते हैं। महाविद्यालय हमारा मंदिर है, इसे भी हमें स्वच्छ रखना चाहिये। शिक्षा और स्वास्थ्य दोनों ही हमारे जीवन को सुधारने का काम करता है, एक शरीर को सुधारता है तो दूसरा मन को। लक्ष्य की प्राप्ति तभी होगी जब हम तन और मन दोनों का ध्यान रखें। समाज में सकारात्मक परिवर्तन युवा ही ला सकते हैं। अतः यह अभियान भी उनके बीच ही चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अपने साथ-साथ अपने घर और पड़ोसी को भी साफ-सफाई के बारे में सजग करना आवश्यक है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डाक्टर जगन्नाथ प्रसाद ने कहा कि स्वच्छता महाविद्यालय की भी प्राथमिकता होनी चाहिये और महाविद्यालय हर स्तर पर इस पर विशेष ध्यान दे रहा है। उन्होंने कहा कि एक महीने के अंदर यह महाविद्यालय स्वच्छता में अव्वल हो जायेगा। महाविद्यालय का कायाकल्प करने के लिये मैं प्रतिबद्ध हूं। उन्होंने छात्र-छात्राओं से अपील किया कि महाविद्यालय को स्वच्छ रखने में वह भी अपनी भागीदारी निभाएं। स्वच्छता के प्रतीक के रूप में सभी छात्र-छात्राओं के बीच में डेटॉल साबुन का वितरण भी किया गया। डाक्टर शैलजा सिन्हा ने महाविद्यालय प्रशासन, शैल प्रद्युमन सोसाइटी एवं छात्र-छात्राओं को आयोजन में सहयोग करने के लिये धन्यवाद दिया।

निशान भक्तों का जत्था खाटू धाम रवाना

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। शक्तिधाम सेवा न्यास द्वारा श्याम फाल्गुन महोत्सव की तैयारी पूरे जोरों पर है। शक्तिधाम के मुख्य संस्थापक अमर अग्रवाल ने बताया कि भक्तों ने 251 निशान की पूजा की। इसके बाद भजन कीर्तन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बाबा का भव्य श्रृंगार किया गया जो सबको बहुत ही अधिक भा रहा था। श्रृंगार के बाद बाबा के आगे ज्योति प्रज्ज्वलित की गयी। मौके पर उपस्थित सैकड़ों भक्तों ने विशेष आरती पूजा किया। अमर अग्रवाल ने बताया कि आज 251 भक्तों का जत्था पटना से खाटूधाम के लिए प्रस्थान किया। ये सभी भक्त श्याम बाबा को निशान अर्पित करेंगे। इसके बाद ये सभी भक्त झुंझूनू में रानी सती दादीजी का एवं सालासर धाम का दर्शन करेंगे। निशान लेकर रवाना हुए भक्तों के जत्थे में ध्रुव मुरारका, शंकर शर्मा, दिलीप केडिया, सतीश अग्रवाल, ललन लाट, रितेश तुलस्यान, कन्हैया सिंगल, गौरव शर्मा, विवेक शर्मा, शुभम शर्मा, मनोज केडिया सहित अन्य थे। अमर अग्रवाल ने बताया कि शक्तिधाम सेवा न्यास द्वारा पटना में श्री श्याम फाल्गुन महोत्सव सोमवार 18 मार्च से मंगलवार 26 मार्च तक पूरे हर्षोल्लास एवं धूमधाम से मनाया जाएगा।

मोटापा से विश्व में 28 लाख लोगों की होती है मौत : डॉ सुभाष कुमार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। डायबिटिक केयर सोसाइटी की ओर से सोमवार को विश्व मोटापा दिवस पर कई कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस क्रम में स्लोगन प्रतियोगिता और पेंटिंग प्रतियोगिता का भी आयोजन हुआ जिसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में डायबिटिक केयर सोसाइटी के सचिव डॉक्टर सुभाष कुमार ने कहा कि पूरे विश्व में मोटापा से संबंधित बीमारियों से हर साल करीब 28 लाख लोगों की मौत होती है। उन्होंने कहा कि मोटापा दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य लोगों को इसके खतरों से सावधान करना और जीवन शैली को प्रोत्साहित करना है। ताकि वजन बढ़ने की समस्या को कम कर बीमारियों से बचा जा सके। मोटापे का मुख्य कारण गलत खानपान, ज्यादा खानपान, ज्यादा

चर्बी वाले आहार लेना, कम व्यायाम करना, आराम का जीवन यापन एवं असंतुलित व्यवहार एवं मानसिक तनाव है।

इन चीजों से बचकर मोटापे से मुक्ति पाया जा सकती है। इस दौरान हुए स्लोगन प्रतियोगिता में सरस्वती विद्या मंदिर टर्निंग प्वाइंट स्कूल सहित शहर के कई स्कूलों के बच्चों ने हिस्सा लिया। स्लोगन प्रतियोगिता में जिसको मोटापे ने जकड़ा उसकी सेहत है बिगड़ा स्लोगन लिखने वाले सरस्वती विद्या मंदिर के केशव सिंह को प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ जबकि द्वितीय पुरस्कार भी सरस्वती विद्या मंदिर के ही श्रेष्ठ सागर को मिला। पेंटिंग प्रतियोगिता में टर्निंग प्वाइंट स्कूल की प्रिया कुमारी को प्रथम, शक्ति सिंह को द्वितीय एवं अंगद कुमार को तृतीय पुरस्कार मिला। इस मौके पर स्कूल के निदेशक उमेश सिंह, सतिमा सिंह, रिंकी सिंह, कुमकुम रानी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

भाजपा महिला मोर्चा ने किया नारी शक्ति अधिनियम मैराथन दौड़ का आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। भाजपा महिला मोर्चा पूरे प्रदेश में तीन दिवसीय नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम आयोजित करने जा रही है। इसी कड़ी में पटना के भाजपा दफ्तर से आयकर गोलंबर तक सैकड़ों महिलाओं और बच्चियों के साथ नारी शक्ति अधिनियम मैराथन दौड़ निकाला गया। यह कार्यक्रम 4 मार्च से 6 मार्च तक आयोजित होगा जिसमें तीन बड़े कार्यक्रम आयोजित होंगे जिसके तहत मैराथन दौड़, पदयात्रा/स्कूटी रैली और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रैली का सभी मंडल में स्क्रीन लगाकर प्रसारण किया जाएगा। महिला मोर्चा का कहना है कि 2024 का लोकसभा चुनाव काफी महत्वपूर्ण है, चुनाव में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए भाजपा महिला मोर्चा यह कार्यक्रम का आयोजन करने जा रही है। आज यानी 4 मार्च को मैराथन का आयोजन किया गया। वहीं 5 मार्च को स्कूटी रैली का आयोजन होगा। वहीं इस दौरान काफी संख्याओं में महिलाएं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जिंदाबाद के नारे लगाए और कहा कि अब महिलाएं किसी से कम नहीं है। संसद में उन्हें भी बोलने का मौका मिलेगा, बैठने का मौका मिलेगा। उनकी आरक्षण को बढ़ाया गया है। आज बिहार से हमारी धर्मशिला गुप्ता को भी राज्यसभा भेजा गया है।

राम भगवान का मंदिर नहीं बने यही लालू चाहते थे : सम्राट चौधरी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। जन विश्वास महारैली में राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव के द्वारा पीएम मोदी पर किए गए निजी हमले के बाद भाजपा की तरफ से लगातार पलटवार किया जा रहा है। इसी क्रम में उपमुख्यमंत्री और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने कहा कि देश में राम विरोधी लालू प्रसाद यादव हैं। राम भगवान का मंदिर नहीं बने, इसका सबसे बड़ा कोई विरोधी है तो वह लालू यादव हैं। भाजपा पूरा परिवार है और आज हम लोगों ने लिखा मोदी का परिवार हम हैं। उन्होंने कहा कि लालू प्रसाद यादव 90 के चुनाव से पहले कहते थे रानी के

पेट से राजा पैदा नहीं होता है। आज सिर्फ राजा ही पैदा कर रहे हैं और लोकतंत्र का हत्या कर रहे हैं। ये लोग गलतफहमी में हैं, जब इनका पूरा परिवार हार गया था, तभी सम्राट चौधरी जीत कर आया था और राजद के लोग जिस सीट पर लड़ने के लिए कहेंगे उस पर लड़ने के लिए तैयार हूं। वहीं तेजस्वी पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि ये लोग बड़ी गलतफहमी में जी रहे हैं। बता दें कि 3 मार्च को लालू यादव ने पीएम मोदी पर हमला बोलते हुए कहा था कि अगर नरेंद्र मोदी के पास अपना परिवार नहीं है तो हम क्या कर सकते हैं। वह राम मंदिर के बारे में डींगें हांकते रहते हैं। वह एक सच्चे हिंदू भी नहीं हैं। हिंदू परंपरा में एक बेटे को अपने माता-पिता के निधन पर अपना सिर और दाढ़ी मुंडवानी चाहिए। मोदी ने तब ऐसा नहीं किया जब उनकी मां की मृत्यु हो गई थी।

बाबूलाल मरांडी ने विकसित भारत संकल्प अभियान एलईडी वैन को रवाना किया

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सह पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने सोमवार को रांची स्थित पार्टी के प्रदेश कार्यालय से विकसित भारत संकल्प अभियान एलईडी वैन को रवाना किया। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि राज्य के सभी चौदह लोकसभा क्षेत्र के लिए एलईडी वैन को रवाना किया गया है। वैन के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने जो दस सालो में गांव, गरीब, किसान और युवा समेत हर वर्ग के लिए जो काम किया है उससे जनता को अवगत कराया जायेगा। उन्होंने बताया की एलईडी वैन में सुझाव पेटी का इंतजाम किया गया है ताकि आम लोग प्रधानमंत्री को सुझाव भी दे सकते हैं।

फोटो प्रदर्शनी कार्यक्रम के चौथे दिन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मोतिहारी। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा मोतिहारी में 9 दिवसीय फोटो प्रदर्शनी सह जागरूकता कार्यक्रम के साथ प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता और सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आज हमारा संकल्प विकसित भारत कार्यक्रम के चौथे दिन के कार्यक्रम का आरंभ स्कूली बच्चों ने प्रदर्शनी का अवलोकन एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में भाग लेने के साथ शुरू हुआ। इसके बाद विभाग के पंजीकृत सांस्कृतिक दल के कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी किया गया। कार्यक्रम में केंद्र सरकार के विभिन्न योजनाओं की जानकारी देने के साथ-साथ विभिन्न योजनाओं के काउंटर भी लगे जहां पर निःशुल्क सुविधा प्रदान की जा रही है। सुबह से शाम तक चलने वाले इस कार्यक्रम में करीब-करीब हजारों लोगों ने हिस्सा लिया और प्रदर्शनी स्थल पर लगे काउंटर पर ऑन स्पॉट निःशुल्क सुविधा भी उठाया।

CMYK

नवबिहार टाइम्स
बोकारो, मंगलवार 05 मार्च 2024

रास्ते नशे का कारोबार कोई छिपी बात नहीं

दुनिया में सबसे अधिक खतरा अगर किसी चीज से है, तो वह है नशीले पदार्थों का कारोबार। इसी के जरिए आतंकवाद आदि का वित्तपोषण होता है। हर वर्ष लाखों नौजवान अकाल मौत मर जाते हैं। इसलिए सरकारों से अपेक्षा की जाती है कि इस पर रोक लगाने में वे अधिक सतर्कता बरतें। मगर लगता है कि भारत इस कारोबार के लिए सबसे सुरक्षित जगह बनता जा रहा है।नहीं तो, क्या कारण है कि यहां थोड़े-थोड़े दिनों पर ही नशे की बड़ी खेप पकड़ी जाती है। अभी पोरबंदर के बंदरगाह से तैंतीस सौ किलो नशीले पदार्थ की खेप बरामद की गई, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब दो हजार करोड़ रुपए बताई जा रही है। इससे पहले शुक्रवार को सोमनाथ के वेरावल घाट पर बह कर आई करीब साढ़े तीन सौ करोड़ रुपए की नशीले पदार्थ की खेप बरामद हुई थी। पिछले वर्ष मुंद्रा बंदरगाह पर एक पोत के औंचक निरीक्षण में करीब पंद्रह हजार करोड़ रुपए की खेप पकड़ी गई थी। इस तरह अलग-अलग जगहों से छोटी-छोटी खेपें आए दिन पकड़ी जाती हैं। निस्संदेह यह पुलिस और संबंधित नशारोधी विभागों की सक्रियता कही जा सकती है, मगर सवाल है कि इतने बड़े पैमाने पर हो रहे नशे के कारोबार पर अंकुश क्यों नहीं लग पा रहा। नशे की पकड़ी गई बड़ी खेपों के बारे में तो खबरें सामने आ जाती हैं, मगर अंदाजा लगाना मुश्किल है कि ऐसा न जाने कितना नशीला पदार्थ निगरानी तंत्र की नजर से पार निकल जाता होगा। सवाल है कि जो स्वापक विभाग यानी नारकोटिक्स महकमा एक-दो ग्राम नशीला पदार्थ रखने वालों को गिरफ्तार कर महीनों बंद रखता है, वह इन बड़ी खेपों पर नजर रखने में विफल कैसे हो जाता है। समंदर के रास्ते नशे का कारोबार कोई छिपी बात नहीं है। यह इसलिए सुरक्षित माना जाता है कि बंदरगाहों पर उतरने वाली वस्तुओं की नियमित जांच नहीं होती। औंचक निरीक्षण में कभी-कभार ही कुछ संदिग्ध वस्तुओं और नशीले पदार्थों की पहचान हो पाती है। लगातार इतने मामले प्रकाश में आने के बावजूद यह समझना मुश्किल है कि बंदरगाहों पर निगरानी चौकस क्यों नहीं की जाती।

अधिकतम मतदान के जरिये ही देश की राजनीति को सुधारा जा सकता है

(ललित गर्ग)

अधिकतम मतदान के संकल्प से हमें मतदान का औसत प्रतिशत 55 से 90–95 प्रतिशत तक ले जाना चाहिए, ताकि इस लक्ष्य को हासिल करके हम भारतीय राजनीति की तस्वीर को नया रुख दे सके। मतदान करना हर नागरिक का मौलिक अधिकार है और कर्तव्य भी है, लेकिन विडम्बना है हमारे देश की कि आजादी के 77 वर्षों बाद भी नागरिक लोकतंत्र की मजबूती के लिये निष्क्रिय है। ऐसा लगता है जमीन आजाद हुई है, जमीर तो आज भी कहीं, किसी के पास गिरवी रखा हुआ है। अधिकतम मतदान की दृष्टि से नरेन्द्र मोदी ने गुजरात में मुख्यमंत्री रहते हुए एक अलख जगाई थी। अनिवार्य वोट के लिये कानून लागू करना ही होगा और इस पहल के लिये सभी दलों को बाध्य होना ही होगा, क्योंकि भारतीय लोकतंत्र में यह नई जान फूंक सकती है। अब तक दुनिया के 32 देशों में अनिवार्य मतदान की व्यवस्था है लेकिन यही व्यवस्था अगर भारत में लागू हो गई तो उसकी बात ही कुछ और होगी और वह दुनिया के लिये अनुकरणीय साबित होगी।

अधिकतम वोटिंग का वास्तविक उद्देश्य है, जन-जन में लोकतंत्र के प्रति आस्था पैदा करना, हर व्यक्ति की जिम्मेदारी निश्चित करना, वोट देने के लिए प्रेरित करना। एक जनक्रांति के रूप 'भारतीय मतदाता संगठन' इस मुहिम के लिये सक्रिय हुआ है, यह शुभ संकेत है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम से तीन माह के लिए विराम लेते हुए लोकतंत्र के महाकुंभ चुनाव में पहली बार वोटर बने युवाओं से रिकार्ड संख्या में मतदान का आग्रह किया। अधिकतम संख्या में मतदान लोकतंत्र की जीवंतता का प्रमाण होने के साथ लोकतंत्र के बलशाली होने का आधार हैं और जनता की सक्रिय भागीदारी का सूचक है। इस बार लोकसभा चुनाव में मतदाताओं की संख्या लगभग 97 करोड़ है, इनमें बड़ी संख्या युवाओं की है। इसीलिये मोदी ने मतदान में युवाओं की सक्रिय भागीदारी का आह्वान करके एक जागरूक, सक्षम एवं जुझारु राजनेता का परिचय दिया है। अधिकतम मतदान भारतीय लोकतंत्र को अधिक स्वस्थ, सुदृढ़ एवं पारदर्शी बनाने की एक सार्थक मुहिम है। सभी मतदाताओं को मतदान के प्रति वैसा ही उत्साह दिखाना चाहिए जैसा कुछ समय से महिलाएं दिखा रही हैं। प्रधानमंत्री ने युवाओं से यह भी अपील की कि वे राजनीतिक गतिविधियों का हिस्सा बनें और राजनीतिक-चर्चाओं को लेकर जागरूक भी रहें। विशेषतः विभिन्न राजनीतिक दलों की लोकलुभावन घोषणाओं एवं चुनावी घोषणा पत्रों पर युवाओं को गहराई से जानकारी हासिल करना चाहिए कि इन घोषणाओं का आधार क्या है, इनके लिये धन कहां से आयेगा? चुनावी तैयारियों का जायजा लेने चेन्नई गए मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने इसी बात को उठाते हुए कहा है कि यदि राजनीतिक दलों को अपने घोषणापत्रों में लोकलुभावन वादे करने का अधिकार है तो मतदाताओं को यह जानने का हक भी है कि क्या वे वादे व्यावहारिक हैं और उन्हें लागू करने के लिए धन का प्रबंध कहां से किया जाएगा।

अगले माह लोकसभा चुनाव की संभावित घोषणा और उसके चलते आचार संहिता लागू हो जायेगी। अधिकतम मतदान लोकतंत्र में जन-भागीदारी का अवसर मात्र ही नहीं हैं, बल्कि देश की दशा-दिशा तय करने में आम आदमी के योगदान का भी परिचायक है। अधिकतम मतदान के लिए माहौल बनाने की आवश्यकता इसलिए है, क्योंकि देश के कुछ हिस्सों में मतदान प्रतिशत अपेक्षा से कहीं कम होता है। विडंबना यह है कि आमतौर पर कम प्रतिशत महानगरों में अधिक देखने को मिलता है। इसका कोई मतलब नहीं कि सरकारों अथवा राजनीतिक दलों के तौर-तरीकों की आलोचना तो बढ़-चढ़कर की जाए, लेकिन मतदान करने में उदासीनता दिखाई जाए। आमतौर पर मतदान न करने के पीछे यह तर्क अधिक सुनने को मिलता है कि मेरे अकेले के मत से क्या फर्क पड़ता है? एक तो यह तर्क सही नहीं, क्योंकि कई बार दो-चार मतों से भी हार-जीत होती है और दूसरे, अगर सभी यह सोचने लगें तो फिर लोकतंत्र कैसे सबल एवं सक्षम होगा? इस दृष्टि से प्रधानमंत्री मोदी का अधिकतम मतदान को प्रोत्साहन देने का उपक्रम एवं आह्वान एक क्रांतिकारी शुरुआत कही जा सकती है। इसका स्वागत हम इस सोच और संकल्प के साथ करें कि हमें अपने मतदान से आगामी आम चुनाव में भ्रष्टाचार, राजनीतिक अपराधीकरण एवं राजनीतिक विसंगतियों पर नियंत्रण करना है।

अधिकतम मतदान के संकल्प से हमें मतदान का औसत प्रतिशत 55 से 90-95 प्रतिशत तक ले जाना चाहिए, ताकि इस लक्ष्य को हासिल करके हम भारतीय राजनीति की तस्वीर को नया रुख दे सके। मतदान करना हर नागरिक का मौलिक अधिकार है और कर्तव्य भी है, लेकिन विडम्बना

है हमारे देश की कि आजादी के 77 वर्षों बाद भी नागरिक लोकतंत्र की मजबूती के लिये निष्क्रिय है। ऐसा लगता है जमीन आजाद हुई है, जमीर तो आज भी कहीं, किसी के पास गिरवी रखा हुआ है। अधिकतम मतदान की दृष्टि से नरेन्द्र मोदी ने गुजरात में मुख्यमंत्री रहते हुए एक अलख जगाई थी। अनिवार्य वोट के लिये कानून लागू करना ही होगा और इस पहल के लिये सभी दलों को बाध्य होना ही होगा, क्योंकि भारतीय लोकतंत्र में यह नई जान फूंक सकती है। अब तक दुनिया के 32 देशों में अनिवार्य मतदान की व्यवस्था है लेकिन यही व्यवस्था अगर भारत में लागू हो गई तो उसकी बात ही कुछ और होगी और वह दुनिया के लिये अनुकरणीय साबित होगी। यदि ऐसा हुआ तो अमेरिका और ब्रिटेन जैसे पुराने और सशक्त लोकतंत्रों को भी भारत का अनुसरण करना पड़ सकता है, हालांकि भारत और उनकी परिस्थितियां एक-दूसरे के बिल्कुल विपरीत है। भारत में अमीर लोग वोट नहीं डालते और इन देशों में गरीब लोग वोट नहीं डालते।

भारत इस तथ्य पर गर्व कर सकता है कि जितने मतदाता भारत में हैं, दुनिया के किसी भी देश में नहीं हैं और लगभग हर साल भारत में कोई न कोई ऐसा चुनाव अवश्य होता है, जिसमें करोड़ों लोग वोट डालते हैं लेकिन अगर हम थोड़ा गहरे उतरें तो हमें बड़ी निराशा भी हो सकती है, क्या हमें यह तथ्य पता है कि पिछले 77 साल में हमारे यहां एक भी सरकार ऐसी नहीं बनी, जिसे कभी 50 प्रतिशत वोट मिले हों। कुल वोटों के 50 प्रतिशत नहीं, जितने वोट पड़े, उनका भी 50 प्रतिशत नहीं। गणित की दृष्टि से देखें तो 140 करोड़ की जनसंख्या वाले देश में सिर्फ 20-25 करोड़ लोगों के समर्थन वाली सरकार क्या वास्तव में लोकतांत्रिक सरकार है? क्या वह वैध सरकार है? क्या वह बहुमत का प्रतिनिधित्व करती है? आज तक हम ऐसी सरकारों के आधीन ही रहे हैं, इसी के कारण लोकतंत्र में विषमताएं एवं विसंगतियों का बाहुल्य रहा है, लोकतंत्र के नाम पर यह छलावा हमारे साथ होता रहा है। इसके जिम्मेदार जितने राजनीति दल है उतने ही हम भी है। यह एक त्रासदी ही है कि हम वोट महोत्सव को कमतर आंकते रहे हैं। जबकि आज यह बताने और जताने की जरूरत है कि इस भारत के मालिक आप और हम सभी हैं और हम जागे हुए हैं। हम सो नहीं रहे हैं। हम धोखा नहीं खा रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने मतदान प्रतिशत बढ़ाने की अपील करते हुए यह सही कहा कि अधिक से अधिक मतदान का मतलब एक मजबूत लोकतंत्र है और मजबूत लोकतंत्र से ही विकसित भारत बनेगा, लेकिन अब ऐसी व्यवस्था एवं तकनीक विकसित करने का भी समय आ गया है जिससे अपने गांव-शहर से दूर रहने वाले वहां जाए बगैर मतदान कर सकें। ध्यान रहे कि ऐसे लोगों की संख्या करोड़ों में है। रोजी-रोटी के लिए अपने गांव-शहर से दूर जाकर जीवनयापन करने वाले सब लोगों के लिए यह संभव नहीं कि वे मतदान करने अपने घर-गांव लौट सकें। यदि सेना और अर्धसैनिक बलों के जवानों के साथ-साथ चुनाव ड्यूटी में शामिल लोगों के लिए वोट देने की व्यवस्था हो सकती है तो अन्य लोगों के लिए क्यों नहीं हो सकती? इस बार ऐसी किसी व्यवस्था के निर्माण के लिए निर्वाचन आयोग के साथ सरकार का भी सक्रिय होना समय की मांग है। इसी से हम अधिकतम मतदान के लक्ष्य को हासिल कर सकेंगे।

अधिकतम वोटिंग का वास्तविक उद्देश्य है, जन-जन में लोकतंत्र के प्रति आस्था पैदा करना, हर व्यक्ति की जिम्मेदारी निश्चित करना, वोट देने के लिए प्रेरित करना। एक जनक्रांति के रूप 'भारतीय मतदाता संगठन' इस मुहिम के लिये सक्रिय हुआ है, यह शुभ संकेत है। इस तरह के जन-आन्दोलन के साथ-साथ भारतीय संविधान में अनिवार्य मतदान के लिये कानूनी प्रावधान बनाये जाने की तीव्र अपेक्षा है। बेल्जियम, आस्ट्रेलिया, ग्रीस, बोलिनिया और इटली जैसे देशों की भांति हमारे कानून में भी मतदान न करने वालों के लिये मामूली जुर्माना निश्चित होना चाहिए। यदि भारत में मतदान अनिवार्य हो जाए तो चुनावी भ्रष्टाचार बहुत घट जाएगा। यह भी देखा गया है कि चुनावों में येन-केन-प्रकारेण जीतने के लिये ये ही राजनीतिक दल और उम्मीदवार मतदान को बाधित भी करते हैं और उससे भी मतदान का प्रतिशत घटता है। अधिकतम मतदान से इस तरह के भ्रष्टाचार से मुक्ति मिलेगी, लोगों में जागरूकता बढ़ेगी, वोट-बैंक की राजनीति थोड़ी पतली पड़ेगी। जिस दिन भारत के 90 प्रतिशत से अधिक नागरिक वोट डालने लगेंगे, राजनीतिक जागरूकता इतनी बढ़ जाएगी कि राजनीति को सेवा की बजाय सुखों की सेज मानने वाले किसी तरह का दुस्साहस नहीं कर पायेंगे। राजनीति को सेवा या मिशन के रूप में लेने वाले ही जन-स्वीकार्य होंगे। (लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं)

मोदी की भाजपा में जीत की भूख और हताश विपक्ष! नेहरू युग का सिंगल पार्टी सिस्टम वापस आ रहा?

(चन्द्र प्रकाश पाण्डेय)

राज्यसभा चुनाव के नतीजे इस बात का एक और संकेतक हैं कि बीजेपी के भीतर किस तरह जीत की भूख है। वह किस तरह जीत के लिए लड़ती है। और इसमें पार्टी को कांग्रेस की गलतियों से मदद मिल रही है। यूपी और हिमाचल प्रदेश में राज्यसभा चुनाव में बीजेपी की अप्रत्याशित कामयाबी इस बात का एक और संकेत है कि बीजेपी में किस हद तक जीत की भूख है। वह कोई कोर कसर नहीं छोड़ना चाहती। हालांकि, कर्नाटक में वह अपना घर नहीं संभाल पाई जहां उसके दो विधायकों ने या तो क्रॉसवोटिंग किया या फिर वोटिंग से नदारद रहा। यूपी और हिमाचल में पार्टी की रणनीनित इतनी तगड़ी थी कि उसे सपा और कांग्रेस के कई विधायकों का समर्थन हासिल हुआ। इस तरह उसकी झोली में राज्यसभा की 2 अतिरिक्त सीटें भी आ गईं। यूपी के नतीजे से कोई सियासी भूचाल तो नहीं आया लेकिन हिमाचल में राज्यसभा चुनाव के बाद निकट भविष्य में कांग्रेस सरकार के गिरने का खतरा पैदा हो गया है।

तीन सवाल – पहला, भाजपा को अपनी पहले से मजबूत स्थिति को और भी मजबूत बनाने के प्रयास को देखते हुए भी विपक्ष एकजुट क्यों नहीं हो पा रहा है? दूसरा, क्या विपक्ष में महत्वाकांक्षा की कमी है जो मोदी की अति महत्वाकांक्षा का मुकाबला कर सके? और तीसरा, क्या केंद्र में भाजपा का बढ़ता वर्चस्व और उन राज्यों में उसकी सेंध जहां वह पहले कमजोर थी, हमें एक-दलीय राज्य की ओर ले जा रहा है? आखिरी सवाल का जवाब सबसे पहले। भारत 1947 से 1964 तक काफी हद तक एक-व्यक्ति, एक-दलीय राज्य था, जब नेहरू की कांग्रेस का शासन था। उन्होंने केंद्र और राज्यों दोनों में पार्टी और सरकार दोनों पर अपना वर्चस्व स्थापित किया था। भाजपा उस स्तर के वर्चस्व के आसपास भी नहीं है, लेकिन वह गैर-संघ परिवार के तत्वों को अपने दायरे में शामिल करके वहां पहुंचने की उम्मीद कर रही है, जबकि साथ ही दक्षिण जैसे अब तक कमजोर क्षेत्रों में विस्तार करने की कोशिश कर रही है।

नेहरू से मोदी तक – नेहरू और मोदी युग में कॉमन क्या है? दोनों का जनता से सीधा जुड़ाव रहा है, जिससे उनकी पार्टियों को वोट जुटाने में आसानी हुई। नेहरू ने सभी तरह के विचारों को समायोजित करने के लिए एक व्यापक मंच बनाया था। ठीक उसी तरह बीजेपी गैर-संघ परिवार के नेताओं को शामिल करके ऐसा करने का प्रयास कर रही है। क्या भारत एक-दलीय व्यवस्था की ओर बढ़ रहा है? इसका सीधा जवाब यह है कि यह इस बात पर निर्भर करता है कि 2024-29 के बीच बीजेपी राष्ट्रीय स्तर पर मोदी जैसा दूसरा नेता बनाने में सफल होती है या नहीं, और क्षेत्रीय विपक्ष की ताकत पर भी निर्भर करता है। बीजेपी उन राज्यों में विस्तार करने की उम्मीद कर रही है जहां कुछ क्षेत्रीय दल कमजोर हो रहे हैं (उदाहरण के लिए, तमिलनाडु में अन्नाद्रमुक ,बंगाल और त्रिपुरा में सीपीएम)। लेकिन जब तक क्षेत्रीय दल आपस में विकल्प प्रदान करते रहेंगे, तब तक बीजेपी राज्य की राजनीति पर उसी तरह हावी नहीं हो पाएगी, जैसा कि वह अभी दिल्ली में कर रही है। इसलिए, यह कहना मुश्किल है कि क्या हम एक-दलीय व्यवस्था की ओर बढ़ रहे हैं।

विपक्ष की कमजोरी – असली सवाल यह है कि यदि बीजेपी इस मई में बड़ी जीत हासिल करती है तो विपक्ष अब से लेकर मोदी के कार्यकाल समाप्त होने तक (2029 के बाद कभी) के बीच क्या करता है? विपक्ष अपने कुछ क्षेत्रीय गढ़ों से आगे अपना आधार क्यों नहीं बढ़ा पा रहा है, जिनमें से कुछ अब कमजोर भी दिख रहे हैं? विपक्ष की अगर कोई सबसे कमजोर कड़ी है तो वह है कांग्रेस जो उन राज्यों में भी प्रभावी जवाब देने में सक्षम नहीं रही है, जहां केवल दो राष्ट्रीय पार्टियां चुनाव लड़ रही हैं।

छाप छोड़ने में नाकाम विपक्ष – मोदी-विरोधी गठबंधन की मुश्किल बढ़ाने वाला एक और फैक्टर है विपक्ष के पास कोई राजनीतिक संदेश ही नहीं है। मतदाता को पता है कि भानुमति का पिटारा वाला गठबंधन टिकने से रहा तो आखिर उसे अगर वोट दें तो उसका कोई कारण तो होना चाहिए। विपक्षी गठबंधन वोटरों को ऐसा कोई भी स्पष्ट संदेश देने में नाकाम रहा है कि अगर वे जीत भी जाते हैं तो कैसे काम करेंगे? यही नहीं, वोटर के पास इसके लिए पुख्ता कारण भी होना चाहिए कि वह उसे क्यों छोड़े जो पहले ही उसके हाथ में है यानी मोदी की गारंटी। सिर्फ ये हल्ला करना कि मोदी तानाशाह हैं और फासीवादी हैं, आपको वोट नहीं दिला सकता। मोदी अगर काम करके दिखा रहे हैं तो वोटर पर विपक्ष के ऐसे हमलों का शायद ही कोई असर हो।

राहुल की यात्रा ने जबसे कदम आगे बढ़ाये हैं तबसे उनकी पार्टी पीछे जा रही है

(डॉ. आशीष वशिष्ठ)

उत्तर प्रदेश में गांधी परिवार के गढ़ रहे अमेठी में 'वापस जाओ' नारे के साथ राहुल गांधी का स्वागत हुआ, यूपी में उनकी यात्रा में भीड़ नहीं जुटी सो अलग। ऊपर से राहुल गांधी के एक के बाद एक विवादित बयानों के कारण कॉन्ग्रेस को लेकर नकारात्मक माहौल ही बना।

राहुल गांधी इन दिनों भारत जोड़ो न्याय यात्रा पर हैं। बीती 4 जनवरी से पूर्वोत्तर के मणिपुर से शुरू हुई ये यात्रा महाराष्ट्र में जाकर खत्म होगी। यात्रा को लेकर राहुल गांधी और कांग्रेस में भले ही उत्साह हो, लेकिन आम जनमानस में यात्रा को लेकर कोई उत्साह नहीं है। राहुल गांधी ने अपनी यात्रा के उद्देश्य को लेकर घोषणा कुछ भी की हो, लेकिन निश्चित तौर पर इस यात्रा का मकसद उन्हें राजनीतिक तौर पर स्थापित करना है। जहां तक नफरत का माहौल दूर करने की बात है, तो कांग्रेस या किसी भी राजनीतिक दल का परम उद्देश्य यही होना चाहिए। ये देश का मूल मुद्दा है, स्वस्थ समाज के लिए ये जरूरी है कि उसमें किसी भी तरह की नफरत, वैमनस्य, छुआछूत या घृणा ना हो। लेकिन राहुल गांधी यात्रा के दौरान ऐसी बयानबाजी कर देते हैं जो उनकी मोहब्बत की दुकान की नीति और नीयत को संदेह के कटघरे में खड़ा कर देता है।

जहां तक इस यात्रा के जरिए विपक्ष को जोड़ने का सवाल है तो कांग्रेस पार्टी या राहुल गांधी अभी तक इस यात्रा के जरिए विपक्ष को एकजुट करने में बहुत कामयाब नहीं हुए हैं। राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा के साथ-साथ कांग्रेस से बाहर निकलने वालों की बाढ़ आ गई है, खासकर दूसरी पीढ़ी के नेताओं की। 14 जनवरी को, जिस दिन यात्रा इंफाल से शुरू हुई, पूर्व करीबी सहयोगी मिलिंद देवड़ा शिवसेना एकनाथ शिंदे गुट में चले गए। 25 जनवरी को यात्रा के असम से रवाना होने के बाद समर्थन बढ़ने की बजाय, दो महिला नेता- असम में अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की महासचिव बिस्मिता गोगोई और राज्य युवा कांग्रेस की पूर्व प्रमुख अंगकिता दत्ता भाजपा में चली गईं। गोगोई पूर्व विधानसभा अध्यक्ष जिबकांत गोगोई की बहू हैं और दत्ता असम कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अंजन दत्ता की बेटी हैं। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण भी भाजपा में षामिल हो चुके हैं। महाराष्ट्र में अशोक चव्हाण के कांग्रेस छोड़ने को बड़े झटके के तौर पर देखा जा रहा है। दो बार खुद लोकसभा चुनाव जीतकर सांसद बन चुके अशोक चव्हाण को राज्य के मराठवाडा क्षेत्र का बड़ा नेता माना जाता था। वहीं असम में कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष राजा गोस्वामी ने भी बीते दिनों पार्टी को अलविदा कह दिया है।

कांग्रेस के सामने पार्टी से छिटक रहे नेताओं को रोकने के अलावा इंडिया गठबंधन से अलग हो रहे राजनीतिक दलों को रोकने की भी चुनौती है। दरअसल लोकसभा चुनाव से पहले विपक्षी दलों के इंडी अलायंस गठबंधन को सबसे बड़ा झटका नीतीश कुमार ने दिया है। जेडीयू ने बिहार में विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के टूटने के लिए कांग्रेस की हठ और अहंकार को जिम्मेदार ठहराया। जेडीयू ने कहा कि कांग्रेस नेता अपनी पार्टी को मजबूत करने में लगे थे, विपक्षी गठबंधन को नहीं। पश्चिम बंगाल में राहुल गांधी के पहुंचते ही तृणमूल कांग्रेस से गठबंधन टूट गया। बिहार में महागठबंधन की एक बड़ी रैली प्रस्तावित थी, लेकिन यहां राहुल गांधी के पहुंचने से पहले ही नीतीश कुमार की जदयू ने पाला बदल लिया और भाजपा के साथ मिल कर सरकार बना ली। राजद विपक्ष में आ गई।

उत्तर प्रदेश में गांधी परिवार के गढ़ रहे अमेठी में 'वापस जाओ' नारे के साथ राहुल गांधी का स्वागत हुआ, यूपी में उनकी यात्रा में भीड़ नहीं जुटी सो अलग। ऊपर से राहुल गांधी के एक के बाद एक विवादित बयानों के कारण कॉन्ग्रेस को लेकर नकारात्मक माहौल ही बना। उन्होंने अभिनेत्री ऐश्वर्या राय को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी कर दी। साथ ही काशी के युवकों को शराबी व नशेड़ी बता दिया। वहीं पश्चिमी उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय लोकदल के मुखिया जयंत चौधरी की नजदीकी एनडीए से बढ़ गई है। बीते कई दिनों से उनके बीजेपी के साथ जाने की अटकलें थीं। चौधरी चरण सिंह को केंद्र सरकार की ओर से भारत रत्न की घोषणा के बाद से ये तय माना जा रहा था कि जयंत चौधरी इंडिया गठबंधन का साथ छोड़ देंगे और एनडीए के साथ चले जाएंगे। जयंत चौधरी आने वाले लोकसभा चुनाव में बीजेपी के साथ खड़े दिखाई देंगे। चुनाव से पहले पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इंडिया गठबंधन को बड़ा झटका देते हुए अकेले चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। आम आदमी पार्टी और समाजवादी पार्टी के सामने कांग्रेस ने घुटने टेककर किसी तरह गठबंधन किया। ऐसे में न्याय यात्रा आगे पाट, पीछे सपाट की उक्ति को चरितार्थ कर रही है।

इसमें कोई दो राय नहीं है कि 2019 के बाद से भले ही कांग्रेस लगातार कमजोर होती जा रही थी, लेकिन पिछले साल मई में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली बीजेपी को कर्नाटक में हराकर उसने वापसी की उम्मीद जगाई थी। बीजेपी का विरोध करने वाली पार्टियां, भले ही वो कांग्रेस के मजबूत होने से सहमत नहीं थीं, लेकिन उन्होंने इस मौके का फायदा उठाते हुए कांग्रेस के साथ मिलकर चुनाव लड़ने का फैसला किया। इसी से इंडी अलायंसा बना। लेकिन कांग्रेस को लगा कि अगर वो छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश जीत लेती है तो उसे और भी फायदा होगा। राजस्थान में हार के बावजूद भी अच्छी स्थिति रहने से कांग्रेस वापस आ गई का नारा और मजबूत होता और इसका इस्तेमाल सहयोगी दलों पर दबाव बनाने और अपनी कमजोरियों को दूर करने में मदद मिलती। लेकिन ये सोच गलत साबित हुई और कांग्रेस को एक सुनहरा मौका हाथ से निकल गया। राहुल गांधी ने कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष पद से 2019 में इस्तीफा दिया था। जबकि उनकी पार्टी को 543 सदस्यीय लोकसभा में महज 52 सीटें हासिल हुई थीं, जबकि बीजेपी को 303 सीटों पर जीत मिली थी।

पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी के साथ सीटों के बंटवारे पर सहमति नहीं बन पाई है। महाराष्ट्र में भी कांग्रेस, शिवसेना और एनसीपी के बीच सीटों के बंटवारे पर गतिरोध नजर आ रहा। इंडिया गठबंधन में शामिल सीपीआई-एम ने केरल की चार सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। सीपीआई ने पार्टी महासचिव डी राजा की पत्नी और वरिष्ठ सीपीआई नेता एनी राजा को वायनाड निर्वाचन क्षेत्र से मैदान में उतारा गया है। वर्तमान में राहुल गांधी वायनाड से सांसद हैं। हालांकि, इंडिया गठबंधन की तरफ से अभी केरल में सीटों की शेयरिंग को लेकर अभी कोई समझौता सामने नहीं आया है। यही वजह है कि यूपी में समाजवादी पार्टी और दिल्ली, हरियाणा, गुजरात में आम आदमी पार्टी के साथ गठबंधन करने के बावजूद, कांग्रेस आलाकमान की चुनौतियां कम होती नजर नहीं आ रहीं।

भाजपा लोकसभा चुनाव के रण में उतरने को पूरी तरह से तैयार है। भाजपा ने इस बार 400 से ज्यादा का लक्ष्य रखा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं का जोश उच्च स्तर पर है। वास्तव में, बड़ी चुनौती लीडरशिप को लेकर ही है। यह भाजपा के अभियान से बनी छवि की लड़ाई भर नहीं है। क्या राहुल गांधी स्वयं को सक्षम नेता के तौर पर साबित कर पाएंगे? क्या वे स्वयं को नए सिरे से तैयार कर पाएंगे? अभी ये नहीं कहा जा सकता है कि भारत जोड़ो न्याय यात्रा से राहुल गांधी या कांग्रेस को राजनीतिक रूप से कितना फायदा होगा। लेकिन यदि कांग्रेस अब अपने दम पर सौ लोकसभा सीट जीतने की स्थिति में भी पहुंच जाती है तो वो निश्चित रूप से विपक्ष का बड़ा चेहरा होंगे। फिलहाल यात्रा को लेकर जो खबरें आ रही हैं कि गठबंधन का बिखरता कुनबा और लोकसभा चुनाव की तैयारियों के मद्देनजर यात्रा को तय समय से पहले ही समेटने की तैयारी शुरू कर दी गई है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं)

घर में लगाएं ये पौधे नहीं होंगे मच्छर

अक्सर घर को डेकोर करने के लिए कई तरह के पौधे लगाएं जाते हैं लेकिन कई बार इसलिए भी नहीं लगाते हैं क्योंकि मच्छर होने लगते हैं। हालांकि घर में पौधे लगाने से ताजगी बनी रहती है। फ्रेश ऑक्सीजन का प्रभाव घर में होता है। घर में भी सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह होता है। लेकिन सिर्फ मच्छर की वजह से घर में पौधे नहीं लगाना उचित नहीं है। तो आइए जानते हैं कि आप घर में किस तरह के पौधे लगा सकते हैं जिससे मच्छर नहीं होंगे-

- **नीम**- इसमें मौजूद एंटीबैक्टीरियल और एंटीफंगल गुणों से विभिन्न प्रकार के कीड़ें भाग जाते हैं। इसलिए आप इसे लगा सकते हैं। घर पर इसे लगाते हैं तो कई सारे फायदे भी आपको मिलते रहेंगे।
- **मिंट**- मिंट की खूशबू ही बहुत अच्छी होती है। इसमें मौजूद गुण मच्छरों और मक्खियों को दूर भगाते हैं। इस पौधे को आप घर में कहीं भी लगा सकते हैं। इसकी खूशबू से ताजगी बनी रहती है।
- **यूक्लेप्टस**- इसमें मौजूद तत्व कई मच्छर, मक्खी और कीड़ों के दुश्मन है। इसलिए आप यह पेड़ आसानी से लगा सकती है।
- **लेमन ग्रास**- इस पौधे में मौजूद गुण सिस्ट्रोनेला ग्रास की नस्ल की तरह है। इससे यह पौधा मच्छर भगाने में मदद करता है। साथ ही इसका उपयोग खाने में और चाय बनाने में भी किया जाता है। जी हां, इसकी चाय पीना काफी पसंद करते हैं।
- **तुलसी**- तुलसी का पौधा आंगन में लगाया जाता है। यह घर की समृद्धि में अहम है तो मनुष्य के स्वास्थ्य में लाभदायक। इसमें मौजूद प्राकृतिक गुण मच्छरों को दूर भगाता है। इतना ही नहीं इसकी खूशबू से चींटिया और छोटे-मोटे कीड़ें भी आसपास नहीं आते हैं।

नए रिश्ते की शुरूआत में गलतफहमियों से बचें

जब एक जोड़ा शादी के बंधन में बंधता है तो उसके मन में एक अजीब सा उत्साह होता है। अपने नए रिश्ते और जीवन में आए बदलाव को लेकर बहुत सी खुशियां व सपने उसकी आंखों में होते हैं। इतना ही नहीं, अपने पार्टनर को लेकर एक छवि पहले से ही उनके मन में होती है। लेकिन कभी-कभी ऐसा होता है कि इसी अति उत्साह के चलते वह कुछ ऐसी गलतियां कर बैठते हैं, जिससे उनके रिश्ते पर विपरीत प्रभाव पड़ता है।

कभी-कभी तो यही गलतियां उनके रिश्ते की शुरूआत में ही उनके बीच समस्या पैदा कर देती हैं। जिसकी भरपाई बाद में भी कर पाना बेहद मुश्किल हो जाता है। अगर नए रिश्ते की शुरूआत में ही गलतफहमियां या खटास आ जाए तो ऐसे में ताउम्र उनके बीच खींच-तान बनी रहती है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसी ही मिसटेक्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें किसी भी कपल को शादी के बाद शुरूआती दिनों में करने से बचना चाहिए-

परफेक्शन की चाहत रखना

हो सकता है कि आपको हर काम सलीके से करने की आदत हो या फिर आप एक आर्गेनाइज्ड जीवन जीना पसंद करते हों। लेकिन आपके पार्टनर का भी स्वभाव ऐसा ही हो, यह जरूरी नहीं है। आपको यह समझना होगा कि आपके और आपके पार्टनर दोनों अलग माहौल में पले-बढ़े हैं और दोनों का स्वभाव अलग है। इसलिए, शादी के तुरंत बाद ही अपने पार्टनर से परफेक्शन की चाहत रखना या फिर उसे अपने ही सांचे में ढालने का प्रयास करना आपके बीच तनाव पैदा कर सकता है। बेहतर होगा कि आप दोनों ही पहले एक-दूसरे के स्वभाव, आदतों व रहन-सहन को समझें और फिर उसके बाद तालमेल बिठाने का प्रयास करें।

जरूरत से ज्यादा उम्मीदें करना

यह भी एक ऐसी मिसटेक है, जो शादी के बाद कपल्स में देखी जाती है। दरअसल, कपल्स की शादी के बाद अपने पार्टनर से उम्मीदें काफी हद तक बढ़ जाती हैं। वह सोचते हैं कि पार्टनर हर दिन उन्हें बाहर लेकर जाएगा या फिर वह ढेर सारा वक्त साथ बिताएंगे या फिर उनका पार्टनर उन्हें तरह-तरह के तोहफे देगा। हालांकि, किसी भी व्यक्ति के लिए हर दिन ऐसा करना संभव नहीं होता है, जिससे समस्या होती है। वहीं, अगर कोई व्यक्ति अपने पार्टनर के लिए ऐसा करता भी है, तो भी बाद में उनके रिश्ते में खटास आ जाती है। दरअसल, एक समय के बाद व्यक्ति अपने रोजमर्रा की लाइफ जीने लगता है और फिर पार्टनर को उतना पैम्पर नहीं कर पाता है, जिससे उनके बीच झगड़े बढ़ते हैं। इसलिए बेहतर होगा कि शादी के शुरूआती दिनों में ही आप अपनी फाइनेंशियल कंडीशन से लेकर काम की व्यस्तताओं और स्वभाव के बारे में अपने पार्टनर से चर्चा करें।

परिवार के बीच बैलेंस ना कर पाना

अक्सर यह देखने में आता है कि व्यक्ति शादी के बाद भी पहले की तरह ही अपना जीवन बिताने की कोशिश करता है, जिससे उसके पार्टनर को उपेक्षित महसूस होता है और संबंधों में खटास महसूस होती है। यहां आपको यह समझना चाहिए कि एक सिंगल व्यक्ति के रूप में और कपल के रूप में आपकी प्राथमिकताएं अलग होती है। आपको शादी के बाद अपने परिवार व पार्टनर के बीच बैलेंस करना बेहद आवश्यक है। इस समय आपकी पहली प्राथमिकता आपका जीवनसाथी और नया जीवन है जिसे आपको अभी संवारना है। हालांकि, यहां इसका अर्थ यह कतई नहीं है कि आप अपने परिवार को बिल्कुल अनेदखा कर दें। बस आपको अपने पार्टनर को कुछ वक्त अलग से देने की आवश्यकता होगी, जो सिर्फ आप दोनों के लिए ही हो।

पुरानी मैगजीन की मदद से किचन की सजावट के लिए बनाएं ये चीजें

आजकल लोग अपने घर में ओपन किचन थीम रखना पसंद करते है। इससे आपके हॉल में बैठा गेस्ट आपके किचन को देख सकता है। अगर आप भी अपने किचन की सजावट करना चाहती हैं तो आपको हम बताएंगे कि आप कैसे पुरानी मैगजीन की सहायता से अपने किचन की खूबसूरती को बढ़ा सकती हैं।

वॉल डेकोर

कीचन की सजावट करने के लिए आपको सबसे पहले किचन के वॉल को सजाना होगा। अगर आपका वॉल डेकोर नहीं होगा तो यह आपके घर के लुक को फीका कर सकता है। ऐसे में आपको पुराने कार्ड बोर्ड की जरूरत होगी और ग्लू की भी। आपको मैगजीन से तीन स्क्वायर शेप का पेपर कट करना होगा। इसे पुराने कार्ड बोर्ड पर चिपका देना है। अब आप इसे अपने कीचन के वॉलपेपर हैंग कर सकते हैं। इससे आपके कीचन का वॉल खराब भी नहीं होगा और यह देखने में खूबसूरत भी लगेगा।

वॉल पर करें पेंटिंग

अगर आपको पेंटिंग करने का शोक है तो आपको अपने घर के वॉल पर पेंटिंग करना चाहिए। जी हां, आप वाटर कलर की मदद से अपने कीचन के दीवार पर कुछ खास पीने का चित्र तैयार कर सकती हैं। यह देखने में काफी ज्यादा खूबसूरत लगता है। वाटर कलर की मदद से आपको कुछ फल या सब्जी का फोटो बना दे। इसके बाद आपको मिरर फेम तैयार करना चाहिए। इसके

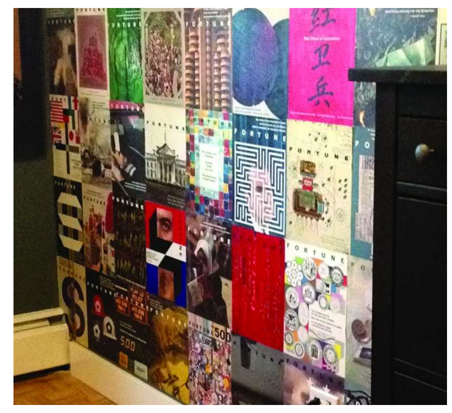

लिए आपको पुराना फेम लेना है और उसमें मैगजीन को काटकर फोटो की तरह लगा देना है। साइज का ध्यान जरूर रखें। इसके बाद आपका वॉल बनकर तैयार हो गया है।

वॉल डेकोर के लिए फूल बनाएं

अगर आपको एक्स्ट्रा एक्टिविटी करना है तो आपको अपने वॉल डेकोर के लिए दीवार पर फूल बनाना होगा। यह देखने में खूबसूरत लगता है और इसे आप चाहे तो पुरानी मैगजीन की मदद से बना सकती है। इसे बनाना काफी आसान है। इसके लिए आपको कुछ मैगजीन के पन्ने को काटना होगा। फिर इसकी मदद से आपको फूल बनाना होगा। इसे अलग- अलग जगह आप ग्लू की मदद से चिपका सकती हैं। यह देखने में काफी ज्यादा खूबसूरत लगता है।

दूसरों से बात करने में होती है हिचकिचाहट तो अपनाएं ये टिप्स

आज के दौर में बहुत ज्यादा हिचकिचाहट निजी लाइफ और करियर के लिए गंभीर समस्या है, जब हम किसी से भी बातचीत करते हैं और बोलते समय हिचकिचाते हैं, तो हमारी इमेज खराब होने का डर रहता है और हम अपना आत्मविश्वास खो देते हैं। साथ ही, सबसे पहले हमें समझना होगा कि हिचकिचाहट क्या होती है? जब हम किसी से बात करते हैं और उनके सवालों का जवाब जानते हुए भी जवाब नहीं दे पाते हैं या गलत जवाब के डर से चुपचाप रहते हैं तो उसे हिचकिचाहट कहते हैं। ये समस्या कई लोगों में होती है, जिसका नतीजा होता है कि हमारे हक की चीजें किसी दूसरे को मिल जाती हैं और हम सोच-सोचकर परेशान होते रहते हैं कि क्या करना चाहिए। अगर आपको भी दूसरों से बोलने में हिचकिचाहट होती है तो घबराएं नहीं, हम आपके के लिए इस आर्टिकल कुछ ऐसे टिप्स लाएं है, जिसको फॉलो कर आप अपनी समस्या को दूर कर पाएंगे।

खुद पर करें विश्वास

हिचकिचाहट को दूर करने के लिए सबसे जरूरी है कि खुद पर विश्वास करना। अगर आपको किसी से बात करने की जरूरत है तो आपको यह नहीं सोचना चाहिए कि आप कैसे बात करेंगा? जवाब में क्या आएगा और वो आपके बारे में क्या सोचेंगे? आपको अपने आप पर विश्वास रखना चाहिए और डर पर काबू पाकर खुद को भरोसा दिलाएं कि आप अपनी बात दूसरों के सामने अच्छी तरीके से रख पाएंगे, जिससे आपका आत्मविश्वास बना रहेगा।

जानकारी प्राप्त करें

जब हम किसी से बात करते हैं तो हिचकिचाहट सबसे ज्यादा उस समय पैदा होती है, जब बातचीत के दौरान हमारे पास उस विषय के बारे में जानकारी की कमी होती है। इसलिए अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए ज्यादा से ज्यादा किताबें पढ़नी चाहिए। याद रखें कि जिस भी विषय पर आप बात करने वाले हैं, उस पर ज्यादा से ज्यादा जानकारी जुटा लें, जिससे आपको अपनी बात रखने में हिचकिचाहट नहीं होगी।

हमेशा प्रैक्टिस करें

हर काम को सही तरीके करने के लिए प्रैक्टिस बहुत जरूरी होती है, जिससे आपका हुनर निखरता है। इसी तरह हिचकिचाहट को दूर करने के लिए बोलने की प्रैक्टिस करना बहुत जरूरी है, लेकिन सवाल उठता है कि इस भागदौड़ वाली जिंदगी में किस के साथ बातचीत करें? तो आप शीशे के सामने खड़े होकर सोचें की शीशे के सामने कोई खड़ा है और ज्यादा से ज्यादा रोज बोलने की प्रैक्टिस कर सकते हैं। जिससे आपको कुछ दिनों में महसूस होगा कि आप अपनी बात दूसरे के सामने आसानी से रख पा रहे हैं।

चेहरे पर मुस्कान रखें

चेहरे पर मुस्कान रखना जीवन शैली में जरूरी है, क्योंकि इसका असर हमारी बातचीत पर पड़ता है। अगर आप किसी से बातचीत कर रहे हैं तो चेहरे पर मुस्कान रखें। जिससे आप बिना हिचकिचाहट के आसानी से बात कंप्लीट कर लेंगे। चेहरे पर मुस्कान से मानसिक तनाव कम होने के साथ-साथ आपके अंदर बोलने का आत्मविश्वास बढ़ता है।

पॉजिटिव सोच

पॉजिटिव सोचना जीवन में बहुत जरूरी होता है, क्योंकि पॉजिटिव सोचने से आत्मविश्वास बढ़ता है, यही कारण है कि आप धीरे-धीरे खुद बात करने में माहिर होने लगते हैं। अगर आप पॉजिटिव सोच रखते है तो आपको नर्वस फील नहीं होगा और बिना हिचकिचाहट के दूसरे के आसानी के बात रख सकते हैं। और आप खुद में बदलाव देखेंगे कि किसी सोशल मौके पर आपको घबराहट नहीं हो रही है। अगर आपको बोलते समय हिचकिचाहट होती है तो ये टिप्स को फॉलो करने की कोशिश करें और अगर फिर भी समस्या होती है तो किसी एक्सपर्ट से बात जरूर करें।

फेमस होने के लिए लड़ते हैं गुस्सैल बच्चे

एक हालिया अध्ययन से पता चला है कि बच्चे समूह में अपनी स्थिति को मजबूत करने और अपनी लोकप्रियता बढ़ाने के लिए सहपाठियों के साथ अक्सर लड़ाई-झगड़े करते हैं। इस अध्ययन के निष्कर्ष में प्रकाशित हुए हैं।

शोधकर्ताओं ने बताया कि अध्ययन के निष्कर्षों से पता चला है कि छात्रों की आक्रामकता और उनकी लोकप्रियता में वृद्धि के एक साथ जुड़े थे। विशेष रूप से उन बच्चों के लिए जिनकी साथियों के साथ लगातार असहमति की सूचना थी। एफएयू के चार्ल्स ई.शिमट कॉलेज में मनोविज्ञान के वरिष्ठ लेखक और प्रोफेसर ब्रेट लॉरसन ने कहा, हालांकि हमें लगता है कि यह संभावना नहीं है कि केवल विवाद ही लोकप्रियता का आधार है। इसके पीछे और भी कारण होते हैं,लेकिन विवाद के पीछे लोकप्रिय होने की सोच भी काफी मायने रखती है। उन्होंने कहा, आक्रामक बच्चे जो अक्सर लड़ते हैं, उन्हें हमेशा जबरदस्ती सहारा लेने की आवश्यकता नहीं होती है। उनका केवल अप्रिय व्यवहार की संभावना दूसरे छात्रों को उनकी बात मानने पर मजबूर कर देता है। यह अध्ययन फ्लोरिडा के आठ से 12 वर्ष की आयु वाले प्रतिभागियों के बीच किया गया, जो एक प्राथमिक विद्यालय में भाग ले रहे थे। शोधकर्ताओं ने कहा, गुस्सैल बच्चों के लिए उनका व्यवहार समूहों में काफी प्रभावकारी होता है। ऐसे बच्चों की बात को मना करने के लिए अन्य बच्चे जोखिम नहीं उठाना चाहते क्योंकि उन्हें बुरे परिणाम की संभावना होती है। शोधकर्ताओं ने इस बात पर जोर दिया कि यह एक प्रभावी उपकरण हो सकता है, जो विशिष्ट विशेषताओं को बढ़ाता है। ब्रेट ने कहा, हम यह दावा नहीं करते हैं कि इस तरह से इस्तेमाल की गई रणनीति हमेशा भलाई के लिए एक स्वस्थ मार्ग प्रस्तुत करते हैं। बल्कि संघर्ष के परिणाम संदर्भ, उद्देश्यों और इसे प्रबंधित करने के तरीकों पर निर्भर करते हैं। हम दावा करते हैं कि असहमति एक कुशल सामाजिक रणनीति हो सकती है, जो प्रभुत्व में जबरदस्ती के निहित खतरे का लाभ उठाती है।

दिख रही आगे निकलने की चाहत?

परंपरागत माहौल में पली-बढ़ी स्त्री अपने दर्शन में स्पष्ट होती है कि उसका जीवन सिर्फ पर-सेवा और सबकी आंखों को भली लगने के लिए हुआ है। छोटी बच्चियां घर-घर, रसोई-रसोई, पार्लर-पार्लर खेलकर इसी सूत्र को अपनी जिंदगी का हिस्सा बना लेने की ट्रेनिंग लेते देखी जा सकती हैं। ठीक उसी समय जब उसकी उम्र के लड़के गन या पिस्तौल से मर्दानगी के पाठ पढ़ रहे होते हैं या कारों की रेस या बेमतलब की कूद-फांद, लड़ाई-झगड़े के खेल, खेल रहे होते हैं। इसे देखकर क्या कोई कह सकता है कि यही है गहरे संतुलित समाज की नींव? इस पर हमारा जवाब होगा, बिल्कुल नहीं। आपने कॉलेज की बच्चियों को भी कभी कभी अपने बुजुर्गों से डांट खाते देखा होगा। कारण है कि ज्यादातर निम्न या मध्य वर्गीय परिवारों से आई हुई ये छात्राएं अपने लिए बेहद असुविधाजनक पहनावे को चुनने में पीछे नहीं हटती। गर्मी व उमस में सिंथेटिक कपड़े, बेहद ऊंची हील के सैंडल बार-बार फिसलते दुपट्टे में जड़ी तरह-तरह की लटकनें आदी। रास्तों में बाजारों में काम की जगहों में चमकीले तंग कपड़ों में फंसी, पल्ला और उसकी जगह-जगह उलझती लटकनें संभालती रंगी-पुती स्त्रियां, अपने आप संभलकर चल पाने में असमर्थ पति की बांह का सहारा लिए कभी-कभी लुढ़कने को होती स्त्रियां। अजीब-अजीब प्लेटफार्म वाले सैंडलों की हीक को मेट्रो और उसके प्लेटफार्म की दरार से निकाल कर हड़बड़ाती स्त्रियां। भले ही आज यह सभी की मजबूरी बन गया हो, लेकिन इतना तो साफ है कि समय बदल गया है और कल जो हाथ चूड़ियां पहनते थे वे अब लेपटॉप संथाले हुए हैं। मतलब साफ है कि अब दिख रही है आगे निकलने की चाहत!

संक्षिप्त समाचार

87 रुपये का शेयर 250 रुपये पर पहुंचा

नई दिल्ली, एजेंसी। ओवैस मेटल की शेयर बाजार में तगड़ी शुरुआत हुई है। ओवैस मेटल के शेयर 187 पर्सेंट से ज्यादा के फायदे के साथ 250 रुपये पर बाजार में लिस्ट हुए हैं। लिस्टिंग के साथ ही कंपनी के शेयरों ने निवेशकों को मालामाल कर दिया है, उनका पैसा दोगुना से ज्यादा बढ़ गया है। आईपीओ में कंपनी के शेयर 87 रुपये पर निवेशकों को अलॉट हुए थे। ओवैस मेटल का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए 26 फरवरी 2024 को खुला था और यह 28 फरवरी तक ओपन रहा। जबरदस्त फायदे वाली लिस्टिंग के बाद ओवैस मेटल के शेयरों में तूफानी तेजी आई है। लिस्टिंग के बाद कंपनी के शेयर 4 पर्सेंट की तेजी के साथ 262.50 रुपये पर पहुंच गए हैं। ओवैस मेटल के शेयर 241 रुपये के लो लेवल तक भी पहुंचे हैं। कंपनी के शेयर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के स्म्ब्ध प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हुए हैं। कंपनी के आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स 1 लॉट के लिए बोली लगा सकते थे। आईपीओ की एक लॉट में 1600 शेयर थे। यानी, रिटेल इनवेस्टर्स को 139200 रुपये का इनवेस्टमेंट करना पड़ा है। ओवैस मेटल एंड मिनरल प्रोसेसिंग लिमिटेड की शुरुआत 2022 में हुई थी। कंपनी, मेटल्स और मिनरल्स के प्रॉडक्शन और प्रोसेसिंग के बिजनेस में है। ओवैस मेटल का आईपीओ टोटल 221.18 गुना सब्सक्राइब हुआ है। कंपनी के आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स का कोटा 248.50 गुना सब्सक्राइब हुआ है। वहीं, नॉन-इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स कैटेगरी में 329.36 गुना दांव लगा है। जबकि क्वॉलीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स का कोटा 92.06 गुना सब्सक्राइब हुआ है। कंपनी के पब्लिक इश्यू का टोटल साइज 42.69 करोड़ रुपये का था। आईपीओ से पहले कंपनी में प्रमोटर्स की हिस्सेदारी 100 पर्सेंट थी, जो कि अब 73.01 पर्सेंट रह गई है।

टाटा के शेयर ने 15 दिन में ही दिया 60 प्रतिशत का रिटर्न

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा ग्रुप का स्टॉक टाटा इन्वेस्टमेंट पिछले 15 दिन से उड़ान भर रहा है। इस अवधि में इसने 60 पर्सेंट से अधिक का रिटर्न दिया है। आज स्टॉक में 5 फीसद का अपर सर्किट लगा है और यह 52 हफ्ते के हाई 8428.40 रुपये पर पहुंच गया है। आज टाटा इन्वेस्टमेंट के शेयर 8377 रुपये पर खुले और 401.15 रुपये उछलकर 8428.40 रुपये पर पहुंच गए। इसका 52 हफ्ते का लो 1730 रुपये है। इस लो से यह करीब 5 गुना उछल चुका है। पिछले पांच दिन में इसने 18 फीसद से अधिक का रिटर्न दे चुका है। जबकि, पिछले एक महीने में इसने 52 फीसद से अधिक का रिटर्न दिया है। छह महीने में ही इसने 242 फीसद का मल्टीबैगर रिटर्न दिया है। अगर इस साल की बात करें तो इसने करीब दो महीने में अपने निवेशकों के पैसे को लगभग दोगुना कर दिया है। इस अवधि में इसने 97.91 फीसद की उछाल दर्ज की है। यानी हर शेयर पर 4169.70 रुपये का मुनाफा दिया है। अगर किसी ने एक साल पहले टाटा इन्वेस्टमेंट के शेयरों में एक लाख रुपये का इन्वेस्ट किया होगा तो उसका यह पैसा अब 4.15 लाख हो गया है। टाटा इन्वेस्टमेंट के शेयर पिछले 25 साल में 11498 पर्सेंट उछलकर 8428.40 रुपये पर पहुंच गया है। 6 जनवरी 1999 को यह स्टॉक 72.67 रुपये था।

लहसुन हुआ सस्ता तो अब बढ़ गए प्याज के दाम

नई दिल्ली, एजेंसी। लहसुन के बढ़े दाम से लोगों को राहत मिलने के बीच अब प्याज महंगा हो गया है। शुक्रवार के अपेक्षा शनिवार को आजादपुर सब्जी मंडी में प्याज के थोक दाम में 2 से 3 रुपये की बढ़ोतरी हुई है। व्यापारियों का कहना है कि आने वाले दिनों में प्याज के दाम और बढ़ सकते हैं। जानकारी के मुताबिक विदेश व्यापार महानिदेशालय ने एक मार्च को एक अधिसूचना जारी की है। इसमें केंद्र सरकार ने नैशनल कोऑपरेटिव एक्सपोर्ट्स लिमिटेड (एनसीईएल) के माध्यम से बांग्लादेश को 50 हजार टन प्याज के निर्यात की अनुमति दी है। जिसके बाद शनिवार को सब्जी मंडी में अचानक प्याज के दाम बढ़ गए।

आजादपुर मंडी ओनियन ट्रेडर्स असोसिएशन के प्रधान श्रीकांत मिश्रा ने बताया कि केंद्र सरकार ने बांग्लादेश के साथ दुबई में प्याज निर्यात करने का फैसला लिया है। जिसका असर शनिवार को ही सब्जी मंडी में देखने को मिल गया। शुक्रवार को जो प्याज 16 से 24 रुपये प्रति किलो थोक दाम में बिक रहा था वही प्याज शनिवार को 17 से 27 रुपये प्रति किलो के हिसाब से बिका। श्रीकांत के अनुसार आने वाले दिनों में प्याज के दाम में और उछाल आने के संकेत मिल रहे हैं। श्रीकांत मिश्रा ने बताया कि दिल्ली में हर रोज 70 से 80 गाड़ियां प्याज की आती हैं। लेकिन, सरकार द्वारा प्याज एक्सपोर्ट करने के फैसले से मंडी में प्याज के दाम में उछाल आने लगा है।

एक्सपोर्ट का गणित

प्याज कारोबारियों के मुताबिक, दिसंबर 2023 से प्याज के निर्यात पर रोक लगा दी गई थी। जिसके बाद से एक्सपोर्टर परेशान थे। लेकिन 1 मार्च को सरकार के द्वारा एक नोटिफिकेशन जारी किया गया है। इसमें सरकार एनसीईएल के जरिए एफपीओ से निर्धारित दाम में खरीद करेगी। जिससे मार्केट में प्याज की डिमांड बढ़ जाएगी। हालांकि, इससे थोक कारोबारियों को दिक्कत होगी। क्योंकि कारोबारियों को भी महंगे दर पर प्याज खरीदना पड़ेगा। एक प्याज कारोबारी ने बताया कि प्याज के इस एक्सपोर्ट से कारोबारियों को कोई राहत नहीं मिलने वाली है। हालांकि, अगर सरकार कारोबारियों को खुद एक्सपोर्ट करने की अनुमति देती तो बड़ी राहत मिलती।

भारत ने यूएई, बांग्लादेश को 64,400 टन प्याज एक्सपोर्ट की दी अनुमति, वाणिज्य मंत्रालय ने जारी की अधिसूचना

सरकार ने नेशनल कोऑपरेटिव एक्सपोर्ट्स लिमिटेड (एनसीईएल) के माध्यम से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और बांग्लादेश को 64,400 टन प्याज के निर्यात की अनुमति दे दी है। वाणिज्य मंत्रालय ने इस बारे में अधिसूचना जारी की है। बांग्लादेश को जहां 50,000 टन प्याज के निर्यात की अनुमति दी गई है, वहीं यूएई को 14,400 टन प्याज का निर्यात किया जाएगा। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने एक अधिसूचना में कहा, ''एनसीईएल के माध्यम से संयुक्त अरब अमीरात को तिमाही 3,600 टन की सीमा के साथ 14,400 टन प्याज का निर्यात अधिसूचित किया गया है। डीजीएफटी वाणिज्य मंत्रालय की इकाई है जो आयात और निर्यात से संबंधित मानदंड को देखती है। बांग्लादेश को निर्यात के बारे में कहा गया है कि इसका तौर-तरीका एनसीईएल उपभोक्ता मामलों के विभाग के साथ विचार-विमर्श में तय करेगा। हालांकि, प्याज के निर्यात पर अभी प्रतिबंध है लेकिन सरकार कुछ मित्र देशों को एक निश्चित मात्रा में इसके निर्यात की अनुमति देती है। इस निर्यात की अनुमति सरकार द्वारा अन्य देशों से मिले अनुरोधों के आधार पर दी जाती है। पिछले साल आठ दिसंबर को सरकार ने घरेलू उपलब्धता बढ़ाने और कीमतों को नियंत्रण में रखने के मकसद से इस साल 31 मार्च तक प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था। इससे पहले केंद्र ने अक्टूबर, 2023 में उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए खुदरा बाजार में 25 रुपए प्रति किलोग्राम की रियायती दर पर बफर स्टॉक के प्याज की बिक्री बढ़ाने का फैसला किया था। कीमतों पर काबू पाने के लिए सरकार पहले भी कई कदम उठा चुकी है। सरकार ने 28 अक्टूबर को 31 दिसंबर, 2023 तक प्याज निर्यात पर 800 डॉलर प्रति टन का न्यूनतम निर्यात मूल्य (एमईपी) लगाया था। अगस्त में भारत ने प्याज पर 31 दिसंबर, 2023 तक 40 प्रतिशत का निर्यात शुल्क लगाया था।

एफडी की ब्याज दरें उच्च स्तर पर पहुंचीं

नई दिल्ली, एजेंसी। बढ़ती ब्याज दरों के कारण पहले से अधिक लोग सावधि बचत योजनाओं में इन्वेस्ट कर रहे हैं। भारतीय रिजर्व बैंक के मुताबिक, कुल बैंक जमाओं में ऐसे निवेश माध्यमों की हिस्सेदारी दिसंबर 2023 में बढ़कर 60.3 पर्सेंट हो गई है। यह आंकड़ा मार्च 2023 में 57.2 पर्सेंट था।

आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल-दिसंबर, 2023 के दौरान कुल जमाओं में जो वृद्धि हुई, उसमें एफडी की हिस्सेदारी लगभग 97.6 पर्सेंट थी। इस दौरान चालू खाता और बचत खाता जमा की हिस्सेदारी में गिरावट हुई। केंद्रीय बैंक का कहना है कि सावधि जमाओं पर बढ़ता प्रतिफल बैंक जमाओं में संरचनात्मक बदलाव ला रहा है।

अधिक ब्याज वाली श्रेणी में अधिक पैसा लगाया

आरबीआई के अनुसार, अधिक ब्याज दर वाली श्रेणी में धनराशि जमा की जा रही है। कुल सावधि जमाओं में सात पर्सेंट से अधिक ब्याज दर वाली एफडी की हिस्सेदारी दिसंबर 2023 में बढ़कर 61.4 पर्सेंट हो गई। यह आंकड़ा इससे एक तिमाही पहले 54.7 पर्सेंट और मार्च 2023 में 33.7 पर्सेंट था। देश में एफडी की लोकप्रियता का अंदाजा आप इसी से लगा सकते हैं कि 2 करोड़ 42 लाख कुल एफडी में करीब 103 ट्रिलियन (करीब 103 लाख करोड़ रुपये) की रकम जमा है। यानी देश में प्रति एफडी औसतन 4.25 लाख रुपये का निवेश किया गया है। एक सर्वेक्षण में यह बात सामने आई है। सर्वे में यह भी कहा गया है कि एफडी लोगों के लिए सबसे पसंदीदा निवेश का विकल्प है।

एफडी की ब्याज दरें उच्च स्तर पर

इस समय एफडी की ब्याज दरें उच्च स्तर पर बनी हुई हैं। बीते कई दिनों में बैंकों ने अलग-अलग समय अवधि वाली एफडी पर ब्याज दरें बढ़ा दी हैं और वे सात फीसदी या इससे अधिक का भी ब्याज दे रहे हैं। निवेश विशेषज्ञों का कहना है कि मौजूदा वक्त में उपभोक्ताओं के लिए एफडी में निवेश का यह सबसे अच्छा मौका है।

इसलिए बढ़ी हुई हैं ब्याज दरें

दरअसल, रिजर्व बैंक ने पांचवीं बार रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं किया है। रेपो रेट अभी 6.5 फीसदी के स्तर पर हैं। जब भी इसमें कोई बदलाव होता है तो उसका सीधा असर एफडी पर मिलने वाली ब्याज दरों पर पड़ता है। जब रेपो दर में कटौती होती है तो एफडी पर मिलने वाला ब्याज भी कम हो जाता है। बढ़ोतरी होने पर बैंक अपने पास नकदी को आकर्षित करने के लिए ब्याज बढ़ा देते हैं।

मूडीज ने 2024 के लिए भारत की जीडीपी विकास दर का अनुमान बढ़ाकर 6.8 प्रतिशत किया

नई दिल्ली, एजेंसी। वैश्विक रेटिंग एजेंसी मूडीज ने सोमवार को 2023 के उम्मीद से मजबूत आर्थिक आंकड़ों और वैश्विक स्तर पर प्रतिकूल आर्थिक परिस्थितियों को देखते हुए 2024 कैलेंडर वर्ष के लिए भारत के विकास के अनुमान को पहले के अनुमानित 6.1 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.8 प्रतिशत कर दिया। कैलेंडर वर्ष 2023 की चौथी तिमाही में भारत की वास्तविक जीडीपी में सालाना आधार पर 8.4 प्रतिशत का विस्तार हुआ, जिसके परिणामस्वरूप पूरे वर्ष 2023 की बात करें तो जीडीपी में 7.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई। मूडीज इन्वेस्टर्स सर्विस ने कहा कि सरकार की ओर से किए गए पूंजीगत खर्च और मजबूत विनिर्माण गतिविधि ने 2023 में मजबूत विकास परिणामों में सार्थक योगदान दिया है। इसके कारण जीडीपी के आंकड़ों में वृद्धि दिख रही है।

मूडीज ने कहा है कि वैश्विक चुनौतियों के कम होने के साथ भारतीय अर्थव्यवस्था आराम से 6-7 प्रतिशत वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर्ज करने में सक्षम हो सकती है। मूडीज ने कहा, भारत की अर्थव्यवस्था ने अच्छा प्रदर्शन किया है और 2023 में उम्मीद से अधिक मजबूत आंकड़ों के बाद हमने अपने 2024 के विकास अनुमान को 6.1 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.8 प्रतिशत कर दिया है। मूडीज ने 2024 के लिए अपने वैश्विक वृहद आर्थिक परिदृश्य में कहा, भारत पूर्वानुमानों के अनुसार के अनुसार जी-20 अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से वृद्धि करने वाला देश बना रहेगा। 2025 के लिए, सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि 6.4 प्रतिशत अनुमानित है।

मूडीज ने अपनी रिपोर्ट में कहा, वस्तु एवं सेवा कर संग्रह में मजबूती, वाहनों की बिक्री में बढ़ोतरी, उपभोक्ताओं के रुझान और दोहरे अंक में ऋष्ठ वृद्धि से पता चलता है कि शहरी उपभोग मांग में लचीलापन बना हुआ है। मूडीज ने आपूर्ति पक्ष पर कहा कि विनिर्माण और सेवाओं के पीएमआई का विस्तार ठोस आर्थिक गति को बदल देता है।

2 दिन 9 गुना से अधिक का सब्सक्रिप्श

नई दिल्ली, एजेंसी। मुक्का प्रोटिन्स के आईपीओ पर दांव लगाने का आज आखिरी मौका है। कंपनी का आईपीओ रिटेल निवेशकों के लिए 29 फरवरी 2024 को ओपन हुआ था। वहीं, निवेशकों के पास 4 मार्च यानी आज तक दांव लगाने का मौका है। पहले 2 दिनों के दौरान निवेशकों ने आईपीओ को लेकर अच्छा रिस्पॉन्स दिखाया है। बता दें, ग्रे मार्केट में भी कंपनी का प्रदर्शन शानदार है। जोकि दमदार लिस्टिंग का संकेत दे रहा है। मुक्का प्रोटिन्स आईपीओ का प्राइस बैंड 26 रुपये से 28 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी ने 535 शेयरों का एक लॉट बनाया है। जिस वजह से निवेशकों को कम से कम 14,980 रुपये का दांव लगाना पड़ेगा।

ग्रे मार्केट में कंपनी का प्रदर्शन शानदार रहा है। आईपीओ का जीएमपी 25 रुपये है। यानी अगर लिस्टिंग तक ग्रे मार्केट का यही ट्रेंड बरकरार रहा तो कंपनी शेयर बाजार में 53 रुपये पर लिस्ट हो सकती है। अगर ऐसा हुआ तो निवेशकों को पहले दिन ही 89 प्रतिशत का फायदा हो सकता है। आईपीओ को पहले 2 दिनों में 9 गुना से अधिक का सब्सक्रिप्शन मिला है। ऐसे में आज भी निवेशकों की तरफ से बेहतर रुझान देखने को मिल सकता है। मुक्का प्रोटिन्स के आईपीओ का साइज 224 करोड़ रुपये का है। कंपनी आईपीओ के जरिए निवेशकों को 8 करोड़ फ्रेश शेयर जारी करेगी।

बता दें, शेयरों का अलॉटमेंट 5 मार्च और लिस्टिंग 7 मार्च को हो सकती है। कंपनी बीएसई और एनएसई दोनों जगह लिस्ट होगी।

बैंकों के कुल जमा में बढ़कर 60.3 प्रतिशत हिस्सेदारी, बढ़ती ब्याज दरों से लोग सावधि जमा में दिखा रहे रुचि

नई दिल्ली, एजेंसी। बढ़ती ब्याज दरों के कारण लोग सावधि बचत योजनाएं यानी टर्म डिपॉजिट में अब ज्यादा पैसा लगा रहे हैं। आरबीआई के आंकड़ों के मुताबिक, कुल बैंक जमा में इस साधन की हिस्सेदारी दिसंबर में 60.3 प्रतिशत हो गई है। मार्च में यह 57.2 प्रतिशत थी। अप्रैल-दिसंबर 2023 के दौरान सावधि जमा का हिस्सा कुल जमा का लगभग 97.6 प्रतिशत।

आरबीआई के मुताबिक, चालू खाता और बचत खाता (कासा) जमा के शेयरों में गिरावट आई है। ग्राहक इस दौरान ज्यादा ब्याज वाले साधनों में निवेश कर रहे हैं। ऐसे साधनों पर सात फीसदी से अधिक ब्याज मिल रहा है। सात फीसदी से ज्यादा ब्याज वाले टर्म डिपॉजिट की हिस्सेदारी दिसंबर 2023 में कुल सावधि जमा का 61.4 प्रतिशत रही। एक तिमाही पहले यह हिस्सेदारी 54.7 प्रतिशत और मार्च में 33.7 प्रतिशत थी।

2.5 फीसदी बढ़ी थी रेपो दर

आरबीआई ने कोरोना के दौरान घटी ब्याज दरों को मई, 2022 से लेकर फरवरी, 2023 के दौरान 2.5 फीसदी बढ़ाकर 6.50 फीसदी कर दिया है। कुल जमा में वरिष्ठ नागरिकों का हिस्सा 20.1 फीसदी रहा है। बैंकों के जमा में महिला ग्राहकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। अक्तूबर-दिसंबर के दौरान कासा, सावधि और कुल जमा में उनकी हिस्सेदारी क्रमशः 63.4 प्रतिशत, 36.1 प्रतिशत और 40.1 प्रतिशत थी। कुल जमा में महिलाओं की हिस्सेदारी दिसंबर, 2023 तिमाही में 20.6 फीसदी रही है जो एक साल पहले समान तिमाही में 20.2 फीसदी थी।

अनंत अंबानी 15 करोड़ रुपये की घड़ी पहनते हैं

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी के छोटे बेटे अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की प्री-वेडिंग सेरेमनी संपन्न हो गई है। एक से तीन मार्च तक गुजरात के जामनगर में आयोजित इस सेरेमनी में दुनियाभर की जानी-मानी हस्तियों को बुलाया गया था। इनमें फेसबुक की पेरेंट कंपनी मेटा प्लेटफॉर्म के सीईओ मार्क जकरबर्ग भी शामिल थे। वह अपनी पत्नी प्रिसिला चान के साथ इस कार्यक्रम में पहुंचे थे। इस बीच इस सेरेमनी से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर काफी धूम मचा रहा है। इनमें जकरबर्ग और उनकी पत्नी अनंत की कलाई पर बंधी घड़ी की तारीफ करती दिख रही हैं। इसके साथ ही करोड़ों रुपये की कीमत वाली इस घड़ी की चर्चा शुरू हो गई है। यह घड़ी स्विस ब्रांड रिचर्ड मिल की है। इस ब्रांड की घड़ियों की औसत कीमत दो मिलियन डॉलर यानी करीब 16.50 करोड़ रुपये है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अनंत अंबानी ने इस सेरेमनी में जो घड़ी पहनी थी उसकी कीमत करीब 15 करोड़ रुपये है। इतनी कीमत में क्रिकेटर यशस्वी जायसवाल मुंबई में तीन फ्लैट खरीद सकते थे। हाल में आई रिपोर्ट्स के मुताबिक जायसवाल ने मुंबई में 5.4 करोड़ रुपये का एक अपार्टमेंट खरीदा है। इसके आरएम52-05 मैनुअल वाइंडिंग टूरबिलोन फैरेल विलियम्स 49.94 एमएम मॉडल की कीमत करीब 37.71 करोड़ रुपये है। दुनिया की कई जानी-मानी हस्तियों की कलाई में इस ब्रांड की घड़ियां हैं। इसमें अमेरिकन रैपर जे-जेड, मलेशिया की अभिनेत्री मिशेल यो, अमेरिकन रिकॉर्ड प्रॉड्यूसर फैरेल विलियम्स, अमेरिकन कॉमेडियन विन हार्ट, स्पेन के दिग्गज टेनिस खिलाडी राफेल नडाल और ब्रिटिश सिंगर और सॉन्ग राइटर एड शिरीन शामिल हैं।

घड़ियों के हैं शौकीन

अनंत अंबानी के पास कई लग्जरी घड़ियां हैं। पिछले साल मुंबई के जियो पार्क में बने नीता मुकेश अंबानी कल्चरल सेंटर की ओपनिंग सेरेमनी में अनंत अंबानी पटक फिलिप्पे ब्रांड की सुपर लग्जरी घड़ी पहनकर आए थे। उस घड़ी की कीमत 18 करोड़ रुपये है। पटक फिलिप्पे दुनिया की लग्जरी वॉच ब्रांड है। इसकी घड़ियों की कीमत करोड़ों में होती है। सिर्फ घड़ी ही नहीं अनंत अंबानी कार के भी शौकीन हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो अनंत अंबानी के पास लग्जरी कारों का भी शानदार कलेक्शन है। अनंत के बेड़े में रॉल्स रॉयस फैंटम, बीएमडब्ल्यू आई8, एसयूवी मर्सिडीज बेंज जी63 एएमजी, लैंड रोवर रेंज रोवर वॉग, लग्जरी सेडान मर्सिडीज बेंज एस-क्लास जैसी लग्जरी गाड़ियां शामिल हैं।

सोने-चांदी की कीमतों में हुआ बदलाव

नई दिल्ली, एजेंसी। सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट देखने को मिल रही है। मल्टी कमोडिटी सिस्टम पर 5 अप्रैल 2024 की डिलीवरी वाला सोना सोमवार सुबह 0.16 फीसदी या 102 रुपए की गिरावट के साथ 63,461 रुपए प्रति 10 ग्राम पर ट्रेड करता दिखा। वहीं चांदी के वायदा भाव बात करें तो यह 72,038 रुपए पर ट्रेड करती दिखी।

एमसीएक्स पर 3 मई 2024 की डिलीवरी वाली चांदी सोमवार सुबह 0.33 फीसदी या 240 रुपए की गिरावट के साथ 72,038 रुपए प्रति किलोग्राम पर ट्रेड करती दिखी। खबर लिखते समय यह 71,963 रुपए पर कारोबार कर रही थी। सोने के वैश्विक भाव सोमवार सुबह गिरावट के साथ ट्रेड करते दिखे। कॉमेक्स पर सोना 0.30 फीसदी या 6.30 डॉलर की गिरावट के साथ 2089.40 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करता दिखा। वहीं, सोना हाजिर 0.10 फीसदी या 2.01 डॉलर की गिरावट के साथ 2080.91 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करता दिखा। सोने के साथ ही चांदी की वैश्विक कीमतों में भी गिरावट दर्ज की गई है। कॉमेक्स पर चांदी का भाव 0.45 फीसदी या 0.10 डॉलर की गिरावट के साथ 23.26 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करता दिखा। वहीं, चांदी हाजिर 0.32 फीसदी या 0.07 डॉलर की गिरावट के साथ 23.05 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करती दिखी।

एचजी इंफ्रा इंजीनियरिंग को रेलवे ने दिया 447 करोड़ रुपये का काम

नई दिल्ली, एजेंसी। एचजी इंफ्रा इंजीनियरिंग के शेयरों में आज 5 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली है। कंपनी शेयरों में सोमवार को होने वाली इस उछाल के पीछे की वजह इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स हैं। कंपनी ने बताया है कि उन्हें साउथ सेंट्रल रेलवे की तरफ से 447 करोड़ रुपये का काम मिला है। कंपनी ने बताया है कि उन्हें साउथ रेलवे से मिले वर्क ऑर्डर में ट्रैक को डबल करना और सिंग्नल को सही करना शामिल है। बता दें, सोमवार को लगातार चौथा कारोबारी सत्र था जब कंपनी के शेयरों की कीमतों में उछाल देखने को मिली थी। इससे पहले कंपनी को 1 मार्च को ईस्ट रेलवे की तरफ से 772 करोड़ रुपये का काम मिला था। कंपनी ने शेयर बाजारों को दी जानकारी में तब कहा था कि इस प्रोजेक्ट को पूरा करने के लिए उन्हें 36 महीने का समय मिला है। कंपनी को बिहार में 66.88 किलोमीटर के रेलवे ट्रैक को डबल करना है। कंपनी के शेयरों की कीमतों में पिछले एक साल के दौरान 22 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली है। हालांकि, स्टॉक बीते 6 महीने के दौरान 0.64 प्रतिशत टूट गया है। वहीं, पोजीशनल निवेशकों को एक महीने में 2.57 प्रतिशत टूट गया है। हालांकि, अच्छी बात यह है कि बीते 5 दिनों के दौरान कारोबारी सत्रों में उछाल देखने को मिली है। शेयर बाजार में कंपनी का 52 वीक हाई 1016.75 रुपये प्रति शेयर और 52 वीक लो लेवल 738.50 रुपये प्रति शेयर है।

बॉलीवुड में लौट रही हैं मीनाक्षी शेषाद्रि

बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री मीनाक्षी शेषाद्रि जल्द ही बड़े पर्दे पर वापसी करने जा रही हैं। मीनाक्षी के फैंस अभी से ही उन्हें देखने को बेताब हो रहे हैं। फिल्म पेंटर बाबू से अपने करियर की शुरुआत करने वाली मीनाक्षी बॉलीवुड में अपनी वापसी के बारे में मीडिया से खुलकर बातें करती नजर आईं।

अभिनय जुनून है मेरे लिए

मीनाक्षी शेषाद्री शादी के बाद बॉलीवुड को छोड़ अमेरिका चली गई थीं। हाल ही में, एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने कहा, एक्टिंग मेरे लिए सिर्फ एक काम नहीं है। मेरे लिए यह जुनून है। मेरे खून में अभिनय है। मेरे परिवार को इस बात की जानकारी है और उन्होंने मेरा समर्थन किया है। मैं अब पूरी तरह से अभिनय में रम जाना चाहती हूं।

अमेरिका में ज्यादा अवसर नहीं

मीनाक्षी शेषाद्री अपनी बात जारी रखते हुए कहती हैं, मैं हमेशा से अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनती आई हूं। अमेरिका में मेरे लिए ज्यादा अवसर नहीं थे इसलिए मैं यहां बॉलीवुड में लौट आई हूं। मेरे इस फैसले में सबने मेरा सहयोग किया है। मैं अब अलग तरह की भूमिकाएं निभाना चाहती हूं।

टाइपकास्ट नहीं होना चाहती

जल्द ही बड़े पर्दे पर वापसी करने जा रही मीनाक्षी शेषाद्री बॉलीवुड के मशहूर निर्देशकों के साथ काम कर चुकी हैं। मीनाक्षी कहती हैं, मैं नए विषयों पर बन रही फिल्मों में काम करना चाहती हूं। मैं टाइपकास्ट नहीं होना चाहती हूं। मीनाक्षी शेषाद्री गुजरे दिनों को याद करते हुए कहती हैं, मैं काफी खुशकिस्मत रही हूं कि मुझे सुभाष घई से लेकर मनोज कुमार जैसे दिग्गज कलाकारों के साथ काम करने का मौका मिला था। उन लोगों के साथ काम करके मैंने काफी कुछ सीखा है।

बस्तर में मेरा किरदार हीरो के लिए लिखा गया

फिल्म द केरल स्टोरी के बाद अभिनेत्री अदा शर्मा इन दिनों अपनी आगामी फिल्म बस्तर - द नक्सल स्टोरी को लेकर काफी उत्साहित हैं। अदा शर्मा मानती हैं कि यह फिल्म उनके करियर की सबसे कठिन फिल्म है। इस फिल्म में अदा शर्मा बस्तर की पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) नीरजा माधवन की भूमिका निभा रही हैं।

द केरल स्टोरी के बाद आपके व्यक्तिगत और पेशवर जीवन में क्या बदलाव आया?

व्यक्तिगत जीवन में तो कोई बदलाव नहीं आया है। जैसी थी वैसी ही हूं, प्रोफेशनल जीवन में बदलाव यह आया है कि अब लोगों का विश्वास बढ़ा है। इस फिल्म के बाद इंडस्ट्री के बहुत सारे लोगों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। मुझे बहुत खुशी है कि शाहरुख खान, सलमान खान और रणबीर कपूर जैसे सुपरस्टार की बड़ी-बड़ी फिल्म के साथ लोग मेरी छोटी सी फिल्म का नाम भी ले लेते है। यह बहुत अच्छा लगता है। जब हम इस फिल्म को बना रहे थे तो यह बहुत ही छोटी फिल्म थी। हमारी कोशिश यही थी कि जितने लोगों तक जागरूकता पहुंचे बड़ी अच्छी बात है। लेकिन, इतने लोगों के दिलों तक फिल्म पहुंच जाएगी लोग इतना पसंद करेंगे यह बात हमने नहीं सोची थी।

द केरल स्टोरी की सफलता के बाद आपको बहुत सारी फिल्मों के ऑफर आए होंगे?

इस फिल्म के बाद इंडस्ट्री के लोगों में इतना तो विश्वास बढ़ा कि मैं बड़ी फिल्मों का भी हिस्सा बन सकती हूं। ऑफर तो आते रहते हैं, लेकिन अभी भी कुछ अच्छे प्रोजेक्ट्स का इंतजार है। जब मैं किसी फिल्म के लिए न बोलती हूं तो मुझे अच्छा तो नहीं लगता है, मेरी शुरू से ऐसी ही आदत रही है कि मेरी वजह से किसी को दुख न हो। अच्छा काम करना ही मेरी प्राथमिकता है। द केरल स्टोरी के बाद लोगों की मुझसे बेहतर काम करने की उम्मीदें बढ़ी हैं, मुझे लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरना है।

वेब सीरीज सनफ्लावर सीजन 2 करने की क्या खास वजह रही?

इस सीरीज में मेरा जिस जिस तरह का किरदार है, उस तरह का अतरंगी किरदार मैंने कभी नहीं निभाया था। इस सीरीज में रोजी का ऐसा किरदार है कि बहुत ही प्यार से सबसे काम निकलवा लेती है। इस किरदार को निभाने का एक अलग अनुभव रहा। कोई भी प्रोजेक्ट साइन करने से पहले मैं अपने दिल की सुनती हूं। जब मैं फिल्म 1920 से अपने करियर की शुरुआत कर रही थी तो लोग यही सलाह देते थे कि हॉरर फिल्म मत करो। आप खूबसूरत दिखती हो, फिल्म की हीरोइन जैसी खूबसूरत दिखो। फिल्म में थोड़ा नाच गाना और ग्लैमर होना चाहिए। लेकिन मुझे लगा कि ऐसे रोल किसे मिलते हैं करने के लिए, लोग पूरी जिंदगी भर काम करते हैं फिर भी ऐसी भूमिकाएं निभाने का मौका नहीं मिलता है। जब द केरल स्टोरी कर रही थी तब सब कहते थे कि कमांडो जैसी बड़ी एक्शन फिल्म की है तो ऐसी ही फिल्म करो।

और, बस्तर - द नक्सल स्टोरी के बारे में क्या कहना चाहेगी?

इस फिल्म को करने से पहले मैं समझती थी कि द केरल स्टोरी ही मेरे करियर की सबसे कठिन फिल्म हैं, लेकिन अब बस्तर - द नक्सल स्टोरी करने के बाद मैं यह कह सकती हूं कि यह फिल्म मेरे करियर की सबसे कठिन फिल्म है। इस फिल्म में मैं आईजी नीरजा माधवन की भूमिका निभा रही हूं, पहले यह किरदार पुरुष पात्र के हिसाब से लिखा गया था। लेकिन मैं बहुत खुश हूं कि यह किरदार मुझे करने का मौका मिला है। यह फिल्म एक सच्ची घटना पर आधारित है। हमारे देश के अंदर के ही दुश्मनों ने हमारे 76 जवानों को मार दिया। इस घटना के बारे में तो सबको पता है। यह कितनी दुखद बात है कि हमारे देश में ही हमारे दुश्मन छुपे बैठे हैं।

जीवन की महत्वपूर्ण पारी की शुरूआत कर रही हैं अभिनेत्री वरलक्ष्मी

साउथ इंडियन सिनेमा की टॉप एक्ट्रेस में से एक वरलक्ष्मी सरथकुमार ने दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई है। अब वरलक्ष्मी जीवन की नई पारी शुरू करने को तैयार हैं। शनिवार (2 मार्च) को वरलक्ष्मी ने परिवार और करीबी दोस्तों की मौजूदगी में दोस्त निकोलाई सचदेव के साथ सगाई कर ली। वरलक्ष्मी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (ट्विटर) पर फैंस के साथ सगाई की तस्वीरें शेयर कर इसकी जानकारी दी। तस्वीरों में कपल परिवारों के साथ सगाई का जश्न मनाता दिख रहा है। वरलक्ष्मी ने इस पोस्ट के कैप्शन में लिखा, सगाई...हंसी-मजाक और हमेशा खुश रहने का वादा। वरलक्ष्मी रेशम की साड़ी में बेहद खूबसूरत नजर आ रही हैं, जबकि निकोलाई ने सफेद कुर्ता पहना था। वरलक्ष्मी की मां राधिका सरथकुमार ने भी एक्स पर सगाई की तस्वीरों को शेयर किया। उन्होंने लिखा, वरलक्ष्मी और निकलोई को ढेर सारी खुशियां मिले। उन्होंने परिवार और दोस्तों के बीच मुंबई में सगाई की है। उन्हें आशीर्वाद मिले। हम सभी उनके लिए बहुत खुश हैं। वरलक्ष्मी के वर्कफ्रंट पर नजर डालें तो वह इस साल रायन में नजर आएंगी। फिल्म के डायरेक्टर धनुष हैं, जो लीड एक्टर की भूमिका भी निभाएंगे। वरलक्ष्मी इस साल रिलीज हुई तेजा सज्जा स्टारर सुपरहिट फिल्म 'हनुमान' में दिखी थीं।

बड़े मियां छोटे मियां स्टार टाइगर श्रॉफ करना चाहते हैं नेगेटिव किरदार

टाइगर श्रॉफ आने वाले दिनों फिल्म बड़े मियां छोटे मियां में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में वे पहली बार अक्षय कुमार के साथ एक्शन करते दिखाई देंगे। दर्शकों में अभी से ही उनकी इस फिल्म के लिए काफी क्रेज देखने को मिल रहा है। अभिनेता टाइगर श्रॉफ बॉलीवुड में किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं। उन्होंने एक्शन फिल्मों के जरिए बॉलीवुड में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। एक्शन के अलावा टाइगर फिल्मों में बेहतरीन डांस करते भी नजर आते हैं। उनकी आगामी फिल्म, बड़े मियां छोटे मियां रिलीज को तैयार है। हाल ही में, अपनी फिल्म के प्रमोशन के दौरान अभिनेता ने अपनी निजी जिंदगी और करियर के बारे में कई खुलासे करते नजर आए।

ऋतिक रोशन हैं आदर्श

बॉलीवुड में टाइगर श्रॉफ को उनके मिलनसार स्वभाव के लिए जाना जाता है। दर्शकों में खास कर बच्चों में टाइगर को लेकर अलग क्रेज देखने को मिलता है। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान टाइगर ने कहा, फिल्म वार के दौरान ऋतिक रोशन ने मेरे किरदार को बुरी तरह से हरा दिया था। उन्होंने मुझे काफी पीटा भी था और मुझे काफी चोट भी आ गई थी। तब मेरे मन में उनके प्रति काफी गुस्सा उमड़ आया था और मैं उनसे बदला लेना चाहता था।

नेगेटिव किरदार करने की चाहत

टाइगर अपनी जारी रखते हुए कहते हैं, अगर मुझे मौका मिले तो मैं विलेन बनना चाहूंगा। मैं ऋतिक रोशन की काफी इज्जत करता हूं और उनसे काफी कुछ सीखने को मिला है, लेकिन मैं विलेन बनकर उनसे बदला लेना चाहूंगा। वैसे, शायद ये मैं कर न पाऊं क्योंकि उनके सामने मैं असहज महसूस करने लगूंगा।

टाइगर श्रॉफ का वर्क फ्रंट

टाइगर श्रॉफ आने वाले दिनों फिल्म बड़े मियां छोटे मियां में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में वे पहली बार अक्षय कुमार के साथ एक्शन करते दिखाई देंगे। दर्शकों में अभी से ही उनकी इस फिल्म के लिए काफी क्रेज देखने को मिल रहा है।

प्रियंका चोपड़ा ने की नई फिल्म द ब्लफ की घोषणा

प्रियंका चोपड़ा इन दिनों अपनी कई फिल्मों की शूटिंग में व्यस्त हैं। उनके पास कई फिल्मों की लाइन लगी हुई है, वहीं अब अभिनेत्री ने अपनी एक और नई हॉलीवुड फिल्म की घोषणा कर दी है। प्रियंका ने आधिकारिक तौर पर अपनी नई मनोरंजक फिल्म द ब्लफ की घोषणा कर दी है। हालांकि, बीते कुछ समय से ये खबरें सामने आ रही थीं कि अभिनेत्री ने यह फिल्म साइन की है, लेकिन अब उन्होंने पोस्ट साझा करते हुए आधिकारिक तौर पर इस पर मुहर लगा दी। फिल्म में प्रियंका हॉलीवुड अभिनेता कार्ल अर्बन के साथ अभिनय करेंगी।

प्रियंका ने साझा किया पोस्ट

प्रियंका की यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। द ब्लफ का निर्देशन फ्रैंक ई. फ्लावर्स करेंगे। हिट फिल्म बॉब मार्ले- वन लव के सह-लेखन के बाद उन्हें लोकप्रियता मिली थी, इस फिल्म ने दुनिया भर में 120 मिलियन डॉलर से अधिक की कमाई की थी। प्रियंका ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट साझा किया और लिखा, कभी-कभी हमें आशा होती थी कि यदि हम जिंदा रहे और अच्छे रहे तो भगवान हमें समुद्री डाकू बनने की अनुमति देंगे। वहीं बात करें द ब्लफ की कहानी के बारे में तो यह 19वीं सदी के कैरेबियन पर आधारित है और एक पूर्व महिला समुद्री डाकू की कहानी है। प्रियंका चोपड़ा समुद्री डाकू की भूमिका निभाएंगी। फिल्म की कहानी परिवार की रक्षा करने के इर्द-गिर्द भी घूमती है। निर्माता फिल्म की शूटिंग ऑस्ट्रेलिया में शुरू करने की योजना बना रहे हैं। फिल्म का निर्माण एजीबीओ के एंथोनी रूसो, जो रूसो, एंजेला रूसो-ओटस्टोट और माइकल डिस्को द्वारा किया जाएगा। वहीं बात करें प्रियंका चोपड़ा की आने वाली फिल्मों के बारे में तो द ब्लफ के अलावा अभिनेत्री के पास कुछ हॉलीवुड प्रोजेक्ट्स भी हैं, जिनमें जॉन सीना के साथ हेड ऑफ स्टेट और सिटाडेल 2 शामिल हैं। प्रियंका अभिनेत्री आलिया भट्ट और कैटरीना कैफ के साथ बहुप्रतीक्षित फिल्म जी ले जरा के जरिए बॉलीवुड में भी वापसी करेंगी।

वेब सीरीज बैड कॉप के रीमेक में नजर आएंगे गुलशन देवैया

बीता साल अभिनेता गुलशन देवैया के लिए बहुत ही शानदार साल रहा। वह वेब सीरीज दहाड़, गन्स एंड गुलाब्स और दुरंगा सीजन 2 के अलावा फिल्म 8 AM मेट्रो में अलग अलग किरदारों में नजर आए। अब नए साल में भी उनकी कई फिल्में और वेब सीरीज आएंगी, जिनमें वह अलग अलग किरदार निभा रहे हैं। इन दिनों गुलशन अपनी आगामी सीरीज बैड कॉप की शूटिंग में व्यस्त हैं। अभिनेता गुलशन देवैया की ये वेब सीरीज जर्मन वेब सीरीज बैड कॉप-क्रिमिनल गट की आधिकारिक रीमेक हैं। इस फिल्म को हिंदी में अस्थाई शीर्षक बैड कॉप के नाम से बनाया जा रहा है। पिछले महीने रिलीज फिल्म क्रैक-जो जीतेगा वो जिएगा के निर्देशक आदित्य दत्त इस सीरीज का निर्देशन कर रहे हैं। सीरीज की शूटिंग पिछले तीन हफ्ते से मुंबई के अलग -अलग लोकेशन पर हो रही है। इस सीरीज का प्रसारण डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर होगा।

वेब सीरीज बैड कॉप आठ एपिसोड की है। सीरीज में गुलशन देवैया के अलावा अनुराग कश्यप, हरलीन सेठी, सौरभ सचदेवा और ऐश्वर्या सुष्मिता की मुख्य भूमिकाएं हैं। गुलशन देवैया कहते हैं, मैं अनुराग कश्यप की कई फिल्मों में अभिनय कर चुका हूं, यह पहला मौका है जब इस सीरीज में उनके साथ एक्टिंग करने का मौका मिला है। इस सीरीज के किरदार के लिए मुझे बहुत ही कड़े एक्शन प्रशिक्षण से गुजरना पड़ा है। इस सीरीज में एक्शन सीन की शूटिंग करते वक्त कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। यह बहुत मजेदार और दर्दनाक भी रहा है। अभिनेता गुलशन देवैया कहते हैं, इस सीरीज में एक्शन सीक्वेंस और स्टंट करना बहुत कठिन था। फिल्म के निर्देशक आदित्य दत्त और एक्शन निर्देशक रवि वर्मा ने ऐसे एक्शन दृश्यों को डिजाइन किया था, जिसके लिए मुझे काफी मेहनत करनी पड़ रही है। यह इतना कठिन था जो बर्दाश्त करने की सीमा से बाहर था। इसके बावजूद हम डटे रहे, क्योंकि एक अभिनेता होने के नाते मैं समझता हूं कि मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ देना है। वेब सीरीज बैड कॉप के अलावा गुलशन देवैया की इस साल दो फिल्में उलझ और लिटिल थॉमस थियेटर में रिलीज होगी। लिटिल थॉमस' बच्चों की फिल्म है। इसके अलावा गुलशन देवैया की इस साल तीन वेब सीरीज आएगी, जिनमें से एक कॉमेडी जॉनर की है।

बीमार रहते हुए अक्षय ने खत्म किया था जॉर्डन का शूट

सुपरस्टार अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ स्टारर बड़े मियां छोटे मियां रिलीज को तैयार है। एक्शन से भरपूर इस फिल्म को लेकर दर्शकों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। फिल्म के ट्रेलर से लेकर इसके गाने तक को फैंस खूब पसंद कर रहे हैं। फिलहाल, मेकर्स और फिल्म की स्टारकास्ट इस फिल्म को लेकर के प्रमोशन में व्यस्त है। हाल ही में एक साक्षात्कार में फिल्म के कोरियोग्राफर बॉस्को मार्टिस ने अक्षय कुमार की जमकर तारीफ की और खिलाड़ी कुमार को फौलाद बताया। गौरतलब है कि अक्षय कुमार की गिनती इंडस्ट्री के सबसे समर्पित अभिनेताओं में होती है। उन्हें समय का भी पाबंद माना जाता है। फिल्म बड़े मियां छोटे मियां में अक्षय के साथ काम करने वाले कोरियोग्राफर बॉस्को मार्टिस ने हाल ही में अपना अनुभव साझा किया है, जिन्होंने इस एक्शन थ्रिलर फिल्म में चार गानों को कोरियोग्राफ किया है। उन्होने कहा कि अक्षय फौलाद हैं, उन्होंने तेज बुखार होने के बावजूद गाने की शूटिंग की। उनका समर्पण और काम कमाल का है। बॉस्को ने आगे कहा, अक्षय अपने काम को लेकर हमेशा गंभीर रहते हैं, वे सेट पर 8 घंटे से ज्यादा काम नहीं करते हैं, लेकिन इन आठ घंटों में वे सेट नहीं छोड़ते हैं। वे वह जॉर्डन शूट के दौरान ठीक नहीं थे, उन्होंने रिहर्सल भी नहीं की थी। उसे 101-102 बुखार था, लेकिन फिर भी उन्होंने शूट किया था। उन्होंने कोई ब्रेक भी नहीं लिया था। हमने बैक-टू-बैक चार गाने शूट किए। इस दौरान मौसम भी ठंड थी, लेकिन वे सेट से बिल्कुल भी नहीं हटे। बॉस्को ने बताया कि अक्षय सेट लोगों में ऊर्जा भर देते थे। बॉस्को ने कहा, वे शूट के बाद शाम को वॉलीबॉल खेलने जाते थे और हम सब कमरे में थके हुए पड़े रहते थे, इसके बाद वे हमें भी वॉलीबॉल के खेलने के लिए बुलाते थे। यह काफी मजेदार था।

आईपीएल 2024

चेन्नई सुपरकिंग्स को करारा झटका

इंजर्ड होकर लगभग टूर्नामेंट से बाहर हुए कॉनवे

नई दिल्ली, एजेंसी। डिफेंडिंग चैंपियन चेन्नई सुपरकिंग्स को आईपीएल शुरू होने से चंद हफ्ते पहले करारा झटका लगा है। खबर है कि न्यूजीलैंड के धाकड़ खिलाड़ी और विस्फोट ओपनर डेवोन कॉनवे मई तक एक्शन से बाहर रहेंगे। पिछले फाइनल के प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए कॉनवे इस हफ्ते अपने बाएं अंगूठे की सर्जरी करवाने वाले हैं, जिससे वह कम से कम आठ हफ्ते तक बल्ला नहीं उठा पाएंगे।

32 वर्षीय खिलाड़ी को हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी-20 सीरीज के दौरान चोट लगी थी, जिसके चलते वह पहले टेस्ट में भी नहीं खेल पाए थे। डॉक्टर्स की सलाह के बाद उन्होंने सर्जरी करवाने का फैसला लिया है। सर्जरी के बाद उन्हें रिकवर होने में कम से कम आठ हफ्ते का समय लगेगा। ऐसे में कॉनवे आधे से ज्यादा टूर्नामेंट में टीम के साथ नहीं रहेंगे। आईपीएल की शुरुआत 22 मार्च से होने वाली है, जिसके मई के अंत तक चलने की उम्मीद है।

कॉनवे का बाहर होना कितना घातक?

डेवोन कॉनवे के बाहर होने से चेन्नई सुपरकिंग्स को प्लेइंग इलेवन में भी बदलाव करने होंगे, क्योंकि यह कीवी ओपनर टीम का मजबूत प्लेयर था, जो ऋतुराज गायकवाड़ के साथ मिलकर धांसू शुरुआत दिलाता था।

2022 में अपने आईपीएल करियर की शुरुआत करने वाले कॉनवे ने पहले सीजन में सात मैच खेलकर 42 की औसत से 252 रन बनाए थे, जिसमें तीन अर्धशतक शामिल थे। 2023 के सीजन में टीम के लिए सभी 16 मैच खेलते हुए उन्होंने छह अर्धशतक जमाया था। 92 सर्वोच्च स्कोर और 672 रन के साथ उनका स्ट्राइक रेट बढ़कर लगभग 52 पहुंच चुका था।

इस बीच डेवोन कॉनवे के इंजर्ड होने के बाद उनकी नेशनल टीम ने हेनरी निकोल्स को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज में बतौर रिप्लेसमेंट इस्तेमाल किया है, जिससे नील वैगनर का विदाई टेस्ट मैच खेलने का सपना धराशायी हो गया, वैगनर को बाएं हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आया है और उन्हें कम से कम दो सप्ताह के आराम की आवश्यकता होगी।

न्यूजीलैंड ने वैगनर की जगह बेन सियर्स को टीम में शामिल किया है।

चेन्नई सुपरकिंग्स का स्कॉड

एमएस धोनी (कप्तान), मोइन अली, दीपक चाहर, डेवोन कॉनवे, तुषार देशपांडे, शिवम दुबे, रुतुराज गायकवाड़, राजवर्धन हंगरगेकर, रविंद्र जडेजा, अजय मंडल, मुकेश चौधरी, मथीशा पथिराना, अजिंक्य रहाणे, शेख रशीद, मिशेल सेंटनर, सिमरजीत सिंह , निशांत सिंधु, प्रशांत सोलंकी, महेश थीक्षाना, रचिन रवींद्र, शार्दुल ठाकुर, डेरिल मिशेल, समीर रिजवी, मुस्तफिजुर रहमान, अवनीश राव अरावली।

सुनील गावस्कर ने

जसप्रीत बुमराह के रेस्ट पर उठाए सवाल

कहा- 23 ओवर गेंदबाजी करने से कोई...

नईदिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने इंडिया वर्सेस इंग्लैंड टेस्ट सीरीज के बीच जसप्रीत बुमराह के रेस्ट पर सवाल उठाए हैं। बुमराह को इंग्लैंड के खिलाफ रांची टेस्ट में आराम दिया गया था। उनकी जगह आकाश दीप को डेब्यू का मौका मिला था। हालांकि इस टेस्ट में भारत को बुमराह की कमी नहीं खली और टीम इंडिया ने 5 विकेट से मुकाबला जीतकर सीरीज में 3-1 की अजेय बढ़त हासिल की। हालांकि गावस्कर का कहना है कि दूसरे और तीसरे टेस्ट के बीच 9 दिन का गैप था और तीसरे टेस्ट में बुमराह का 23 ओवर गेंदबाजी करना बिल्कुल थका देने वाला नहीं था।

बता दें, जसप्रीत बुमराह ने राजकोट टेस्ट की पहली पारी में 15 तो दूसरी इनिंग में 8 ओवर गेंदबाजी की थी। उन्हें वर्कलोड मैनेज करने के लिए रांची में खेले गए चौथे टेस्ट से आराम दिया गया था। हालांकि, वह सीरीज के आखिरी टेस्ट के लिए टीम के साथ फिर से जुड़ गए हैं। सुनील गावस्कर ने जसप्रीत बुमराह के रेस्ट पर सवाल उठाते हुए मिड डे के कॉलम में लिखा, राजकोट में तीसरे टेस्ट की पहली पारी में सिर्फ 15 ओवर और फिर दूसरी पारी में आठ ओवर फेंकने के बावजूद, संभवतः ट्रेनर की सिफारिश पर बुमराह को रांची के लिए आराम दिया गया था। उन्होंने आगे कहा, मत भूलो कि दूसरे टेस्ट और तीसरे टेस्ट मैच के बीच नौ दिन का ब्रेक था और पूरे मैच में 23 ओवर गेंदबाजी करना बिल्कुल भी थका देने वाला नहीं है, तो फिर बुमराह को आराम क्यों दिया गया?

चौथे टेस्ट के बाद अंतिम टेस्ट मैच से पहले आठ दिन का और ब्रेक मिलने वाला था; बेहद फिट एथलीटों को ठीक होने और देश के लिए खेलने के लिए तैयार होने के लिए यह पर्याप्त समय है। चौथा टेस्ट भी एक महत्वपूर्ण मैच था, अगर इंग्लैंड ने उसे जीत लिया होता तो आखिरी टेस्ट निर्णायक होता। इसलिए चाहे वह एनसीए हो या बुमराह, जिसने फैसला लिया है यह भारतीय टीम के तत्काल हित में नहीं था।

सुनील गावस्कर ने इस दौरान एक बार फिर कहा कि बुमराह की गैरमौजूदगी में भारत का रांची टेस्ट जीतना बताता है कि टीम इंडिया को बड़े नामों से फर्क नहीं पड़ता। उन्होंने लिखा, युवा आकाश दीप ने बुमराह की अनुपस्थिति की भरपाई करते हुए शानदार गेंदबाजी की और एक बार फिर दिखाया कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि बड़े नाम नहीं खेलते हैं। इससे युवा खिलाड़ी हमेशा खुश रहेंगे। जैसा कि कप्तान रोहित शर्मा ने कहा था, भारत के लिए खेलने के लिए भूखे रहो और अपने देश के लिए खेलने के सम्मान और विशेषाधिकार के लिए कोई कठिनाई का सामना करने के लिए तैयार रहो।

विमेंस प्रीमियर लीग

इतिहास में पहली बार हुआ इस नियम का इस्तेमाल

- गुजरात जाएंट्स ने बीच मैच में बदला खिलाड़ी

नईदिल्ली, एजेंसी। गुजरात जाएंट्स की ऑलराउंडर सयाली सतघरे महिला प्रीमियर लीग में पहली बार कन्कशन सब्स्टीट्यूट बनीं। 3 मार्च, रविवार को बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में गुजरात जायंट्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच विमेंस प्रीमियर लीग 2024 मैच के दौरान सयाली ने दयालन हेमलता की जगह ली।

दिल्ली कैपिटल्स की पारी के 15वें ओवर के दौरान कैथरीन ब्राइस की गेंद पर डीप मिडविकेट पर कैच लेने का प्रयास करते समय हेमलता के माथे पर चोट लग गई। हेमलता जेस जोनासेन का कैच पकड़ने में नाकाम रहीं। हेमलता ने ना केवल एक आसान सा कैच टपकाया बल्कि खुद को चोटिल भी कर लिया जिसके बाद फिजियो द्वारा उन्हें मैदान से बाहर ले जाया गया।

सयाली सतघरे कौन हैं?

हेमलता चोटिल होने के बाद शेष मैच से बाहर हो गईं, 164 रनों के लक्ष्य का पीछा करने के दौरान सयाली को उनके कन्कशन सब्स्टीट्यूट के रूप में मंजूरी दी गई।

प्राग मास्टर्स शतरंज

प्रज्ञानन्दा नें विदित को हराया , नवारा से जीती बाज़ी हारे गुकेश

प्राग , चेक गणराज्य , एजेंसी। प्राग मास्टर्स शतरंज के पांचवें दिन भारत के ग्रांड मास्टर आर प्रज्ञानन्दा नें टूर्नामेंट में अपनी दूसरी जीत दर्ज की और यह जीत उन्हे मिली हमवतन विदित गुजराती के खिलाफ । सफ़ेद मोहरो से खेल रहे प्रज्ञानन्दा और विदित के बीच इंग्लिश ओपनिंग में खेली गयी बाजी लगभग बराबर पर चल रही थी पर अंत समय में अपने प्यादो के शानदार खेल से प्रज्ञानन्दा नें 52 चालों में जीत दर्ज की ।

वहीं भारत के डी गुकेश को चेक गणराज्य के डेविड नवारा के खिलाफ लगभग जीती बाजी में हार का सामना करना पड़ा । पांचवें राउंड में एक बार फिर उज़्बेक्सितान के अब्दुसत्तोरोव नोदिरबेक नें जीत दर्ज की और उन्होने पोलैंड के माटेस बार्तेल को मात दी और अब वह 4 अंक बनांकर एकल बढ़त पर पहुँच गए है।

अपनी इस जीत के चलते अब्दुसत्तोरोव 2761 लाइव रेटिंग के साथ विश्व के नंबर 5 खिलाड़ी बन गए है । अन्य परिणामों में ईरान के परहम मघसूदलू नें रोमानिया के रिचर्ड रापोर्ट से और मेजबान चेक गणराज्य के थाई डाइ वान नें जर्मनी के विन्सेंट केमर से मुक़ाबला ड्रॉ खेला ।

टेस्ट में इतिहास रचने के करीब जडेजा

आर अश्विन–कपिल देव के इस खास क्लब में जगह बनाने का मौका

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत और इंग्लैंड के बीच 5 मैचों की टेस्ट सीरीज का आखिरी मैच 7 मार्च से धर्मशाला के हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में खेला जाएगा। इस मैच के लिए दोनों ही टीमें धर्मशाला पहुंच चुकी है।

फिलहाल सीरीज में टीम इंडिया ने 3-1 की अजेय बढ़त बना रखी है। सीरीज का आखिरी मैच टीम इंडिया के स्टार ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा के लिए काफी खास रहने वाला है। वह इस मैच में एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर सकते हैं।

टेस्ट में इतिहास रचने के करीब रवींद्र जडेजा

रवींद्र जडेजा टीम इंडिया के लिए अभी तक 71 टेस्ट मैच खेल चुके हैं। वह गेंद के साथ-साथ बल्ले से भी टीम इंडिया के लिए बड़े मैच विनर साबित होते हैं। वह अपने टेस्ट करियर में 300 विकेट पूरे करने के काफी करीब पहुंच चुके हैं। रवींद्र जडेजा को टेस्ट में 300 विकेट हासिल करने के लिए 8 विकेट की जरूरत है।

वह सीरीज के आखिरी मैच में इस रिकॉर्ड को अपने नाम करना चाहेंगे।

इन दिग्गज गेंदबाजों की लिस्ट में होंगे शामिल

रवींद्र जडेजा टेस्ट में भारत के लिए 300 विकेट लेने वाले 7वें गेंदबाज बनने के काफी करीब हैं। अभी तक ये कारनामा अनिल कुंबले, रविचंद्रन अश्विन, कपिल देव, हरभजन सिंह, ईशांत शर्मा और जहीर खान कर चुके हैं।

बता दें रवींद्र जडेजा ने टीम इंडिया के लिए अभी तक 71 टेस्ट मैचों में 24.15 की औसत से 292 विकेट लिए हैं। इस दौरान वह 13 बार एक पारी में 5 विकेट अपने नाम कर चुके हैं। वहीं, उन्होंने 36.39 की औसत से 3021 रन भी बनाए हैं। जिसमें 20 अर्धशतक और 4 शतक शामिल हैं।

टेस्ट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय

अनिल कुंबले - 619 टेस्ट विकेटप्प
रविचंद्रन अश्विन - 507 टेस्ट विकेट
कपिल देव - 434 टेस्ट विकेट
हरभजन सिंह - 417 टेस्ट विकेट
ईशांत शर्मा - 311 टेस्ट विकेट
जहीर खान - 311 टेस्ट विकेट
रवींद्र जडेजा - 292 टेस्ट विकेट

जायसवाल के निशाने पर 34 साल पुराना यह रिकॉर्ड, ग्राहम गूच को पीछे छोड़ बन सकते हैं नंबर 1

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के 22 वर्षीय युवा ओपनर बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने इंग्लैंड के खिलाफ खेले जा रहे 5 मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले 4 मैचों में अपनी प्रतिभा के झंडे गाड़ चुके हैं।

यशस्वी ने इन 4 टेस्ट मैचों में दो दोहरे शतक के साथ सबसे ज्यादा 655 रन बनाकर की टेस्ट रिकॉर्ड अपने नाम किए हैं और अब कई रिकॉर्ड्स उनके निशान पर आखिरी टेस्ट मैच के दौरान होंगे। भारत और इंग्लैंड के बीच 5 मैचों की टेस्ट सीरीज का आखिरी मुकाबला धर्मशाला में 7 मार्च से खेला जाएगा और इसमें यशस्वी के पास 34 साल पुराना एक रिकॉर्ड तोड़ने का शानदार मौका होगा। यशस्वी जायसवाल के पास धर्मशाला टेस्ट मैच में 34 साल पुराना रिकॉर्ड बनाने का बेहतरीन मौका है। दरअसल भारत-इंग्लैंड के बीच एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर ग्राहम गूच के नाम पर दर्ज है।

गूच ने यह कमाल साल 1990 में किया था और तीन मैचों की उस टेस्ट सीरीज की छह पारियों में 752 रन बनाए थे। यह भारत-इंग्लैंड के बीच अब तक खेले गए एक टेस्ट सीरीज में किसी भी बल्लेबाज के द्वारा बनाया गया सबसे बड़ा स्कोर है। यशस्वी जायसवाल ने इंग्लैंड के खिलाफ इस टेस्ट सीरीज के पहले 4 मैचों की 8 पारियों में 655 रन बनाए हैं और अगर वह पांचवें टेस्ट मैच में 98 रन बना लेते हैं तो वह ग्राहम गूच को पीछे छोड़ देंगे और भारत-इंग्लैंड के बीच एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में पहले नंबर पर आ जाएंगे। फिलहाल इस मामले में 655 रन के साथ विराट कोहली की बराबरी पर हैं जिन्होंने 2016 में भारत-इंग्लैंड के बीच खेले गए टेस्ट सीरीज में 655 रन बनाए थे।

भारत-इंग्लैंड के बीच एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले टॉप 3 बल्लेबाज

ग्राहम गूच- 752 रन, 1990
विराट कोहली- 655 रन, 2016
यशस्वी जायसवाल- 655 रन, 2024

क्रिस्टियानो रोनाल्डो कब लेंगे संन्यास? गर्लफ्रेंड ने किया बड़ा खुलासा

नई दिल्ली, एजेंसी। पुर्तगाल के कप्तान क्रिस्टियानो रोनाल्डो जल्द संन्यास की घोषणा कर सकते हैं। इसका खुलासा उनकी गर्लफ्रेंड जॉर्जिना रोड्रिग्ज ने किया। उन्होंने बताया कि एक-दो सालों में वह अपने करियर को समाप्त करने का फैसला ले सकते हैं।

पिछले दो दशकों से रोनाल्डो एक ऐसा नाम बने हुए हैं जिसने फुटबॉल जगत को रोशन किया है। महान खिलाड़ी की गर्लफ्रेंड रोड्रिग्ज ने पेरिस फैशन वीक में रोनाल्डो के संन्यास पर बात की। उन्होंने कहा, क्रिस्टियानो एक और साल, फिर यह खत्म हो जाएगा। शायद दो साल, मुझे नहीं पता। हाल ही में दिग्गज पर बैन लगा था। उन्हें मेसी के नाम पर गलत इशारा करने का खामियाजा भुगतना पड़ा।

गलत इशारे करने पर लगा बैन

25 फरवरी को अल नस्त्र और ल शबाब के बीच खेले गए मुकाबले में जैसे ही रोनाल्डो ने गोल किया दर्शकों ने मेसी-मेसी के नारे लगाने शुरु कर दिए। इस पर उन्होंने गलत इशारा किया जिसके बाद उनकी पूरी दुनिया में आलोचना हुई। विवाद बढ़ने के बाद अल नस्त्र ने पुर्तगाल के खिलाड़ी पर एक मैच का बैन लगाया। इसके अलावा उन्हें करीब पांच हजार डॉलर का जुर्माना भरना पड़ा।

बैन के बावजूद स्टेडियम पहुंचे फुटबॉलर

अपने खेल के कारण चर्चा में रहने वाले रोनाल्डो का विवादों से पुराना नाता रहा है। बैन के बावजूद हाल ही में उन्हें एक फुटबॉल मैच के दौरान स्टैंड्स में देखा गया। अल नस्त्र और अल हजम के बीच खेले गए मुकाबले के दौरान रोनाल्डो अपनी टीम को चियर करने के लिए स्टेडियम पहुंचे थे। फैंस उन्हें देखकर काफी खुश हुए। वहीं, दिग्गज खिलाड़ी इस दौरान काफी भावुक नजर आए।

2023 में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी रहे रोनाल्डो

पांच बार के बैलन डीओर विजेता क्रिस्टियानो रोनाल्डो 2023 में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी रहे। उन्होंने अपने देश पुर्तगाल और क्लब अल नस्त्र के लिए कुल 54 गोल दागे। दुनिया का कोई भी खिलाड़ी पेशेवर फुटबॉल में इतने गोल नहीं कर सका। 38 वर्षीय रोनाल्डो ने बायर्न म्यूनिख और इंग्लैंड के स्ट्राइकर हैरी केन (52 गोल), पीएसजी और फ्रांस के फारवर्ड किलियन एमबीप्पे (52 गोल), और मैनचेस्टर सिटी और नॉर्वे के स्ट्राइकर एर्लिंग हॉलैंड (50 गोल) को पछाड़कर साल में सबसे ज्यादा गोल करने का रिकॉर्ड अपने नाम किया।

संक्षिप्त समाचार

आश्चर्य : सेना का कमांडो दिल्ली पुलिस सिपाही में अनफिट करार

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय सेना में लगभग 17 साल तक कमांडो रहे एक जवान को दिल्ली पुलिस सिपाही भर्ती के मेडिकल टेस्ट में अनफिट बता दिया गया। इसके बाद जवान ने केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (कैट) का दरवाजा खटखटाया है। कैट ने इस पर एसएससी से जवाब मांगा गया है। यूपी के रहने वाले अमरीश कुमार अप्रैल 2005 में भारतीय सेना में कमांडो बने थे। अप्रैल 2022 में जब वह सेवानिवृत हुए तो सेना ने उन्हें शारीरिक रूप से फिट बताते हुए शेप-1 कैटेगरी में माना। वर्ष 2023 में एसएससी ने दिल्ली पुलिस में सिपाही पद पर भर्ती निकाली। उन्होंने सेना से सेवानिवृत कैटेगरी में आवेदन किया। इसके बाद लिखित परीक्षा पास कर फिजिकल टेस्ट में भी बेहतर प्रदर्शन किया। 21 जनवरी को उन्हें मेडिकल जांच के लिए दिल्ली के तिगड़ी स्थित आईटीबीपी कैंप भेजा गया। 23 जनवरी को जांच के बाद फिर 25 जनवरी को फरीदाबाद के एक निजी अस्पताल में भेज दिया गया। यहां जांच के बाद बताया गया कि उसके एक पैर की सतही नसें दिख रही हैं। इसके चलते उन्हें मेडिकल अनफिट करार दे दिया गया। इसके खिलाफ अमरीश ने कैट में याचिका दायर की। जवान अमरीश की ओर से पेश हुए वकील अनिल सिंगल ने याचिका में अपनी दलील देते हुए कहा कि रिपोर्ट में यह नहीं बताया गया कि नसें दिखने से किस तरह सिपाही का कार्य प्रभावित हो सकता है। अगर इससे पुलिसकर्मी की ड्यूटी प्रभावित नहीं होती तो उनके मुवक्किल को अनफिट घोषित करना गलत है। वकील की तरफ से कैट को यह भी बताया गया कि अमरीश कमांडो थे। सेवानिवृत होते समय भी उन्हें दिए गए दस्तावेज में उन्हें पूरी तरह फिट करार दिया गया है। सरकारी अस्पताल में मेडिकल कराने की जगह उनकी जांच एक निजी अस्पताल में करवाई गई है। कैट ने इस पूरे मामले की सुनवाई करने के बाद एसएससी से जवाब मांगा है।

दिल्ली में इस सप्ताह जारी हो सकती है कांग्रेस प्रत्याशियों की सूची

नईदिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) और भाजपा की ओर से लोकसभा चुनाव 2024 के लिए अपने उम्मीदवारों के नाम की घोषणा के साथ ही कांग्रेस पर भी अपने प्रत्याशी घोषित करने का दबाव बढ़ गया है। माना जा रहा है कि इसी सप्ताह कांग्रेस भी उम्मीदवारों के नाम घोषित करेगी। राजधानी दिल्ली की राजनीति में एक-दूसरे की धुर विरोधी रही आप और कांग्रेस पार्टी इस बार साथ मिलकर लोकसभा चुनाव लड़ रही हैं। आप अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर चुकी है, जबकि भाजपा ने भी पांच सीटों पर अपने उम्मीदवार घोषित कर दिए हैं। बाकी दो सीटों पर भी दो-तीन दिन के अंदर उम्मीदवार के नाम की घोषणा हो सकती है। कांग्रेस पार्टी पर भी तीन सीटों पर उम्मीदवारों के नाम की घोषणा का दबाव बढ़ गया है। माना जा रहा है कि इन तीनों सीटों पर कांग्रेस पार्टी ने तीन-तीन नामों का चुनाव कर लिया है। पार्टी के सूत्रों के मुताबिक, चांदनी चौक लोकसभा सीट पर जेपी अग्रवाल, अलका लांबा या हरि शंकर गुप्ता में से किसी एक को प्रत्याशी घोषित किया जा सकता है। उत्तर-पूर्वी दिल्ली सीट से दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली को उतारा जा सकता है। उनके अलावा इस सीट से संदीप दीक्षित और मतीन अहमद को भी दावेदार माना जा रहा है, जबकि उत्तर-पश्चिमी दिल्ली सीट से उदित राज को टिकट मिलने की संभावना है। हालांकि, इस सीट से कृष्णा तीरथ और राजकुमार चौहान को भी लोकसभा टिकट का उम्मीदवार माना जा रहा है। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि प्रत्याशी चयन की प्रक्रिया अंतिम चरण में है और हाई कमान की ओर से कभी भी इसकी घोषणा की जा सकती है। बता दें कि, दिल्ली में आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के बीच 4-3 के फॉर्मूले पर सीटों का बंटवारा हुआ है।

दिल्ली में जारी रहेगी बादलों की आवाजाही, फिर से बदलेगा मौसम

नईदिल्ली, एजेंसी। पहाड़ी इलाकों से आने वाली हवा के चलते राजधानी दिल्ली में फिलहाल सुबह-शाम की ठंड बनी रहेगी। सप्ताहभर दिल्ली का अधिकतम तापमान 30 डिग्री से नीचे रहने की संभावना है। इस बीच, रविवार को अधिकतम तापमान सामान्य से एक डिग्री कम रहा।

दिल्ली के ज्यादातर हिस्सों में शनिवार को हल्की से मध्यम बारिश हुई थी। इसके चलते हवा में नमी रही। जबकि, अगले तीन-चार दिनों के दौरान हवा की गति मुख्य तौर पर उत्तरी पश्चिमी रहने की संभावना है। पश्चिमी विक्षोभ के चलते उच्च हिमालयी क्षेत्रों में अच्छी बर्फबारी हुई है। दिल्ली की ओर आने वाली हवा इन बर्फीले इलाकों की ठंडक भी अपने साथ ला रही है। इसके चलते अभी बहुत तेजी से गर्मी बढ़ने के आसार नहीं है। अगले तीन दिनों तक बादलों की आवाजाही रहेगी = दिल्ली की मानक वेधशाला सफदरजंग में रविवार दिन का अधिकतम तापमान 26.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। न्यूनतम तापमान 17.7 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य है। यहां का आर्द्रता का स्तर 100 से 48 फीसदी तक रहा। मौसम विभाग का अनुमान है कि सोमवार को अधिकतम तापमान 26 और न्यूनतम तापमान 13 डिग्री सेल्सियस तक रह सकता है। अगले तीन दिनों के बीच हल्के बादलों की आवाजाही रह सकती है। इसके बाद आसमान साफ रहेगा और दिन भर धूप निकली रहेगी।

पिछले दिन हुई बारिश और तेज हवाओं के चलते प्रदूषण के स्तर में खासा सुधार हुआ है। सुबह के समय दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक 100 के अंक से नीचे यानी संतोषजनक श्रेणी में भी पहुंच गया। हालांकि, बाद में हवा की रफ्तार थमी तो औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 126 के अंक पर रहा। इस स्तर की हवा को मध्यम श्रेणी में रखा जाता है। अगले दो दिनों के दौरान भी हवा की गुणवत्ता इसी के आसपास रहने की संभावना है। बता दें कि, शून्य से 50 के बीच एक्यूआई अच्छा, 51 और 100 के बीच संतोषजनक, 101 और 200 के बीच मध्यम, 201 और 300 के बीच खराब, 301 और 400 के बीच बेहद खराब तथा 401 और 500 के बीच गंभीर माना जाता है।

जनरल का टिकट ले एसी कोच में चढ़ गई, टीटीई ने महिला को झेलम एक्सप्रेस से बाहर फेंका

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली से सटे फरीदाबाद में खौफनाक वारदात हुई है। यहां झेलम एक्सप्रेस के टीटीई पर एक महिला को ट्रेन से बाहर फेंकने का आरोप लगा है। इस घटना में महिला काफी घायल हो गई है। महिला को शरीर पर गंभीर चोट आई है। महिला की शिकायत पर एफआईआर दर्ज कर ली गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह महिला सामान्य श्रेणी का टिकट लेकर झेलम एक्सप्रेस के एसी कोच में चढ़ी थीं। जिसके बाद टीटीई को इतना गुस्सा आया को उसने महिला को ट्रेन से धक्का दे दिया। महिला ट्रेन और प्लेटफॉर्म के बीच फंस गई थीं। पुलिसकर्मियों की नजर महिला पर पड़ी जिसके बाद उन्होंने चेन पुलिंग कर महिला को बड़ी मुश्किल से बचाया। महिला को सिर, हाथ और पैर समेत शरीर कमें अन्य जगहों पर चोटें आई है। मीडिया रिपोर्ट में बताया जा रहा है कि बुरी तरह से घायल हुई यह महिला 29 फरवरी को फरीदाबाद से ही झेलम एक्सप्रेस में चढ़ी थीं। महिला का कहना है कि उन्हें झांसी में एक शादी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए जाना था। जब वो स्टेशन पहुंची तब ट्रेन खुल चुकी थी और ट्रेन की जनरल बोगी आगे निकल चुकी थी। महिला किसी तरह एसी कोच में चढ़ने में सफल हो गई। एसी कोच में टीटीआई ने महिला से जब टिकट मांगा तब उन्होंने टीटीआई को सारी बातें बताई। महिला का कहना है कि वो जुर्माना देने के लिए भी तैयार थीं लेकिन अचानक गुस्साए टीटीई ने महिला को चलती ट्रेन से धक्का दे दिया। महिला प्लेटफॉर्म और ट्रेन के बीच फंस गई थीं। महिला को घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उनका इलाज चल रहा है। बताया जा रहा है कि महिला की शिकायत पर टीटीई पर केस दर्ज कर लिया गया है।

बांसुरी स्वराज ने ललित मोदी का किया था बचाव

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी ने लोकसभा-2024 के लिए 195 प्रत्याशियों के नाम का ऐलान किया। इस लिस्ट में भाजपा ने नई दिल्ली से बांसुरी स्वराज को अपना उम्मीदवार बनाया है। बांसुरी स्वराज दिवंगत केंद्रीय मंत्री सुषमा स्वराज की बेटी हैं। अब आम आदमी पार्टी ने नई दिल्ली से भाजपा प्रत्याशी बांसुरी स्वराज पर हमला बोला है। आप की दिल्ली सरकार में मंत्री आतिशी ने बांसुरी पर हमला बोला और कहा कि उन्होंने देश के साथ फ्रॉड करने वाले ललित मोदी का केस लड़ा था। आइये जानते हैं आतिशी ने बांसुरी स्वराज पर और क्या-क्या कहा है? नई दिल्ली से भाजपा की युवा प्रत्याशी बांसुरी पर आतिशी ने तीखा हमला बोला है। आतिशी ने भाजपा पर देश विरोधियों का बचाव करने वाले को लोकसभा चुनाव का टिकट देने की बात कही है। आतिशी ने कहा कि बीजेपी ने नई दिल्ली से एक ऐसे उम्मीदवार को टिकट दिया है जो बार-बार देश हित के खिलाफ कोर्ट में खड़ी रही, देश के विरोधियों को डिफेंड करती रही हैं। इसके साथ ही आतिशी ने आगे कहा कि बांसुरी स्वराज ने इस देश से लाखों करोड़ों रुपए के गबन करके फरार हुए ललित मोदी को 2012 से 2014 तक लगातार निचली अदालत से लेकर हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट तक अदालतों में डिफेंड किया है।

दुष्कर्म मामले में अमेरिकी पत्रकार ने भारत को बताया असुरक्षित

नई दिल्ली। झारखंड के दुमका में एक स्पेनिश महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। दुमका के हंसडीहा थाना क्षेत्र के कुरमाहाट मैदान में शुक्रवार की रात स्पेन की महिला से सात अज्ञात लोगों ने सामूहिक दुष्कर्म किया। पीड़िता के बयान पर महिला थाना पुलिस ने दो मार्च को सभी सात अज्ञात के खिलाफ सामूहिक दुष्कर्म का मामला दर्ज कर लिया है।

इस घटना के सामने आने के बाद अमेरिकी पत्रकार डेविड जोसेफ वोलोड्ज़्को ने भारत को लेकर चेतावनी दी कि महिला यात्री भारत की यात्रा अकेले न करें। जिसके बाद भारत की राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा ने पत्रकार डेविड जोसेफ वोलोड्ज़्को के पोस्ट की कड़ी निंदा की है। अमेरिकी पत्रकार डेविड जोसेफ वोलोड्ज़्को ने अपने सोशल मीडिया एक्स पर इस घटना को लेकर पोस्ट किया कि कई वर्षों तक भारत में रहने के दौरान मैंने यौन आक्रामकता का जो स्तर देखा, वह कहीं और नहीं देखा।

दिल्ली की 4 लोकसभा सीटों पर भाजपा को क्यों बदलना पड़ा चेहरा, 2 बड़ी वजहें

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी ने बुधवार को लोकसभा चुनाव के लिए प्रत्याशियों की पहली लिस्ट जारी की। इस लिस्ट में 195 सीटों पर प्रत्याशियों के नाम का ऐलान किया गया। इसमें दिल्ली की 5 सीटों पर भी प्रत्याशियों के नाम का ऐलान किया गया। बीजेपी ने इन 5 में से केवल एक सांसद को रिपीट किया बाकी चार वर्तमान सांसदों का टिकट काट दिया। अभी दिल्ली की दो सीटों पर प्रत्याशियों का ऐलान होना बाकी है। ऐसा माना जा रहा है कि बीजेपी इसमें भी एक सांसद का टिकट काटकर किसी नए चेहरे को मैदान में उतारेगी। आइये जानते हैं कि वो कौन सी वजहें रहीं जो बीजेपी ने वर्तमान सांसदों का टिकट काट दिया।

दिल्ली की चार सीटों पर नए चेहरों के नाम के ऐलान के कई कारण माने जा रहे हैं। हालांकि, इनमें से पश्चिमी दिल्ली से वर्तमान सांसद परवेश सिंह वर्मा और

दक्षिणी दिल्ली से रमेश बिधूड़ी का टिकट काट दिया है। ऐसा माना जा रहा है कि भाजपा ने इन दोनों सांसदों का टिकट इनके बड़बोलेपन को लेकर संदेश देते हुए काटा है। बता दें कि परवेश सिंह वर्मा अपने विवादित बयानों को लेकर चर्चा में रहते हैं, जबकि रमेश बिधूड़ी पिछले दिनों तत्कालीन बसपा सांसद दानिश अली को लेकर दिए बयान के कारण चर्चा में आए थे। इन दोनों की जगह पर भाजपा ने पश्चिमी दिल्ली से कमलजीत सहरावत और दक्षिणी दिल्ली से रामवीर सिंह बिधूड़ी को अपना लोकसभा प्रत्याशी बनाया है। 2019 में हुए लोकसभा चुनावों में भाजपा ने दिल्ली की सातों सीटों पर जीत दर्ज की थी। इन चुनावों में बीजेपी को 56 प्रतिशत, कांग्रेस को 22.5 प्रतिशत और आम आदमी पार्टी को 18 प्रतिशत वोट मिले थे। हालांकि, कांग्रेस और आप ने अलग-अलग चुनाव लड़ा था। इस बार दोनों पार्टियां गठबंधन बनाकर लोकसभा चुनाव के मैदान में हैं। ऐसे में 100 प्रतिशत सीटों पर जीत का स्ट्राइक रेट बनाकर रखना भाजपा के लिए चुनौती हो सकती है। ऐसा माना जा रहा है कि इसे देखते हुए भाजपा ने अपने चार वर्तमान सांसदों का टिकट काटकर नए चेहरों को मौका दिया है। बताया जा रहा है कि ये नए चेहरे बीजेपी के पॉलिटिकल कैल्कुलेशन की वजह से मैदान में हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ने बीजेपी के लिए 370 सीटों का लक्ष्य रखा है। ऐसे में लोकसभा की हर सीट अहम है। इसलिए, भाजपा ज्यादातर सीटों पर साफ-सुथरी छवि और नए नामों के साथ जाना चाहती है।

इजरायल के मंत्रिमंडल में खींचतान, प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने मंत्री को लगाई फटकार

येरुशलम, एजेंसी। इजरायल के एक शीर्ष कैबिनेट मंत्री के अमेरिकी अधिकारियों के साथ बातचीत करने के लिए रविवार को वाशिंगटन रवाना होने पर प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने उन्हें फटकार लगाई। एक इजरायली अधिकारी ने यह जानकारी दी। हमास के साथ युद्ध के लगभग पांच महीने बाद इजरायल की युद्धकालीन सरकार में यह बढ़ती खींचतान के संकेत है। नेतन्याहू के मध्यमार्गी राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी बेनी गेंट्ज पिछले साल सात अक्टूबर को दक्षिणी इजरायल पर हमास के हमले के बाद युद्ध के शुरुआती दिनों में नेतन्याहू की सरकार में शामिल हुए थे। उनकी अमेरिकी यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब नेतन्याहू और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के बीच गाजा में फलस्तीनी लोगों की पीड़ा को कम करने के तरीके पर गहरी असहमति है। मिस्र में गाजा संघर्ष विराम के लिए बातचीत चल रही थी, लेकिन इजरायली सरकार के एक अधिकारी ने कहा कि इजरायल ने कोई प्रतिनिधिमंडल नहीं भेजा क्योंकि नेतन्याहू को दो सवालों पर हमास से जवाब नहीं मिला है। इजरायली मीडिया के अनुसार, जीवित बंधकों और हमास द्वारा प्रत्येक बंधक के बदले में मांगे जाने वाले फलस्तीनी कैदियों की संख्या की एक सूची है। अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थों को उम्मीद है कि 10 मार्च के आसपास मुस्लिमों का पवित्र महीना रमजान शुरू होने से पहले कोई समझौता हो जाएगा। पिछले सप्ताह ट्रकों से खाना लेने की कोशिश कर रहे दर्जनों फलस्तीनियों के मारे जाने के बाद शनिवार को अमेरिका ने गाजा में हवाई मार्ग से राहत सामग्री गिराई। नेतन्याहू के कट्टरपंथियों के बाहुल्य वाले मंत्रिमंडल के कारण क्षेत्र में अमेरिकी प्राथमिकताएं तेजी से बाधित हो रही हैं। नेतन्याहू सरकार में कट्टर राष्ट्रवादियों का प्रभुत्व है। गेंट्ज की अधिक उदार पार्टी कभी-कभी नेतन्याहू के कट्टर सहयोगियों के मद्देनजर संतुलन बनाने का कार्य करती है। नेतन्याहू की लिकुड पार्टी के एक अधिकारी ने कहा कि गेंट्ज की यात्रा इजरायली प्रधानमंत्री की अनुमति के बिना हो रही है। उन्होंने कहा कि नेतन्याहू ने यात्रा के बारे में गेंट्ज के साथ कठोर शब्दों में बातचीत की और उन्हें बताया कि देश में सिर्फ एक प्रधानमंत्री है। एक इजरायली अधिकारी ने कहा कि गेंट्ज ने नेतन्याहू को अमेरिका की यात्रा करने और उनके साथ संदेश साझा करने के अपने इरादे के बारे में सूचित किया था। उद्देश्य वाशिंगटन के साथ संबंधों को मजबूत करना, इजरायल के जमीनी अभियान के लिए समर्थन मांगना और गाजा में बंधक बनाकर रखे गए इजरायलियों की रिहाई पर जोर देना है। गेंट्ज की नेशनल यूनिटी पार्टी के अनुसार वह अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन से मुलाकात करेंगे।

गाजा युद्धविराम वार्ता के लिए हमास प्रतिनिधिमंडल काहिरा में मध्यस्थों के साथ शामिल

काहिरा, एजेंसी। हमास का एक प्रतिनिधिमंडल गाजा में युद्धविराम पर बातचीत के लिए मिस्र की राजधानी काहिरा में कतर और अमेरिका के मध्यस्थों के साथ शामिल हो गया है। इजराइल ने रमज़ान प्रारंभ होने पर छह सप्ताह के युद्ध विराम का संकेत दिया है। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका ने रविवार को कहा कि छह सप्ताह के युद्ध विराम के दौरान इजराइली बंधकों और फिलिस्तीनी कैदियों की रिहाई होगी। बीबीसी ने हमास के हवाले से कहा है कि अगले 24 से 48 घंटों के भीतर युद्ध विराम पर समझौता हो सकता है। 29 फरवरी को गाजा शहर के बाहर राहत सामग्री वितरण के दौरान 100 से अधिक फिलिस्तीनी नागिरकों के मारे जाने के बाद युद्ध विराम के लिए इजराइल पर दबाव बढ़ गया है। हमास ने इज़राइली सेना पर नागरिकों पर गोली चलाने का आरोप लगाया था, हालांकि इजराइल ने इससे इनकार किया है। रविवार को इज़राइली रक्षा बल (आईडीएफ) के प्रवक्ता रियर एडमिरल डैनियल हगारी ने कहा, हमारी प्राथमिक जांच में यह स्पष्ट हुआ है कि आईडीएफ की ओर से नागरिकों पर गोलीबारी नहीं की गई। हगारी ने कहा, भगदड़ के परिणामस्वरूप अधिकांश फ़िलिस्तीनी मारे गए या घायल हुए। उन्होंने कहा, घटना की प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि

भीड़ को तितर-बितर करने के लिए चेतावनी के तौर पर इजराइली सैनिकों ने गोलीबारी की, और जब सेना पीछे हटने लगी, तो भीड़ ने उन पर हमला कर दिया। हगारी ने कहा कि इसके बाद सैनिकों ने सीमित रूप से जवाबी कार्रवाई की। आईडीएफ के अनुसार, स्थानीय लोगों ने अल-रशीद स्ट्रीट पर ट्रकों को घेर लिया और सामानों को लूट लिया। इस दौरान कई फिलिस्तीनी ट्रकों के नीचे आकर कुचल गए।

अब मुझे मां कौन कहेगा?, गाजा में स्ट्राइक में महिला ने गंवाए अपने जुड़वा बच्चे; खून से सना नवजात का चेहरा

गाजा, एजेंसी। इजरायल-हमास की जंग ने कई मासूमों को मौत के घाट उतार दिया। न जाने कितने ही परिवार अपनों से दूर हो गए। ऐसा ही कुछ रानिया अबू अंजा के साथ हुआ है। रविवार को लोग गाजा में इजरायली हवाई हमले से तबाह हुए घरों के नीचे जीवित बचे लोगों की तलाश कर रहे थे। इसी दौरान अबू की नजर अपने नवजात जुड़वां बच्चों पर पड़ी जो अब जिंदा नहीं रहे।

फलिस्तीनी महिला ने कहा कि वह मां बनने के अपने सपने को साकार करने के लिए प्रजनन ट्रीटमेंट के कई दौर से गुजरी थी, लेकिन गाजा पट्टी में नरसंहार ने उससे उसका सबकुछ छीन लिया। रविवार को आंसुओं के साथ अपने बेजान बच्चों को गोद में

लिए अबू चिल्लाते और रोते हुए बस यही कह रही थी कि अब से मुझे मां कौन कहेगा? मुझे मां कौन कहेगा? अबू के एक बच्चे का चेहार पूरा खून से सना हुआ था। हमास द्वारा संचालित गाजा में स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि दक्षिणी गाजा शहर राफा में रात भर हुए हमले में मारे गए 14 लोगों में से यह दोनों जुड़वा बच्चे थे। दोनों का नाम विसम और नईम था जो अभी 6 महीने के भी नहीं हुए थे। इन मौतों के लिए इजरायल को जिम्मेदार ठहराया गया है। मरने वालों में सभी अबू अंजा परिवार के सदस्य थे। वे 30,410 मौतों में शामिल हो गए, जिनमें से अधिकांश महिलाएं और बच्चे थे। मंत्रालय द्वारा रिपोर्ट की गई जब से इजरायल ने पिछले अक्टूबर में हमास को खत्म करने के लिए सैन्य अभियान शुरू किया था। जब रानिया अबू अंजा अपने बेटे और बेटी को दफनाने के लिए इंतजार कर रही थी, तब घर के मलबे पर लोग उन लोगों के नाम चिल्ला रहे थे जिनके बारे में उन्हें उम्मीद थी कि वे बच गए होंगे यासिर! अहमद! सज्जार!

इजरायल का कहना है कि उसके अभियान का उद्देश्य हमास लड़ाकों को खत्म करना है। इजरायली सेना ने जिस घर पर कार्रवाई की वहां केवल नागरिक रह रहे थे। लोगों ने दावा किया कि घर में कोई सैन्य उपस्थिति नहीं थी। बता दें कि लगभग 15 लाख फलिस्तीनियों ने रफा में शरण मांगी है। मध्यस्थ एक युद्धविराम पर ताला लगाने की कोशिश कर रहे हैं जो कम से कम अस्थायी रूप से मुसलमानों के पवित्र महीने रमजान से पहले लड़ाई को रोक देगा, जो चंद्र कैलेंडर के आधार पर 10 या 11 मार्च को शुरू होता है।

दक्षिण कोरिया-अमेरिका का वार्षिक सैन्य अभ्यास शुरू

सियोल, एजेंसी। उत्तर कोरिया के परमाणु और मिसाइल खतरों को ध्यान में रखते हुए दक्षिण कोरिया और अमेरिका ने सोमवार को अपना वार्षिक संयुक्त सैन्य अभ्यास शुरू किया। योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, पश्चिमी समुद्री सीमा के पास उत्तर कोरिया की गोलाबारी और मिसाइल प्रक्षेपण से बढ़ते तनाव के बीच दोनों देशों ने 11 दिनों तक चलने वाला वार्षिक फ्रीडम शील्ड अभ्यास शुरू किया। तनाव कम करने के लिए 2018 के अंतर-कोरियाई सैन्य समझौते को रद्द करने के बाद यह पहला सैन्य अभ्यास है। उत्तर कोरिया लंबे समय से मित्र राष्ट्रों के सैन्य अभ्यासों को उसके खिलाफ आक्रामक कार्रवाई करार देते हुए उसकी निंदा करता रहा है। ऐसे अभ्यासों के खिलाफ जवाबी कार्रवाई के रूप मे वह अक्सर मिसाइल प्रक्षेपण करता है। हालांकि सियोल और वाशिंगटन ने कहा है कि यह अभ्यास पूरी तरह से रक्षात्मक है। दक्षिण कोरियाई और अमेरिकी सेनाओं ने कहा कि नवीनतम अभ्यास का उद्देश्य उनकी संयुक्त रक्षा स्थिति को मजबूत करना है। पिछले हफ्ते ज्वॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के प्रवक्ता कर्नल ली सुंग-जून ने कहा था कि अभ्यास के दौरान उत्तर कोरिया की क्रूज मिसाइलों का पता लगाने और उन्हें रोकने का प्रशिक्षण भी होगा।

सुनील कुमार सिंह ने जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी के रूप में पदभार ग्रहण किया

झारखण्ड सूचना सेवा के चतुर्थ बैच के हैं अधिकारी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। सुनील कुमार सिंह ने जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी, धनबाद के रूप में पदभार ग्रहण किया। सुनील सिंह झारखण्ड सूचना सेवा के चतुर्थ बैच के अधिकारी हैं, इससे पहले वो सरायकेला खरसावां में जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी के रूप में कार्यरत थे। उन्होंने कहा कि जिला में पदाधिकारियों के साथ आपसी समन्वय व सामंजस्य स्थापित करते हुए सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की सूचना समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का कार्य किया जायेगा। इस दौरान जिला जनसम्पर्क कार्यालय के पदाधिकारी एवं कर्मचारी गण उपस्थित थे।

डीडीसी ने टोटो रैली को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

शहर का परिभ्रमण कर लोगों को मतदान के लिए करेगी प्रेरित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। लोकसभा आम चुनाव 2024 में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के उद्देश्य से स्वीप के तहत टोटो रैली निकालकर मतदाताओं को जागरूक किया गया।

समाहरणालय परिसर से उप विकास आयुक्त (डीडीसी) संदीप कुमार, डीपीएलआर मेनका, स्वीप के नोडल पदाधिकारी प्रभाष दत्ता आदि ने संयुक्त रूप से टोटो रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इससे पूर्व,सभी पदाधिकारियों ने टोटो एवं अन्य वाहनों में मतदाता जागरूकता से संबंधित चुनाव का पर्व देश का गर्व स्टीकर को चस्पा किया। रैली में शामिल जेएसएलपीएस की सखी दीदीओं ने मतदाता जागरूकता नारे (छोड़ के अपने सारे काम,पहले करें मतदान/ आओ सब मिलकर गाएं,हम देने वोट जरूर जाएं/प्रजातंत्र से नाता है भारत के मतदाता हैं/आओ मिलकर अलख जगाएं शत प्रतिशत

मतदान कराएं/वोट डालने जाना है अपना फर्ज निभाना है) लगाकर क्षेत्र के लोगों को मतदान के प्रति प्रोत्साहित किया।

मौके पर उप विकास आयुक्त संदीप कुमार ने कहा कि होने वाले लोकसभा चुनाव 2024 में मतदान प्रतिशत बढ़ाने को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त विजया जाधव के निदेशानुसार स्वीप कोषांग द्वारा लगातार मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इसी क्रम में आज समाहरणालय परिसर से टोटो रैली एवं मतदाता जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। सभी टोटो पर चुनाव का पर्व - देश का गर्व, मतदान आवश्य करें संबंधित संदेश का बोर्ड एवं स्टीकर चस्पा किया गया।

मौके पर डीपीएलआर मेनका एवं स्वीप के नोडल पदाधिकारी सह डीसीएलआर प्रभाष दत्ता ने कहा कि मतदान करना हमारा संवैधानिक अधिकार है। मजबूत लोकतंत्र के लिए मतदान करना जरूरी है। ज्यादा से ज्यादा मतदाता देश के इस पर्व में शामिल हो, मतदान दिवस के दिन अपने मताधिकार का इस्तेमाल करें। इसके लिए लगातार मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में आज का भी कार्यक्रम रहा।

मौके पर जिला पशु पालन पदाधिकारी डा. मनोज मणि,जिला जनसंपर्क पदाधिकारी साकेत कुमार पांडेय, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार, जेएसएलपीएस के डीपीएम प्रकाश रंजन,एनआरएच के डीपीएम प्रदीप कुमार,डीएमएफटी के अभय कुमार समेत विभिन्न विभागों के पदाधिकारी कर्मी आदि उपस्थित थे।

53 वां राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह दिवस शुरू

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चंद्रपुरा। डीवीसी चंद्रपुरा ताप विद्युत केंद्र प्रबंधन और सुरक्षा विभाग द्वारा 53 वाँ राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस का शुभारंभ किया गया । इस अवसर पर वरिष्ठ महाप्रबंधक और परियोजना प्रधान मनोज कुमार ठाकुर और वरिष्ठ महाप्रबंधक आरपी साह ने सुरक्षा प्रतिज्ञा पर कर्मियों को हिंदी और अंग्रेजी में शपथ दिलाया और राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद का झंडोतोलन किया।

4 मार्च से 10 मार्च तक मनाये जा रहे 53 वॉ राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह दिवस में डीवीसी कर्मियों को दिलाये गए प्रतिज्ञा में उपस्थित कर्मियों ने सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञा लिया कि वह अपने आपको सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं पर्यावरण के बचाव के प्रति समर्पित रहेंगे और नियमों विनियमों एवं कार्य विधियो के पालन हेतु यथाशक्ति प्रयत्न करेंगे और निश्चित रूप से इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रेरणादायक अभिविर्तियों एवं आदतों का विकास करेंगे। उनकी मान्यता है की दुर्घटनाएं और बीमारियां अर्थव्यवस्था को दुर्बल बनती है तथा यह विकलांगता, मृत्यु एवं स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है एवं संपत्ति की क्षति, सामाजिक कष्ट और पर्यावरण के निकृष्ट होने का कारण बनती है। कर्मियों ने परिवार, संगठन,समाज एवं राष्ट्र के हित में दुर्घटनाओं, बीमारियों की रोकथाम और पर्यावरण के बचाव के लिए हर संभव प्रयत्न करने का प्रतिज्ञा लिया।इस अवसर पर महाप्रबंधक अविजीत घोष, संजीव कुमर, अशोक चौबे, मनोज कुमार झा, रंजीत कुमार चौबे आदि उपस्थित थे।

अपनी मांगों के समर्थन में बोकारो स्टील राष्ट्रीय मजदूर संघ ने किया प्रदर्शन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। बोकारो स्टील राष्ट्रीय मजदूर संघ के पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत आज बोकारो स्टील प्लांट के गोल चक्कर के पास बायोमैट्रिक अटेंडेंस प्रणाली के विरोध में एक जोरदार प्रदर्शन किया गया। जिसकी अध्यक्षता यूनियन के अध्यक्ष विशेश्वर महतो एवं संचालन सिंटर प्लांट के कर्मचारी रमेश कुमार मिश्रा ने किया। प्रदर्शन में बोकारो स्टील प्लांट के विभिन्न विभागों से हजारों कर्मचारियों ने हिस्सा लिया और इस बायोमेट्रिक प्रणाली का कर्मचारियों द्वारा स्वतः विरोध किया गया । सभा को संबोधित करते हुए महामंत्री विनोद कुमार ने कहा कि मजदूरों के आधे अधूरे वेज रिवीजन एवं अन्य मांगों को पूरा किये बिना रफेस बायोमेट्रिक मंजूर नहीं,मजदूरों ने स्वतः विरोध किया है, यह प्लांट के कार्यरत कर्मचारियों के अपने हक

अधिकार की आवाज है। मजदूरों की कई मांगे अभी लंबित पड़ी हुई हैं। उनको पूरा करने के बजाए मजदूरों पर जबरदस्ती सर्कुलर थोपा जा रहा है। इससे पूर्व भी बीएमएस ने इस विषय पर सर्कुलर को निकाले जाने से पहले अपनी आपत्ति प्रबंधन के सामने जाहिर किया था।इसके बावजूद भी प्रबंधन ने अपना तुगलकी फरमान जारी किया। इसीके फलस्वरुप आज हजारों की संख्या में कर्मचारियों ने गोल चक्कर पर पहुंचकर अपना विरोध प्रदर्शन किया, यह कर्मियों के आक्रोश को दर्शाता है।

इस सभा को सम्बोधित करते हुए एन जे सी एस सदस्य रंजय कुमार ने कहा की यह आक्रोश केवल बायो मेट्रिक के खिलाफ नहीं है अपितु प्रबंधन के तुगलकी फरमान के विरुद्ध है. यह प्रदर्शन कर्मचारियों का, कर्मचारियों के लिए एवं कर्मचारियों द्वारा आयोजित था. उन्होंने आगे कहा की आज प्रबंधन निरंकुश हो चुका है, परन्तु कर्मचारियों ने आज के प्रदर्शन से यह झलक दिखा दिया है की अब प्रबंधन की मनमानी नहीं चलेगी। इस प्रदर्शन एवं मजदूरों के आक्रोश को देखने के बाद भी यदि प्रबंधन की आँखे नहीं खुलती है तो संघ इससे भी उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य हो जायेगी जिसकी पूरी जिम्मेवारी बोकारो प्रबंधन की होगी।

इस प्रदर्शन में कर्मचारियों ने भिन्न भिन्न तरह के नारों के द्वारा अपनी आवाज प्रबंधन तक पहुँचाने का प्रयास किया, जैसे आधा - अधूरा वेतन समझौता पूरा करो, बहुमत के आधार पर निर्णय लेना बंद करो, बकाया राशि का भुगतान जल्द करो , बायोमेट्रिक सिस्टम बंद करो, कर्मचारी सुविधाओं में कटौती बंद करो, इंसेंटिव टेबल रिवाइज करो, रात्रि पाली भत्ता में बढ़ोतरी करो, बोनस स्कीम में सुधार करो, अधिकारी- कर्मचारी का छुट्टी एक समान करो, मॉडर्नाइजेशन के नाम पर लूट खसोट बंद करो, बी जी एच में स्वास्थ्य सेवाएं दुरुस्त करो, तथा नगर सेवा में रिश्वतखोरी बंद करो इत्यादि नारे लगाए गए।

इस सभा को आर जी बी एस के आर के गोराई ने भी सम्बोधित किया एवं कहा की 39 महीने का बकाया जल्द दिया जाए एवं ग्रेचुटी की सिलिंग समाप्त की जाए। आर जी बी एस के सतेंद्र कुमार ने कहा की बायो मेट्रिक के सर्कलर से सभी कर्मचारी त्रस्त हैं इसलिए इसे जल्द वापस लिया जाए। आर सी एल के दिलीप कुमार ने कर्मचारियों से आग्रह किया की आज जो एकता कर्मचारियों ने एक सर्कलर के विरुद्ध दिखाया है इसे वरकरार रखना है, और आगे अभी और लड़ाई लड़नी है।

वृद्धावस्था पेंशन के लंबित आवेदनों को निष्पादित करने का दिया निर्देश

खराब प्रदर्शन वाले प्रखंडों को अविलंब सुधार लाने का मिला टारगेट

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। समाहरणालय स्थित सभागार में उपायुक्त विजया जाधव ने मुख्यमंत्री राज्य वृद्धावस्था पेंशन योजना के तहत चल रहें कार्यों की प्रगति की समीक्षा बैठक की। मौके पर उप विकास आयुक्त संदीप कुमार, अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा पीयूष,सभी प्रखंडों के प्रखंड विकास पदाधिकारी आदि उपस्थित थे।

बैठक में उपायुक्त ने महिला बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग के निदेशानुसार 50 - 60 आयुवर्ग के सभी महिलाओं, अनुसूचित जनजाति (एसटी) तथा अनुसूचित जाति (एससी) के पुरूष को मुख्यमंत्री राज्य वृद्धावस्था पेंशन योजना (एमएमएसओएपीएस) के

तहत जोड़ने को लेकर पिछले दिनों चार दिवसीय पंचायत स्तरीय आयोजित पेंशन शिविर में प्राप्त आवेदनों एवं स्वीकृत आवेदन की प्रखंडवार समीक्षा की।

उन्होंने लक्ष्य के विरुद्ध कम आवेदन संग्रहण,डाटा इंट्री/सत्यापन एवं स्वीकृति में खराब प्रदर्शन वाले प्रखंडों को प्रदर्शन में अविलंब सुधार लाने का निर्देश दिया। कहा कि अतिरिक्त कंप्यूटर आपरेटर लगाकर स्वीकृत आवेदनों को पोर्टल पर अविलंब अपलोड करें। अतिरिक्त आपरेटर के मानदेय की राशि जिला से उपलब्ध कराई जाएगी। इस कार्य में जुटे कर्मियों के कार्य प्रगति की निगरानी करें।

उपायुक्त ने प्रखंड स्तर पर बीएलसीसी की बैठक कर बैंक से संबंधित समस्याओं का समाधान करने एवं आवेदनों के सत्यापन कार्य में आंगनबाड़ी कर्मियों/ जेएसएलपीएस की महिला दीदीओं/ मुखिया/पंचायत प्रतिनिधि आदि का सहयोग लेने की बात कहीं।

"आई एम वेरिफाईड वोटर" अभियान का हुआ शुभारंभ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूंटी। आसन्न लोक सभा चुनाव को लेकर जिला के प्रत्येक मतदान केंद्रों पर हैश टैग आई एम वेरिफाईड वोटर अभियान का शुभारंभ हुआ। विशेष कार्य पदाधिकारी, मंत्रिमंडल (निर्वाचन) विभाग, रांची, गीता चौबे खूंटी पहुंचीं। उन्होंने जिले के विभिन्न मतदान केंद्रों का दौरा कर हैश टैग आई एम वेरिफाईड वोटर अभियान का लिया जायजा। साथ ही बुथों पर उपलब्ध न्यूतम मूलभूत सुविधओं का निरीक्षण किया। मौके पर पर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया।

निर्वाचन मंत्रीमंडल विभाग, झारखंड, रांची की संयुक्त सचिव ने जिला मुख्यालय अंतर्गत एसएस + 2 उच्च विद्यालय में स्थित बुथ संख्या- 188, 189, 190, राजकीय हिंदी मध्य विद्यालय (सीएम एक्सेलेंस गर्ल्स स्कूल) स्थित बुथ संख्या- 174, 175, 176, 177 एवं सामुदायिक भवन, नामकोम स्थित बुथ संख्या- 201 पर पहुंची। तत्पश्चात संयुक्त सचिव द्वारा मुरहू प्रखंड अंतर्गत राजकीय प्राथमिक विद्यालय, कुदी बरटोली स्थित मतदान केंद्र संख्या 213 का दौरा किया।

मौके पर मतदाताओं द्वारा मतदाता सूची में अपने नाम की जाँच के उपरांत संतुष्ट होने पर मतदाता सूची के साथ सेल्फी/फोटोग्राफी कराई गई। सोशल मीडिया पर हैश टैग आई एम वेरिफाईड वोटर पोस्ट कराया गया। मतदान केन्द्र पर आने वाले सभी मतदाताओं को आन लाइन वोटर हेल्प लाइने ऐपे के बारे में जानकारी देते हुए उक्त ऐप को डाउनलोड कराया गया। आन लाइन वोटर हेल्प ऐपे के माध्यम से मतदाता का नाम संबंधित मतदान केन्द्र की मतदाता सूची में दर्ज है, इसकी जाँच करने की प्रक्रिया से अवगत कराया गया। मतदाताओं को बताया गया कि यदि नाम मतदाता सूची में किसी का नाम दर्ज नहीं है अथवा कोई अन्य त्रुटि हो

तो बीएलओ के पास उपलब्ध प्रपत्र 6 एवं 8 प्रयोग कर नाम दर्ज या त्रुटि में सुधार कराया जा सकता है। मौक पर मौजूद मतदाताओं से हैश टैग आई एम वेरिफाईड वोटर अभियान का प्रचार-प्रसार करने की अपील की गई। साथ ही निर्भिक होकर चुनाव के दौरान अपने मताधिकार का प्रयोग करने हेतु प्रेरित किया गया।

निर्वाचन मंत्रीमंडल विभाग, झारखंड, रांची की संयुक्त सचिव ने बुथ भ्रमण के दौरान उक्त बुथों पर उपलब्ध न्यूनतम मूलभूत सुविधाएं यथा- पेयजल, बिजली, शौचालय, रैम्प आदि का निरीक्षण किया। मौक पर संबधित अधिकारियों को यथाशीघ्र उक्त न्यूनतम मूलभूत सुविधाएं बहाल करने का निर्देश दिया गया। इस दौरान निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी 60-खूंटी सह अनुमंडल पदाधिकारी, खूंटी अनीकेत सचान, उप निर्वाचन पदाधिकारी प्रिंस गॉडवीन कुजूर, खूंटी एवं अन्य मौजूद थे।

उपायुक्त ने की जिला दूरसंचार समिति की बैठक

नेटवर्क कनेक्टिविटी से वंचित क्षेत्रों की सूची जिला को समर्पित करने का निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। समाहरणालय स्थित सभागार में उपायुक्त विजया जाधव ने सोमवार को जिला दूर संचार समिति की बैठक की। बैठक में अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी,विभिन्न नेटवर्क प्रदात्ता कंपनी के प्रतिनिधियों,सभी प्रखंडों के प्रखंड विकास पदाधिकारी, सहायक नगर आयुक्त चास, कार्यपालक पदाधिकारी फुसरो नप एवं अन्य समिति सदस्य उपस्थित थे।

बैठक में उपायुक्त ने जिले में अधिष्ठापित विभिन्न मोबाइल टावरों के भूमि संबंधित विस्तृत विवरणी संबंधित एजेंसियों को समिति को

उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। वहीं, डीटीसी के द्वारा अनुसंशित टावरों की भूमि सत्यापन का प्रतिवेदन उपलब्ध नहीं कराएं जाने को लेकर समिति ने नाराजगी व्यक्त करते हुए सभी अंचलाधिकारियों को 02 दिनों में भूमि का सत्यापन प्रतिवेदन जिला को समर्पित करने को कहा।

बैठक में चास नगर निगम क्षेत्र में कितने ऐसा मोबाइल टावर है, जिनका अधिष्ठापन निजी घरों के छतों पर किया गया है। नगर निगम के सहायक नगर आयुक्त एवं भवन प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता को उपायुक्त ने भवनों की क्षमता एवं वर्तमान स्थिति का आंकलन कर समिति की अगली बैठक में प्रतिवेदन समर्पित करने का निर्देश दिया। साथ ही, इसकी अनुमति प्राप्त की गई है या नहीं इसकी जांच करने का निर्देश दिया।

उपायुक्त ने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों (बीडीओ) को क्षेत्र अंतर्गत वैसे क्षेत्रों की सूची अविलंब समर्पित करने को कहा जहां किसी भी तरह का नेटवर्क कनेक्टिविटी नहीं है। उन्होंने बैठक में उपस्थित सरकारी एवं निजी मोबाइल नेटवर्क उपलब्ध कराने वाले कंपनियों को सूची प्राप्त होने पर इस दिशा में अविलंब सकारात्मक पहल करने का निर्देश दिया।

वहीं, बैठक में जिन कंपनियों के मोबाइल टावर लगाने से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए थे,उनके प्रतिनिधि बैठक में अनुपस्थित रहने पर उन मामलों पर कोई सुनवाई नहीं की गई।इसके अलावा कई अन्य बिंदुओं पर भी चर्चा की गई और जरूरी दिशा निर्देश दिया गया।

मोदी की नीतियों से हो रहा गाँवों का विकास

बोकारो। भाजपा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य कुमार अमित ने पार्टी के गाँव चलो अभियान और लाभार्थी सम्पर्क अभियान के तहत चास प्रखण्ड के पिण्ड्राजोरा गांव में केन्द्रीय योजना के लाभार्थियों से सम्पर्क किया। इस दौरान कुमार अमित ने इस गाँव के घर-घर जाकर लोगों को प्रधानमंत्री के संदेश के साथ-साथ केन्द्र सरकार की उपलब्धियों को बताया। अमित ने ग्रामवासी लाभार्थियों से उनके परिवार को किन किन योजना का लाभ मिला है, ये भी जाना और मोदी सरकार के समर्थन में इन लोगों से मिस्ड कॉल भी करवायी एवं लाभार्थियों के दरवाजों पर पार्टी का स्टिकर भी चिपकाया लाभार्थियों ने अमित को इन योजनाओं की विशेषता के साथ-साथ योजना को और सरल बनाने सम्बंधित अनेक सुझाव भी दिया। अमित ने गाँव के लाभार्थियों को कहा कि प्रधानमंत्री के नीतियों और कार्यों के कारण आज गाँव के लोगों का जीवन पहले से सरल हुआ है। इन नीतियों के कारण हीं आगामी वर्षों में भारत विकसित गाँवों का देश बनेगा। अमित ने लोगों से गाँव की अन्य समस्याओं को भी जाना और आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा को वोट देने की अपील भी की।

डीईओ की अपील पर मतदान केंद्रों पर जुटी भीड़

मतदाताओं ने लिया सेल्फी, सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर किया पोस्ट

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। मंत्रिमंडल (निर्वाचन) विभाग के निदेशानुसार सोमवार को शुरू किए गए सोशल मीडिया अभियान को सफल बनाने में जिले के मतदाताओं के बीच भारी उत्साह दिखा। जिला निर्वाचन पदाधिकारी (डीईओ) सह उपायुक्त (डीसी) विजया जाधव की अपील पर सुबह से ही जिले के मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की भीड़ जुटने लगी थी। सभी मतदाता अंतिम प्रकाशित मतदाता सूची में अपना नाम जांच कर/संतुष्ट होने पर मतदाता सूची के साथ सेल्फी लेकर अपने -अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर पोस्ट करते दिखे। वहीं, जिनके नाम में संशोधन की आवश्यकता थी या नाम जोड़ना था। उन्होंने संबंधित प्रपत्र को मौके पर ही भरकर बीएलओ को जमा किया।

वहीं,कई मतदाताओं ने ऑनलाइन माध्यम से मतदाता सूची में अपने नाम का सत्यापन किया। सभी ने सेल्फी लेकर टैग करते हुए अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर पोस्ट किया। उधर, जिला निर्वाचन पदाधिकारी (डीईओ) सह उपायुक्त (डीसी) के निदेशानुसार सभी मतदान केंद्रों पर ससमय बूथ लेवल आफिसर (बीएलओ) पर्याप्त संख्या में फार्म 06,फार्म 07 एवं फार्म 08 लेकर उपस्थित थे। सभी क्षेत्रों के निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी (ईआरओ) एवं सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी (एईआरओ) सह बीडीओ/सीओ ने विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर बीएलओ को जरूरी दिशा ‌झ निर्देश दिया।

बसपा का धरना 7 मार्च को

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर तमाम राजनीतिक दल सक्रिय हो गए हैं। इसी क्रम में बहुजन समाजवादी पार्टी (बसपा) भी जन समस्याओं को लेकर आगामी 7 मार्च को रणधीर वर्मा चौक के समक्ष धरना प्रदर्शन आयोजित करेगा। यह निर्णय सोमवार को लक्ष्मी कलवारी अंबेडकर चौक के पास पार्टी की हुई एक बैठक में दिया गया। बैठक की अध्यक्षता विनोद पासवान ने की जबकि संचालन गणेश भारती ने की।मौके पर पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष शुभम दास लोकसभा प्रभारी दो रामप्रवेश पासवान भी उपस्थित थे। बैठक में जन समस्याओं को लेकर विस्तार से न केवल चर्चा हुई बल्कि इसके समाधान के लिए रणनीति भी तैयार की गई।बैठक में धनबाद लोकसभा क्षेत्र में विभिन्न जन समस्याओं को लेकर उदासीन जनप्रतिनिधियों की जोरदार आलोचना की गई तथा इसके लिए आंदोलनात्मक कदम उठाने का निर्णय लिया गया।

शिशु रोग विशेषज्ञ ने माता-पिता की स्मृति में मेडिकल कैम्प का किया आयोजन

नामचीन चिकित्सकों ने भी दिखायी भागेदारी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। चास - बोकारो के प्रसिद्ध शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. एस. सी. मुंशी. एवं उनके अग्रज गिरीश चंद्र मुंशी के द्वारा अपने स्वर्गीय माता-पिता सुदामा देवी एंव गोकुल चंद्र मुंशी के पुण्य स्मृति में, श्रद्धांजलि स्वरुप ग्राम दलुडीह (राजगंज) में एक विशाल मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया।

मुस्कान अस्पताल चास एंव बोकारो के प्रसिद्ध एंव विशेषज्ञ चिकित्सकों डॉ. उषा सिंह, डॉ. कुसुम प्रकाश एवं डॉ. निकहत सिद्दीकी (स्त्री रोग), डॉ. एस. सी. मुंशी, डॉ. रोली मुंशी एंव डॉ. हर्षिता (शिशु रोग), डॉ. इरफान अंसारी (सर्जरी, हड्डी एंव जोड़), डॉ. शाहनवाज अनवर एंव डॉ. मनोज कुमार श्रीवास्तव

शिविर का 700 से अधिक मरीजों ने उठाया लाभ

(मेडिसिन विभाग), डॉ. जॉन लिउ (दाँत), डॉ. ए. के. झा (चर्म रोग), डॉ. जाहिद अली सिद्दीकी (नेत्र), डॉ. तरुण कौशिक (गुर्दा) एंव अन्य चिकित्सकों के द्वारा तकरीबन 700 मरीजों का जाँच एंव उचित सलाह दिया गया। कैंप स्थल पर ही ब्लड शुगर, हीमोग्लोबिन, इ. सी. जी., बहरेपन की जाँच, चश्मे का पावर इत्यादि का समुचित व्यवस्था भी किया गया था।

तीन साल से ऊपर करीब 70 बच्चों को टाइफाइड से बचाव के लिए टिका एंव कृमि के लिए एल्बेंडाजोल सिरप स्पॉट पर ही खिलाया गया। दवाईयों की भरपूर व्यवस्था की गई थी, एंव सभी मरीजों को सलाह के मुताबिक भरपूर दवाईयाँ प्रदान किया गया।

इस समाज सेवा को सफल बनाने में मुस्कान अस्पताल चास के अलावा रोटरी क्लब बोकारो के अशोक तनेजा, पीए जकारिया, डॉ. अनिल त्रेहान, अशोक जैन, प्रदीप सिंह, पूनम त्रेहान, मीनू सिंह, अशोक केडिया, प्रदीप नारायण, विवेक कक्कड़ इत्यादि का योगदान सराहनीय था।

डॉ. मुंशी का कहना है, कि वे पिछले 15 वर्षों से ग्रामीण क्षेत्रों में गरीब एंव जरुरतमंदो को चिकित्सा सेवा प्रदान करते आ रहे है, और आगे भी वे इसी प्रकार के समाज-सेवा करते रहेंगे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी.कॉर्प.लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लॉट नंबर 31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक: मनोज विशाल फोन नंबर: 9431145865, 8210783623, आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या: JHAHIN/2017/72655, Email : bokaronbt@gmail.com